डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹79700 10 ग्राम

₹97000 01 किलो

सेंसेक्स 73,198.10 -1,414.33

डॉलर 87.466 +0.136

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

फाल्गुन शुक्ल पक्ष 03, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 02 मार्च 2025, वर्ष-31, अंक-137, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 आर्मंड डुप्लांटिस ने 11वीं बार...

एक नजर

आज दोपहर 2.30 से शाम 5.30 तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

मेदिनीनगर। विद्युत शक्ति उपकेन्द्र, फिल्ड में अनुरक्षण का कार्य व पेड़-पौधों की टहनी की छंटाई का कार्य होने के कारण रविवार को 2.30 बजे से संध्या 5.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके तहत बाजार फीडर, हॉस्पीटल फीडर से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। शहरी क्षेत्र के सत्संग मंदिर, हाउसिंग कॉलोनी, आदर्श कॉलोनी, मेहता नगर, बारालोटा, कचरवा, गुरयाही, बहलोलवा, रेड़मा, दो नंबर टॉउन, केवाल टोली, रांची रोड़, पांकी रोड़, हवाई अड्डा, चियांकी के साथ लेस्लीगंज, पांकी, चैनुपर आदि क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। श्री श्याम मित्र मंडल की शोभायात्रा और पेड़-पौधों की टहनी की छंटाई के कारण बाजार फीडर, हॉस्पीटल फीडर से भी उक्त समय तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

ट्रैक्टर पलटने से 2 बच्चों की मौत, आधा दर्जन घायल

लोहरदगा। जिले के सरेंगदाग थाना क्षेत्र के हेसाग में ट्रैक्टर पलटने से 2 किशोर की मौत हो गई। वहीं आधा दर्जन लोग घायल हो गए हैं। मृतकों में ऊपर तुरियाडीह निवासी 12 वर्षीय मनीष उरांव पिता स्व करमदेव उरांव और 10 वर्षीय छोटू लोहरा पिता सन्नू लोहरा शामिल हैं। घायलों में मंजीत उरांव, अमीन उरांव, रूपेश उरांव, प्रेम लोहरा और पंकज लोहरा शामिल हैं। जानकारी के अनुसार ईंट लदा ट्रैक्टर पहाड़ डांडू जा रहा था।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

पुलिस ने राहुल सिंह के दो गुर्गे को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

● लेवी के पैसे का करते थे हेराफेरी

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। पुलिस को अपराधी राहुल सिंह गिरोह के दो गुर्गे को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। यह जानकारी पुलिस इंस्पेक्टर परमानंद बिरुवा ने दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में कुलदीप किंडो पिता मुनेश्वर किंडो गूंगा टोली थाना बिशनपुर जिला गुमला, राहुल मुंडा पिता शुकर मुंडा टूनगुन थाना लावालौंग जिला चतरा का नाम शामिल है। अनुसंधान के क्रम में पता चला कि उक्त अपराधी राहुल सिंह के **शेष पेज 11 पर**

खनन माफियाओं की दबंगई, आईएफएस अधिकारी की जांच रोकने की कोशिश

▸▸ स्टोन क्रशरों में अनियमितता, हाइवा लगाकर जांच टीम को रोका

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छत्तरपुर में अवैध खनन की जांच कर रही टीम को खनन माफियाओं ने रोकने की कोशिश की। प्रशिक्षु आईएफएस नवनीत कुमार, दंडाधिकारी और पुलिस टीम जब अवैध स्टोन माइंस की जांच कर रही थी, तब रास्ते में पांच हाइवा खड़े कर जाम लगा दिया गया। इससे तीन से चार स्टोन क्रशरों की जांच अधूरी रह गई।

गड़बड़ियों का खुलासा, माफियाओं ने किया विरोध : 18 फरवरी को छत्तरपुर क्षेत्र में 12 स्टोन क्रशरों की जांच की गई थी, जिनमें अनियमितताएं पाई गईं। टीम जब बरडीहा इलाके में आगे बढ़ी, तो खनन माफियाओं ने हाईवा लगाकर रास्ता बंद कर दिया। टीम ने हाइवा हटाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

प्रशासन की सख्ती, होगी कड़ी कार्रवाई

डीएफओ सत्यम कुमार ने मीडिया को बताया कि संयुक्त जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसके आधार पर बड़ी कार्रवाई होगी। पूरी घटना की जानकारी पलामू डीसी और एसपी को दी गई है। प्रशिक्षु आईएफएस और दंडाधिकारी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर एसडीएम को सौंपेंगे। छत्तरपुर के बचकोमा इलाके में पहाड़ तोड़कर अवैध माइनिंग की भी पुष्टि हुई है। प्रशासन अब सख्त कदम उठाने की तैयारी में है।

सदन की गरिमा और समय के सदुपयोग पर हुई चर्चा

गुलाम भारत में पूरक प्रश्न पूछने की सुविधा नहीं थी : विस अध्यक्ष

▸▸ कहा, राजकीय कोष पर नियंत्रण रखना विधायकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

▸▸ कार्यक्रम में सीएम सोरेन व राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने भी लिया भाग

सुनील बादल

रांची। झारखंड विधानसभा के प्रबोधन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर और अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में विधायकों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के साथ गरिमा का महत्व बताया गया। बजट सत्र से लेकर आगामी पांच साल तक विधायकों को सदन की कार्यवाही को बेहतर ढंग से समझने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में योगदान देने के लिए इस उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

स्वागत संबोधन करते हुए अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने संवैधानिक अधिकारों का महत्व बताया और कहा कि गुलाम भारत में पूरक प्रश्न पूछने की सुविधा नहीं थी, क्योंकि इससे आम जनता सच्चाई जान जाती और प्रश्न सेंसर हो जाते थे। जबकि, आज पूरक प्रश्न जनहित में पूछे जाते हैं, जो लोकतंत्र की खूबसूरती है। कार्यक्रम में विधायकों की भूमिका, प्रश्नकाल का महत्व, शून्यकाल, व्यवधान, विधि निर्माण, बजट और वित्तीय मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, नए और अनुभवी विधायकों के बीच विचारों के आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित किया **शेष पेज 11 पर**

सरकारी अफसर विधायिका पर हावी हैं : सीपी सिंह

पूर्व स्पीकर सीपी सिंह ने कहा कि सरकारी अफसर विधायिका पर हावी हैं और जान बूझकर अधूरे या भ्रामक जवाब देते हैं, जिससे पूरक प्रश्न की आवश्यकता पड़ती है। इस मामले में बिहार में कड़ाई बरती जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी की भी हो, सत्ता पक्ष हमेशा कम से कम कार्य दिवस रखना चाहता है। उन्होंने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश से मांग की कि कम से कम 60 दिनों तक विधानसभा चले, इसके लिए कानून की संभावना पर विचार करें।

विधानसभा भवन लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर कहा कि विधानसभा भवन लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। यहां किसी धर्म, जाति या व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होता है। इस सदन में भले हम पक्ष या विपक्ष के लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग विचार रखते हों, परंतु इस लोकतांत्रिक व्यवस्था से एक ऐसा मार्ग प्रशस्त होता है, जहां सभी को सदन में स्वागत के भाव से आमंत्रित किया जाता है। सभी माननीय सदस्य जनहित से जुड़े मुद्दों को सदन के समक्ष रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर की गरिमा और भव्यता किसी धर्म से अछूता नहीं है। यहां सभी धर्म समुदाय के हक अधिकार की आवाज गूंजती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। जो भी इस सदन में आते हैं, वे सीखते भी हैं, जन आकांक्षाओं को पटल पर रखते भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। सदन की कार्यवाही में सभी माननीय सदस्यों को साथ लेकर चलते हुए इस राज्य को समृद्ध तथा विकसित बनाने के लिए संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। सभी माननीय सदस्य राज्य के विकास के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे, ऐसा मुझे पूरा विश्वास है।

गढ़वा में सड़क निर्माण कंपनी के कैंप से प्रतिबंधित मांस बरामद, 9 मजदूर गिरफ्तार

■ गार्ड से मारपीट के बाद ग्रामीणों ने किया हंगामा, पुलिस ने की कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के हूर मध्या गांव में सड़क निर्माण कार्य में लगी कंपनी के मजदूरों के कैंप से प्रतिबंधित मांस मिलने के बाद हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने मौके पर हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मांस बरामद कर 9 मजदूरों को गिरफ्तार कर लिया।

कैसे बढ़ा मामला : गढ़वा थाना क्षेत्र में शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी फोरलेन सड़क का निर्माण कर रही है। इस कंपनी का एक कैंप हूर मध्या गांव में नहर के पास स्थित है, जहां 9 मजदूर और एक गार्ड रहते हैं। शनिवार सुबह एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से कैंप में पहुंचा और प्लास्टिक के झोले में कुछ सामान लाया। जब गार्ड गोविंद चौधरी ने पूछताछ की, तो मजदूरों ने पहले उसे चिकन बताया, लेकिन झोला खोलने पर उसमें प्रतिबंधित मांस मिला। इस पर गार्ड ने विरोध जताया, तो मजदूरों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

घटना की खबर फैलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में जुट गए और मामले की सूचना पुलिस को दी। योगी सेना के विपुल धर दुबे भी मौके पर पहुंचे और तत्काल कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही एसडीपीओ नीरज कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने कैंप में रह रहे 9 मजदूरों को गिरफ्तार किया, जो सभी पश्चिम बंगाल के दिनाजपुर निवासी बताए जा रहे हैं। बरामद मांस को पशु चिकित्सक से जांच के लिए भेजा गया है। इधर, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज कल

रांची में श्री श्याम ध्वजा निशान पदयात्रा आज, तैयारियां पूरी

नवीन मेल डेस्क

रांची। श्री श्याम ध्वजा निशान पदयात्रा रविवार को निकाली जाएगी। यह कार्यक्रम श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के तत्वावधान में होगा। इसकी सभी तैयारीयां पूरी कर ली गई हैं। इस संबंध में श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के संयोजक गोपाल मुरारका और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि पदयात्रा रांची के नेवरी विकास विद्यालय के समीप श्री दुर्गा मंदिर से सुबह आठ बजे से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों बूटी मोड़ बरियातू रोड, सर्कुलर रोड, कचहरी रोड, मेन रोड, अपर बाजार होते हुए श्री खाटू श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में ध्वजा निशान को अर्पित करने के साथ समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा की दूरी श्री खाटू धाम की परंपरा अनुसार 17 किलोमीटर रिंगस से खाटू धाम जितनी ही होगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए नेवरी जाने के लिए सुबह में हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर से बस की व्यवस्था की गई है।

गिर नेशनल पार्क में वाइल्ड लाइफ बैठक प्रो. डी.एस. श्रीवास्तव होंगे शामिल

▸▸ वन्य जीव संरक्षण पर होगी चर्चा, देशभर के चार एनजीओ आमंत्रित

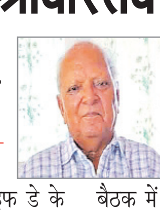

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे के मौके पर गुजरात के गिर नेशनल पार्क में नेशनल बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ की बैठक आयोजित होगी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस बैठक में देशभर के चार प्रमुख एनजीओ को आमंत्रित किया गया है, जिनमें पलामू की नेचर कंजर्वेशन सोसायटी भी शामिल है। नेचर कंजर्वेशन सोसायटी के सदस्य और गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डी.एस. श्रीवास्तव बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि अभी विस्तृत एजेंडा उपलब्ध नहीं है, लेकिन बैठक में शेरों के संरक्षण और उनके बाहरी क्षेत्रों में प्रवास की संभावनाओं पर चर्चा हो सकती है। इसके अलावा, वन्य जीवों की सुरक्षा और संरक्षण से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

डीजीपी ने गैरअनुशासित पुलिस अफसरों व कर्मियों की मांगी सूची

▸▸ सूची के आधार पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

नवीन मेल डेस्क

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य के सभी जिलों और इकाइयों से गैरअनुशासित पुलिस अफसरों और कर्मियों की सूची मांगी है। इस सूची के आधार पर डीजीपी स्तर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शनिवार को पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, डीजीपी द्वारा जारी आदेश में निर्देश दिया गया है कि सभी जिलों और इकाइयों में पदस्थापित अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों की सूची मुख्यालय को भेजी जाए। इस आदेश की प्रति सभी रेंज आईजी और डीआईजी को भी भेजी गई है। आदेश में पुलिसकर्मियों के संबंध में सात बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है।

इन सात बिंदुओं पर मांगी गई रिपोर्ट

- वैसे पुलिस अफसर और कर्मी, जिनके विरुद्ध आम नागरिकों, महिलाओं से दुर्व्यवहार करने के आरोप में पूर्व में कोई कार्रवाई की गई है।
- वैसे पुलिस अफसर और कर्मी, जिनके संबंध जमीन माफिया और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के साथ पाई गई है।
- वैसे पुलिस अफसर और कर्मी, जो कर्तव्य से फरार रहते हैं।
- वैसे पुलिस अफसर और कर्मी, जो ड्यूटी के **शेष पेज 11 पर**

इंडिया

आवश्यकता आधारित कर्मचारी मजबूरी या शोषण

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत की बेलगाम जनसंख्या से यह सबसे बड़ी आबादी वाला देश बनने वाला है जिसमें प्राकृतिक संसाधनों पेयजल और रहने के घर तक की समस्या आ सकती है। इसका बड़ा प्रभाव है बेरोजगारी जो बढ़ती जा रही है।हर किसी को सरकारी नौकरी चाहिए जिसमें नौकरी सुरक्षित हो जाती है और काम के उत्तरदायित्व का दबाव भी नहीं होता। आजादी के बाद देशभक्ति के दौर में सरकारी नौकरी में जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध बहुत था जिसे भ्रष्ट नेताओं ने धीरे धीरे बर्बाद कर दिया जिस कारण मजबूरी में अस्थाई या अनुबंध आधारित जिन्हें कभी-कभी आवश्यकता आधारित कर्मचारी भी कहा जाता है का चलन बढ़ा हालांकि इसके पीछे बड़ा कारण विश्व बैंक जैसी पश्चिमी देशों की ऋणदाता संस्थान थे जिनके पास अध्ययन था कि परियोजना या मिशन मॉड के कार्यों में सरकारी कर्मचारियों का रवैया या कार्यक्षमता सबसे बड़ी बाधा थी।आज के चमकते भारत और विशेष रूप से ऑनलाइन क्रांति में सर्वोपरि भारत के पीछे यही लोग हैं जो तकनीक और गति में वैश्विक स्तर पर हैं।उभरते हुए स्टार्टअप कल्चर के साथ ही देश में एक नए प्रकार की कामकाजी संस्कृति का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जिसे गिग इकनॉमी कहा जाता है। गिग इकनॉमी का मतलब ऐसी बाजार प्रणाली से है, जिसमें लोग किसी कंपनी में स्थायी कर्मचारी बनने के बजाय अस्थायी, फ्रीलांस, या कांट्रैक्ट-बेस पर काम करते हैं। उदाहरण के लिए, अर्बन कंपनी, उबर-ओला, और जोमैटो जैसी कंपनियां कुछ समय के लिए स्वतंत्र कामगारों के साथ कांट्रैक्ट करती हैं और उनके द्वारा किए गए काम के घंटे या प्रत्येक कार्य के लिए एक निश्चित राशि का भुगतान करती हैं। गिग इकनॉमी आर्थिक अवसरों का एक नया मॉडल पेश कर रही है, जो पारंपरिक नौकरियों की तुलना में अधिक लचीलापन और स्वतंत्रता प्रदान करता है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, ?देश की गिग वर्कफोर्स में आईटी सर्विसेज, डिलीवरी, कैब सर्विसेज और अन्य पार्ट टाइम जैसी नौकरियों में साल 2020-21 में करीब 77 लाख श्रमिक कार्यरत थे, जिनकी संख्या साल 2029-30 तक बढ़कर करीब ढाई करोड़ पहुंचने की उम्मीद है। गिग इकनॉमी कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमेशा से हमारे समाज का हिस्सा रही है। फर्क बस इतना है कि अब इसका तरीका डिजिटल हो चुका है। जैसे ऑटो और कैब चालक, जो सड़क पर सवारी का इंतजार करते थे, अब वे ओला और उबर जैसे प्लेटफॉर्म्स पर ऑन डिमांड उपलब्ध होते हैं। स्टार्टअप कंपनियां तकनीक की मदद से भारत के असंगठित रोजगार को ऐप्स के जरिये बड़े पैमाने पर संगठित कर रही हैं।फोरम फॉर प्रोग्रेसिव गिग वर्कर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था में गिग इकनॉमी ने साल 2024 में 455 अरब डॉलर का योगदान दिया था और साल-दर-साल यह इंडस्ट्री 17 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। गिग इकनॉमी ने उन लोगों के लिए भी नौकरी के कई अवसर खोले हैं, जिन्हें पारंपरिक नौकरियों में दिक्कत आती थी, जैसे दिव्यांग, छात्र और गृहिणियां, जो अब घर बैठे भी फ्रीलांसिंग कर सकते हैं। संस्था पैगाम और यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया द्वारा भारत में ऐप बेस्ड वर्कर्स पर किए गए एक शोध में सामने आया है कि भारत में गिग श्रमिक दिन में 8 से 12 घंटे और कभी-कभी उससे भी अधिक घंटे प्रतिदिन काम करते हैं।हाल ही में संसद में पेश बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को पहचान पत्र, ई-श्रम पोर्टल पर उनका पंजीकरण और पीएम जन आरोग्य योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज मुहैया कराने का एलान किया है। सरकार के इस फैसले से करीब एक करोड़ गिग वर्कर्स को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पहुंचेगा। हालांकि समस्या यह भी है कि अगर सरकार न्यूनतम वेतन, काम के घंटे सीमित करना जैसे कड़े रेगुलेशन ले आए, तो इससे इस सेक्टर को नुकसान हो सकता है। ऐसा करने से कंपनियां अपनी हायरिंग कम कर सकती हैं, साथ ही नियमों के बोझ के चलते अनावश्यक लालफीताशाही या इंस्पेक्टर राज को बढ़ावा मिल सकता है। दूसरी ओर, अनियोजित श्रम में आपूर्ति मांग से हमेशा अधिक होने की संभावना रहती है। ऐसे में, इस विषय पर सरकार और स्टार्टअप कंपनियों को गहन चिंतन की जरूरत है कि वे क्या कदम उठा सकती हैं, जिससे एक बेहतर संतुलन बनाया जा सके। संस्थापकों और निवेशकों को भी केवल अपने स्टार्टअप्स का विस्तार करने के बजाय उन्हें बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि हम इन प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानजनक वेतनमान भत्ते और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करें जैसा विदेशों में होता है ।अभी सरकारी और अस्थाई के भुगतान में बहुत बड़ा अंतर है। विधानसभा में धनबाद का मामला उठा जहां काम कराने के बाद दो निजी कंपनियों ने कर्मचारियों को वेतन नहीं दिए। इनकी सुरक्षा पर नीति बनाई जाए।

नॉर्थ कर्णपुरा परियोजना के एश पौंड एरिया में लगी आग

नवीन मेल डेस्क

चतरा। टंडवा स्थित नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के नॉर्थ कर्णपुरा परियोजना के एश पौंड एरिया में शनिवार को अचानक आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। बाद में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अग्निशमन दस्ता ने आग पर काबू पा लिया।

एश पौंड एरिया में आग लगने की सूचना मिलने पर परियोजना के अधिकारियों का एक दल आग लगे क्षेत्र में पहुंचा। अधिकारियों ने आग से किसी प्रकार की क्षति होने से इनकार किया है। बताया कि एश पौंड के किनारे उगी झाड़ियों में आग लगी थी। उस पर काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारणों का पता चल नहीं पाया है। बताया गया कि आग लगे स्थान से कुछ ही दूरी पर कोल डंप और यार्ड होने से बड़ी क्षति होने का आशंका जताई जा रही थी। जानकारी के अनुसार, एनटीपीसी के पावर प्लांट से बाहर फ्लाई एश एरिया में अचानक आग लगने से पूरे प्लांट क्षेत्र में धुआं का गुब्बार फैल गया था। इधर, एनटीपीसी अधिकारियों की मानें, तो अगलगी में कोई क्षति नहीं हुई है।

एसडीएम ने जवाहर नवोदय विद्यालय 2 का किया औचक निरीक्षण

प्राचार्य को शुद्ध पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश

छात्र-छात्राओं से वार्ता के दौरान उन्हें बेहतर मेहनत करने की प्रेरणा दी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। एसडीओ गौरांग महतो ने शुक्रवार की देर रात हुसैनाबाद लंगरकोट मुरली पहाड़ी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय दो का औचक निरीक्षण किया। जेएनवी 2 विद्यालय में एसडीएम को अचानक प्रवेश करते ही शिक्षकों में हड़कंप मच गया। इस दौरान एसडीएम ने बारी-बारी से विद्यालय के सभी विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य अशहर रूमी से आवश्यक बिन्दुओं पर जानकारी मांगी और विद्यालय के बच्चों को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्पेशल क्लास में जाकर पठन-पाठन क्रिया का अवलोकन किया व छात्रों को जीवन से जुड़ी कई सफलताओं की प्रेरणा भी दिया। इस दौरान एसडीएम के प्रति बच्चों में काफी खुशी देखी गयी और उन लोगों से कई बिंदुओं पर जानकारी ली। उनमें सबसे प्रमुख पीने की पानी की समस्या आयी। जिस पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्यालय के प्राचार्य को आरओ का पानी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। उसके बाद उन्होंने भोजनालय व्यवस्था, छात्रावास में कितने छात्र-छात्राओं की रहने की व्यवस्था हैं। उन्होंने प्राचार्य रूम, लाइब्रेरी, मेडिकल विभाग निरीक्षण किया। विद्यालय के कई विभागों के विभागाध्यक्ष को बुलाकर कई जानकारी मांगी और आवश्यक निर्देश भी दिए। साथ ही सभी विभागों की बारी-बारी से अवलोकन किया। मालूम हो कि शुद्ध पेयजल की समस्या संबंधित जानकारी एसडीएम को मिली थी। उन्होंने साफ लहजे में निर्देश दिया कि आप लोगों की जो भी परेशानी है, उसे त्वरित समाधान करें। बच्चों के पठन-पाठन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। मौके पर प्राचार्य अशहर रूमी, सीनियर टीचर, राणा तब्बसुम, लाइब्रेरी आशमुनि प्रसाद, अस्पताल बीपीएम विभूती प्रसाद, शिक्षक अभिषेक सिंह, आरके मीणा, आर्ट शिक्षक सुनील वर्मा, शोभा भट्टाचार्य, बड़ा बाबू शकंर कुमार, नीतीन कुमार पांडेय, सुनील कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

बीएसएनएल के टावर से बैटरी चोरी, सेवा ठप, उपभोक्ता परेशान

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कभी माहूर गांव में आवागमन के लिए पथरीली पगडंडियां ही हुआ करती थी। मगर समय के साथ विकास का पहिया चलता रहा। पहले प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत मोहम्मदगंज-महुडंड सड़क का निर्माण किया गया। विकास के इसी दौर में मोबाइल नेटवर्क सेवा का विस्तार करने को लेकर बीएसएनएल सामने आई। सीताचुंआं के पास इसी मार्ग में मकठिया वाला नामक स्थान पर टावर लगाने के साथ जंगलों-पहाड़ों के बीच बसे लोगों तक मोबाइल नेटवर्क की सेवा काम करने लगी। मगर 26 फरवरी की रात टावर की 5 बैटरियों की चोरी कर ली गई। इस कारण से नेटवर्क सेवा प्रभावित हो गई, तो कंपनी के इंजीनियर अमित कुमार चौधरी साइट पर पहुंचे, तो उन्हें टावर की बैटरियों के चोरी चले जाने का पता चला। उन्होंने पाया कि मेन गेट का ताला तोड़कर बैटरी की चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में उन थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई है। ग्रामीणों ने बताया कि वैसे, तो पूरे जंगली क्षेत्र में बीएसएनएल के टावर आधा दर्जन जगहों पर लगाए गए हैं। इससे जो इसका सीम उपयोग करते हैं, उनके लिए टावर उपयोगी साबित हो रहे हैं। मगर, इसके बावजूद अधिकांश लोग एक दूसरी कंपनी के सीम का ही प्रयोग करते आ रहे हैं। जिसका भी टावर लोहबंधा के पास लगाया गया है। हालांकि लोगों ने बीएसएनएल की सीम लगाने का मन बनाया है। लेकिन इसके टावर के बैटरियों की चोरी से निराश हो गए हैं।

न्यूज बॉक्स

प्रखंड में आज लगेगा डालसा का शिविर, होगा परिसंपत्तियों का वितरण

हैदरनगर। उप विकास आयुक्त पलामू व हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी के जारी आदेश के आलोक में रविवार को हैदरनगर प्रखंड प्रांगण में शिविर का आयोजन किया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा ने इस कार्यक्रम की सफलता को लेकर शनिवार को विधिवत लिखित सूचना जारी कर विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मियों को भी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व जागरुकता-सह- सशक्तिकरण शिविर का आयोजन रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे से किया गया है। उक्त शिविर में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल स्थापित किये जायेंगे। उनमें चिन्हित लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस संबध में जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, सभी मुखिया व पंचायत समिति सदस्य, जन सेवक, पंचायत सचिव सहित सभी संबंधित विभाग को सूचना देने के साथ प्रचार प्रसार बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

चुनावी मुद्दा बन कर रह गई है रफीकगंज कजरी रेल लाईन योजना

नवीन मेल संवाददाता

नौडीहा बाजार। प्रखंड बहुत पुरानी मांगों में एक चुनावी मुद्दा बन कर रह गया है। बताया जाता है कि रफीगजं से कजरी तक रेलवे लाइन यूपीए टू सरकार में पलामू के पूर्व सांसद के प्रयास से तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव द्वारा शेरघाटी गया बिहार में इस रेलवे लाइन के शिलान्यास किया गया था। इसके बाद विभाग द्वारा 450 करोड़ रुपए के लागत से सर्वे भी कराया गया था। विभाग जमीन में सीमेंट का पीलर भी जगह-जगह पर खाड़ा किया गया था। उस समय इस इलाके के लोग के लगा था कि बहुत जल्द रेलवे लाइन के सपना पूरा होगा। मगर आज भाजपा के तीन बार सरकार भी बन चुकी है, मगर इस रेलवे लाइन पर नतीजा जस के तस बना हुआ है। बताया जाता है कि रफीगंज से कजरी तक कुल स्टेशन और सब स्टेशन मिलकर 26 रेलवे स्टेशन बनना था। रेलवे लाइन का शिलान्यास वर्ष 2008 में किया गया। जिसमें करोड़ों रुपयों खर्च भी किया गया था। मगर केवल चुनाव मुद्दा यह रेलवे लाइन बन कर गए हैं। ग्रामीण गुडू सिंह के कहना है अगर इस रेलवे लाइन चालू हो जाता तो यहां का व्यवसाय के साथ आम जनता के लिए पटना कलकत्ता धनबाद के दूरी कम हो जाती। कपड़ा व्यवसायी मनोज गुप्ता ने कहा कि केवल चुनावी मुद्दा है। अगर सच में यह रेल लाईन चालू हो जाता तो, जो लोग डेहरी जाकर ट्रेन पकड़ते है, उन्होंने नहीं जाना पड़ेगा। रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष बसंत चंद्रवंशी ने कहा कि नौडीहा प्रखंड की बहुत पुरानी मांग रेलवे लाइन थी। इसके बाद हमने पलामू के पूर्व सांसद घुरन राम से यह बात रखी। इसके बाद पूर्व सांसद के प्रयास रेलवे लाइन निर्माण का शिलान्यास किया गया और विभाग द्वारा सर्वे भी कराया है। नौडीहा बजार को रेलवे स्टेशन के रूप में चिह्नित भी किया है और विभाग द्वारा जगह-जगह पीलर भी गाड़ा गया था। मगर 20 सालों के बाद भी यह मुद्दा आज तक बना हुआ है। जल्द ही रेलवे संघर्ष समिति के बनैर तले रेल मंत्री से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

माहूर गांव में बहने लगी भगवान शिव के प्रति आस्था की बयार, महाशिवरात्रि पर की गई शिवलिंग की स्थापना

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कादलकुर्मी पंचायत अंतर्गत सुदूरवर्ती पठारी माहूर गांव के विकास के द्वार खुलने के साथ ही शिक्षा का प्रकाश फैला। उप्रावि की स्थापना के साथ प्राथमिक शिक्षा की ज्योति जली। जबकि एक समय में गिने-चुने ही पढे-लिखे लोग थे। अब तो कई लोग पुलिस और अन्य प्रकार की नौकरी भी करने लगे हैं। इसके बाद सनातन धर्म की पैठ भी मजबूत हो गई है। महाशिवरात्रि पर विनोद यादव व सविता देवी दंपत्ति ने यजमान बनकर वैदिक मंत्रोच्चारण और अनुष्ठान के साथ शिवलिंग की स्थापना करा दी है। उन्होंने बताया कि इसमें सभी ग्रामीणों का सहयोग मिला है। कलशयात्रा में विधायक प्रतिनिधि पंचू रजवार, युवा राजद नेता सिद्धार्थ कुमार और मुखिया अनीता देवी सहित बालेश्वर यादव व प्रमोद राजवंशी भी बतौर आमंत्रित अतिथि शामिल थे। जबकि वरिष्ठ ग्रामीण इंद्रदेव यादव के अलावा प्रवेश यादव, प्रमोद यादव, टून्नी यादव, नरेश भुइयां दशरथ भुइयां, वार्ड सदस्य चंचला देवी सहित अन्य कई ग्रामीण शामिल थे। इससे पहले छठ व्रत की शुरूआत गत वर्ष से हो गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के साथ ही धर्म और संस्कृति के प्रसार से समाज को नई दिशा मिलेगी। इस प्रकार देखा जा रहा है कि इस गांव तक पहचंना एक समय तक सुगम नहीं था। उग्रवादी गतिविधियों के कारण बदनुमा दाग लगा था। वहां शिक्षा के साथ धर्म और संस्कृति की पैठ बनाने में कामयाबी मिली है।

इतिहास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अंगद किशोर को मिली पीएचडी की उपाधि

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद\हैदरनगर। पलामू के इतिहासकारअंगद किशोर को क्षेत्रीय इतिहास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए एरिजोना ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्ट्रेट (पीएचडी)की उपाधि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि 1 मार्च को मयूर विहार (नई दिल्ली) स्थित 'होलिडे इन' होटल के प्रशाल में इंटरनेशनल कन्फर्मेंट अवाड्र्स 2025 के तत्वावधान में आयोजित समारोह में इतिहासकार अंगद किशोर को बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित भगत सिंह सेवा दल के अध्यक्ष व पद्मश्री जीतेंद्र सिंह शंटी द्वारा पीएचडी का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। साथ ही मेडल और मोमेंटो से उन्हें सम्मानित किया गया। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों व विषयों में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाले देश-विदेश के लगभग पांच सौ प्रतिभा संपन्न लोगों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। आमंत्रित सम्मानित विद्वानों में वेंकटेश्वर ओपन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. ललित कुमार सागर भी उपस्थित थे। अगंद किशोर को यह उपाधि उस समय मिली, जब वह एक माह पूर्व सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो चके हैं। साढ़े चार दशक से साहित्य सेवा और तीन दशक से क्षेत्रीय इतिहास की खोज में अहर्निश योगदान देने वाले अगंद किशोर ने क्षेत्रीय इतिहास के उन अनछूए पहलुओं का उद्घाटन किया है, जो इतिहास के पन्नों में अब तक अंकित नहीं हो सकी थीं। अंगद किशोर ने इतिहास और साहित्य से संबद्ध दो दर्जन पुस्तकों की रचना की है, जिसमें एक दर्जन पुस्तकें अभी तक प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी प्रकाशित पुस्तकों में 'झारखंड की बौद्ध विरासत', 'झारखंड का मौर्यकालीन नगर जपला', 'चेरो राजवंश का इतिहास', 'पलामू का देवगन', स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम शहीद केशरी राम चंद्रवंशी', 'जुबान को आवाज दो', 'कोई जिंदगी से खेलता कफन के लिए', 'आत्मसम्मान', 'पंच परमेश्वरः, 'वरना निकाल दिए जाओगे कोख से' 'ये जीना क्या जीना है' आदि उल्लेखनीय है। डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि हासिल करने पर अंगद किशोर को बधाई देने वालों में प. बंगाल के सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. डीएन वर्मा. सिद्धू-कान्हू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा, डॉ. पप्पू कुमार राय, डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा, डॉ.रामसुभग सिंह, प्रसिद्ध साहित्यकार विपिन बिहारी का नाम शामिल है।

एक नजर

शिक्षक हरिशंकर मिश्र को दी गई भावभीनी विदाई

विश्रामपुर। पीएमश्री मध्य विद्यालय विश्रामपुर ने शिक्षक हरिशंकर मिश्र को भावपूर्ण विदाई दी। प्रधानाध्यापक विनोद पांडेय के नेतृत्व में आयोजित समारोह की अध्यक्षता पूर्व मुखिया रामचन्द्र चौधरी ने की। संचालन सीआरपी किशोर कुमार दूबे ने किया। समारोह में वक्ताओं ने बच्चों से लगाव,अभिभावकों से जुड़ाव व विद्यालय के शैक्षिक व संरचनात्मक प्रगति में हरिशंकर मिश्र के भूमिका की सराहना की। लालगढ़ पंचायत के मुखिया धर्मेन्द्र चौधरी, पंसस सूरजमल राम, शिक्षक नेता अरविन्द सिंह, विश्रामपुर डीडीओ विनय तिवारी, सदर डीडीओ वीरेन्द्र नाथ द्विवेदी, सेवानिवृत्त डीडीओ अशोक तिवारी, सुरेन्द्र गुप्ता, कामेश्वर राम, वीरेंद्र शर्मा, मनोज द्विवेदी, विनोद दीक्षित, गायक शिव चौधरी, देवेन्द्र चौधरी, अभिषेक पांडेय व परशुराम तिवारी ने हरिशंकर मिश्र की सेवाकाल की सराहना की।

मंदिर की जमीन पर अवैध मकान निर्माण को लेकर ग्रामीणों में रोष

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत झरिवा गांव स्थित प्राचीन देवी मंदिर के भूमि पर गांव के ही रविंद्र बैठा पिता ललू बैठा द्वारा जबरन जाली तोड़कर मंदिर के जमीन को कब्जा कर मकान निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीण एवं मंदिर कमेटी के सदस्यों के द्वारा इसकी लिखित आवेदन चैनपुर अंचल अधिकारी को दी गई है। आवेदन में ग्रामीणों के द्वारा कहा गया है कि उक्त देवी मंदिर का जमीन को अतिक्रमण कर रहे रविंद्र बैठा के द्वारा मकान का निर्माण किया जा रहा है। जबकि जमीन देवी मंदिर का है। इस मामले में चैनपुर अंचल अधिकारी चंद्रशेखर कुणाल ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा लिखित आवेदन मिला है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। आवेदन देने वालों में ग्रामीण एवं मंदिर समिति के अनिल बैठा, दिनेश बैठा ,चनों बैठा ,अवधेश शर्मा, भुवन राम, सुजीत शर्मा ,मनोज शर्मा ,चंद्रेश शर्मा जंगी सिंह अंजुम अख्तर ब्रह्मदेव सिंह ,रितेश बैठा ,मुन्ना बैठा ,बैजनाथ भुइयां सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

सेवानिवृत्त शिक्षक को दी गई विदाई

उंटारी रोड़। बीआरसी अंतर्गत जोगा पंचायत मुख्यालय के जरही टोला स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद पाल 22 वर्षो तक शैक्षणिक सेवा देने के बाद सेवानिवृत हो गए। इस मौके पर आयोजित सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। अध्यक्षता इस विद्यालय के सहायक अध्यापक प्रेम पाल ने की। शिक्षक मनोहर पासवान ने संचालन किया। मौके पर मुखिया कमला देवी, पूर्व मुखिया नंदू चौधरी, सहायक अध्यापक संघ जिला अध्यक्ष मनोज सिंह, वरिष्ठ शिक्षक भरदुल पासवान, उंटारी रोड प्रखंड अध्यक्ष अखिलेश सिंह,राजमोहन रजक, उदय मेहता, नीरज सिंह, संजय चौधरी, राजीव कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

ईंट भट्ठा में काम कर रहे बाल मजदूर, प्रशासन बेखबर

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। बाल श्रम कराना एक अपराध है, लेकिन विश्रामपुर प्रखंड के झरहा ईंट भट्ठा के संचालक बाल मजदूरों से खुलेआम काम ले रहे हैं। बाल श्रम कानून को ठेंगा दिखाते हुए यहां बच्चों से कच्चे ईंट की ढुलाई समेत कई अन्य कार्य कराये जा रहे हैं। झरहा ईंट भट्ठा पर बाल मजदूरों को कार्य करते देखा गया। इस भट्ठे में अलग-अलग हिस्सों पर बड़े मजदूरों के साथ-साथ बाल मजदूर भी काम कर रहे थे। दूसरे जगह के श्रमिक ईंट पथाई का कार्य करने आते हैं। भट्ठों पर हीं झुग्गी-झोपड़ी बनाकर श्रमिक परिवार अपना जीवन यापन करता है। वहीं इनके छोटे बच्चे भट्ठा संचालकों के लिए सस्ते मजदूर हैं। उनसे भट्ठे पर ईंट पथाई से लेकर कच्चा ईंट एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने व कोयला तोड़ने का काम लिया जाता है। बताया गया कि सामान्य दिहाड़ी मजदूर से आधे रेट का इन्हें भुगतान किया जाता है। पैसे की लालच में फंसकर ये बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। बाल मजदूरी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई न होने से लोग बच्चों से बेधड़क काम लेते हैं।

स्वच्छता को लेकर जल सहियाओं ने की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड के विभिन्न पंचायत के गांवों में स्वच्छता हर हाल में बहाल करने और महिलाओं को विभिन्न रोगों से बचाव को लेकर शनिवार को हैदरनगर में जल सहियाओं ने बैठक की। प्रखंड समन्वयक हरसु कुमार दयानिधि ने उपस्थित जलसहिया को संबंधित क्षेत्र में स्वच्छता अभियान में तेजी लाने के साथ ही लोगों को जागरुक करने का निर्देश दिया। इसे लेकर महिलाओं के बीच खुले में शौच से मनाही करने व इससे उन्हें समेत अन्य लोगों के बीच नाना प्रकार की फैलने वाली बीमारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि घर में बने शौचालय का उपयोग करने की आदत डालने व ठीक से हाथ धुलाई करने के प्रति जागरुक किया जाना अत्यंत जरुरी है। उन्होंने महिलाओं को मासिक के दौरान स्वच्छता के उपयोगिता पर चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं को इससे पनपने वाली बीमारी के प्रति सजग रहने की जरुरत है। इसका अनुपालन किये जाने से ही महिला जनित बीमारी से बचाव व स्वस्थ शिशु जन्म को बढ़ावा देने की परिकल्पना की जा सकती है। इससे स्वच्छ समाज को आर्थिक और समाजिक स्तर में भी वृद्धि होगी। बैठक में बभंडी, खरडीहा, मोकहर कला, इमामनगर बरेवा की जलसहियाओं सबीता, ललिता के अलावा अन्य कई जलसहियाओं ने भाग लेकर इस अभियान को तेज करने का संकल्प लिया।

45 मोतियाबिंद मरीजों का हुआ लेंस प्रत्यारोपण

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जिला अंधापन नियंत्रण समिति और राधा लक्ष्मी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हुसैनाबाद स्वास्थ्य केन्द्र में चल रहे निःशुल्क नेत्र शिविर में अब तक 1100 मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन किया गया है। आयोजित शनिवार को 45 मोतियाबिंद मरीजों की आंखों में लेंस प्रत्यारोपण किया गया। राधा लक्ष्मी ट्रस्ट के निदेशक डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मोतियाबिंद के 150 मरीजों के आंखों की जांच की गई थी। इसमें से 45 मरीजों को नेत्र चिकित्सक डॉ. धीरज प्रसाद और विवेकानंद उपाध्याय द्वारा आईएलओ विधि के माध्यम से लेंस प्रत्यारोपण किया गया। यहां अब तक करीब 1100 मरीजों का लेंस प्रत्यरोपण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि रविवार को सभी मरीजों को दवा और चश्मा दिया जाएगा। इस मौके पर नेत्र सहायक जय प्रकाश सिंह उर्फ बच्चा सिंह, सुनील कुमार, परशु कुमार, सुषमा कुमारी, बसंती कुमारी, सचिन कुमार, काजल, रागिनी, दयानंद कुमार आदि मौजूद थे।

आस्था

फुलेरा दूज पर्व समाज में प्रेम और सौहार्द बढ़ाने का महत्वपूर्ण जरिया

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया को पूजा का मुहूर्त, समापन आज श्रीकृष्ण व राधा की होती है उपासना

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। सनातन धर्म में कई पर्व-त्योहार और व्रत हैं। उन्हीं में एक फुलेरा दूज का पर्व भी है, जो फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया को मनाया जाता है। इस वर्ष इसका शनिवार को शुभारंभ के साथ इसका समापन रविवार को तय मुहूर्त में होगा। इसके संबंध में भीम चूल्हा मंदिर के पुजारी गंगा तिवारी ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि फुलेरा दूज पर्व का धार्मिक के साथ ही सामाजिक महत्व भी है। फुलेरा दूज का पर्व न सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह समाज में प्रेम और सौहार्द बढ़ाने का जरिया भी है। इसे देखते हुए उन्होंने इस पर्व को बढ़ावा देने की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि इस दिन का उल्लास और उमंग हर किसी के जीवन में खुशियां और साकारात्मकता ला सकता है। इसे बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की पूजा की जाती है। इसके साथ ही होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। शनिवार की अहले सुबह 3.16 बजे से इसके पूजन का मुहूर्त शुरू हो गया है। इसे अबुझ मुहूर्त भी माना जाता है। इसका मतलब इस दिन कोई भी शुभ कार्य बिना मुहूर्त देखे किया जा सकता है। चाहे वह विवाह हो या घर में प्रवेश या कोई अन्य कार्य। इस दिन कोई भी समय उपयुक्त होता है। इसकी पूजा की विधि के अनुसार सबसे पहले स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की मूर्तियों को जल और पंचामृत से स्नान कराकर पुष्प अर्पित करनी चाहिए। इसका भी अलग महत्व बताया गया है। बताया गया है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन गोपियों संग फुल की होली खेली थी। इनकी पूजा के बाद आरती उतारी जानी चाहिए। अंत में माखन-मिश्री मिलाकर भोग लगाया जाता है। इनकी इस विधि से पूजा-अर्चना करने से सुख, समृद्धि और खुशहाली आती हैं। यह पर्व प्रकृति की नई शुरूआत और जीवन के नयापन का प्रतीक माना गया है। वैवाहिक और प्रेम संबंधों में मधुरता आने के साथ ही समस्त कार्यों में सफलता और समृद्धि का वास होता है। यह रिश्तों में सुधार और व्यक्तिगत सुख प्राप्ति में अहम माना गया है।

सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार कराने को लेकर बैठक

सतबरवा। रामघाट सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार को लेकर शनिवार को मंदिर के प्रांगण में राहुल कुमार दीवाना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मंदिर का जीर्णोद्धार कर बेहतर बनाने के लिए सभी लोगों ने आपस में विचार विमर्श किया। सदस्यों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारी के साथ तन मन धन से कार्य को आगे बढ़ाने की बात कही। साथ ही बेहतर कार्य के लिए कार्यकारिणी का मुख्य सदस्य का गठन किया गया। उनमें निर्दोष कुमार उर्फ अकलू बाबा, संतोष प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, धनंजय प्रसाद, मुन्ना ,ददन प्रसाद ,संतोष प्रजापति, उमाशंकर प्रसाद को शामिल किया गया।

पूर्व पंचायत सचिव पर प्रभार न देने का आरोप, ग्रामीणों ने बीडीओ से की शिकायत

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड की कौड़िया पंचायत के पूर्व पंचायत सचिव फतेह अहमद पर प्रभार न देने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों और वार्ड सदस्यों ने बीडीओ से शिकायत की। उन्होंने नव-नियुक्त पंचायत सचिव कंचन कुमारी को जल्द प्रभार सौंपने की मांग की और 7 मार्च से अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी दी।

प्रभार न देने पर होगी कार्रवाई : जानकारी के अनुसार 22 फरवरी 2025 को कंचन कुमारी को पंचायत सचिव नियुक्त किया गया था, लेकिन पूर्व सचिव फतेह अहमद ने अब तक प्रभार नहीं सौंपा। इस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) जागो महतो ने कहा कि यदि दो दिनों के भीतर प्रभार नहीं दिया गया तो फतेह अहमद पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि प्रभार न मिलने से पंचायत का काम प्रभावित हो रहा है। फतेह अहमद ने सफाई देते हुए कहा कि तबीयत खराब होने के कारण वह प्रभार नहीं दे पाए, लेकिन जल्द ही इसे सौंप दिया जाएगा। मांग करने वालों में प्रमुख बसंती देवी, उपप्रमुख चेरो शीतल सिंह निराला, विधायक प्रत्याशी अजय सिंह चेरो, त्रिपुरारी सिंह, जावेद अंसारी, वार्ड सदस्य कविता कुमारी, गीता देवी और अन्य ग्रामीण शामिल थे।

हैदरनगर में अवैध आरा मशीन और लकड़ियां जब्त

वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, तस्करों पर कसेगा शिकंजा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में हैदरनगर थाना क्षेत्र के रिगाडीह में वन विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अवैध आरा मशीन और बड़ी मात्रा में काटी गई लकड़ियों को जब्त किया गया। यह अभियान गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गया। जिसमें मौके से कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है, जिससे इस अवैध धंधे से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिलने की संभावना है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस इलाके में लंबे समय से अवैध रूप से लकड़ी कटाई और तस्करी की गतिविधियां चल रही थीं। शिकायतें मिलने के बाद पुलिस और वन विभाग ने मिलकर रणनीति बनाई और छापेमारी कर इस नेटवर्क को ध्वस्त करने का प्रयास किया।

स्थानीय लोगों की जागरूकता जरूरी

वन विभाग के अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता भी इस मामले में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को महत्वपूर्ण मानते हैं। उनका कहना है कि जंगलों की सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें जनता की भागीदारी भी जरूरी है। यदि लोग सतर्क रहेंगे और अवैध कटाई की सूचना समय पर देंगे, तो इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है और उम्मीद जताई है कि आगे भी ऐसे अभियान चलते रहेंगे, जिससे जंगलों को बचाया जा सके।

वन तस्करी पर रोक के लिए प्रशासन सख्त

पलामू एसपी ने कहा कि वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी को रोकने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय है। इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि यदि उन्हें इस प्रकार की कोई संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले, तो वे तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि जंगलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

न्यूज | बॉक्स

श्याम मित्र मंडल की शोभायात्रा आज

मेदिनीनगर। श्याम मित्र मंडल, मेदिनीनगर द्वारा रविवार को संकीर्तन सह शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन महाराजा अग्रसेन भवन, कोयल नदी तट पर सुबह 8:30 बजे गणेश एवं निशान पूजन से शुरू होगा। इसके बाद अखंड ज्योत प्रज्वलन और संकीर्तन होगा। श्याम मित्र मंडल के विमल उदयपुरी ने बताया कि दोपहर 12:30 से 2:00 बजे तक महाप्रसाद वितरण होगा, जबकि 2:30 बजे से भव्य शोभायात्रा अग्रसेन भवन से निकलकर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए शाम 5:30 बजे निमार्णाधीन श्री श्याम मंदिर में समाप्त होगी।

स्व. आशुतोष रंजन को श्रद्धांजलि स्वरूप जेजेए ने होली मिलन समारोह रद्द किया

मेदिनीनगर। झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) ने इस वर्ष अपना वार्षिक होली मिलन समारोह रद्द करने का निर्णय लिया है। संगठन के पलामू जिला अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि गढ़वा के वरिष्ठ पत्रकार और जेजेए के निर्भीक साथी स्व. आशुतोष रंजन सिन्हा के आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत को गहरी क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि जेजेए हमेशा पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करता रहा है और इस वर्ष अपने दिवंगत साथी को श्रद्धांजलि देने के लिए कोई उत्सव नहीं मनाएगा। पलामू जिला कमिटी ने आशुतोष रंजन को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह निर्णय लिया है।

संत मरियम किड्स स्कूल में वार्षिक परीक्षा का निरीक्षण, छात्रों को तनावमुक्त परीक्षा देने की सलाह

मेदिनीनगर। चैनपुर स्थित संत मरियम किड्स स्कूल में वार्षिक परीक्षा के दौरान विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और छात्रों से संवाद कर उन्हें तनावमुक्त रहने और शांतिपूर्वक परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। अविनाश देव ने कहा कि परीक्षा जीवन में सफलता की एक सीढ़ी भर है, यह बच्चों की बुद्धिमत्ता और संपूर्ण व्यक्तित्व का एकमात्र आकलन नहीं है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की कि वे छात्रों पर अत्यधिक अंक प्राप्त करने का दबाव न डालें, क्योंकि इससे बच्चों का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। विद्यालय निदेशक आनंद कुमार को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि कम समय में उनकी मेहनत और समर्पण से स्कूल ने जो ऊंचाई प्राप्त की है, वह सराहनीय है। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्राचार्य एस.बी. शाहा और कई शिक्षक उपस्थित थे।

सेवा निवृत्ति पर सम्मान समारोह व काव्य गोष्ठी

मेदिनीनगर। व्यवहार न्यायालय, पलामू के सिरिस्तेदार-सह-प्रधान सहायक अनिल कुमार शर्मा की सेवा निवृत्ति के अवसर पर कण्वाश्रम परिवार द्वारा पनेरीबांध स्थित आवास पर एक सम्मान समारोह सह काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कवि राकेश कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता श्रीधर प्रसाद द्विवेदी ने की। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मी के परिवार द्वारा स्वागत समारोह आयोजित करना एक सकारात्मक एवं ऊर्जा से भरने वाला कदम है।

इस अवसर पर युवा कवि विद्या वैभव भारद्वाज ने पं. बिंदु माधव शर्मा रचित खंडकाव्य 'कण्वाश्रम' से ईश वंदना का पाठ किया, जिसने सभी का मन मोह लिया। कवि राकेश कुमार, अरविंद सिन्हा, रमेश कुमार सिंह, उमेश कुमार पाठक, राम प्रवेश पंडित, आचार्य धनंजय पाठक, प्रिय रंजन पाठक, सिद्धेश्वर सिंह, रविशंकर पांडेय, जया लक्ष्मी, किरण राज और अंजनी कुमार दुबे ने अपनी कविताओं के माध्यम से अनिल कुमार शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वक्ताओं ने अनिल कुमार शर्मा को मिलनसार, हंसमुख और जिम्मेदार अधिकारी बताया और कहा कि 39 वर्षों तक बेदाग सेवा देना एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर अजय मिश्रा, सुमन मिश्रा, रमेश कुमार पाठक, सुरेंद्र शुक्ला, शैलेश मिश्रा, शशि शेखर, शैलेश सिन्हा, राजीव पांडेय, अमित खलखो और श्यामलाल उरांव सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अनुज कुमार पाठक ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अग्रज विद्यासागर शर्मा ने किया।

कार्यक्रम की सफलता में कुमार अखिलेश, हर्षराज, आदर्श राज, जयप्रकाश कुमार, रामप्यारी राम, रामनाथ पाल, मुंद्रिका राम, मंगल गुप्ता, देवमुनी, जगनारायण और शिवदत्त पाठक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन वरीय शिक्षकों को जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में दी गई विदाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शनिवार को जनता शिवरात्रि महाविद्यालय के तीन वरीय शिक्षकों के सेवानिवृत्त होने पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्य कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. (कैप्टन) एस. के. पांडे, वरीय शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. ए. के. पांडे (इतिहास विभाग, सेवानिवृत्ति - 31 जनवरी 2025), डॉ. मनोज श्रीवास्तव (अंग्रेजी विभाग) और डॉ. वैद्यनाथ राय (हिंदी विभाग) को भावपूर्ण विदाई दी गई। समारोह का संचालन करण कुमार थापा ने किया। वरीय शिक्षकों डॉ. ए. के. वैद्य, डॉ. सुरेश साहू और डॉ. ए. के. सेठ ने उनके शैक्षणिक योगदान और व्यवहार कुशलता को याद किया। प्राचार्य ने माल्यार्पण और शॉल भेंट कर सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सहायक अध्यापक बर्नार्ड टोप्पो ने बांसुरी बजाकर समारोह को भावनात्मक बना दिया। डॉ. ए. के. पांडे की अनुपस्थिति में प्रधान सहायक संतोष कुमार दुबे ने उनका उपहार स्वीकार किया। सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को उपहार स्वरूप बैग, डायरी और कलम भेंट किए गए। लाइब्रेरियन आलम जी ने कहा कि 'नौकरी पूरी करना अपने आप में एक उपलब्धि है।' अंत में डॉ. सेठ ने कहा कि इन तीनों शिक्षकों की विदाई एक युग के समाप्त होने के समान है।

राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंपा सात सूत्री मांग पत्र

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के दुद्धी विधानसभा के पूर्व विधायक हरिराम चेरो तथा राष्ट्रीय संयोजक अवधेश सिंह चेरो ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर महाराजा मेदिनी राय की विचारधारा से संबंधित सात सूत्री मांग पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इन मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मांग पत्र में महाराजा मेदिनी राय को झारखंड सरकार द्वारा महापुरुष का दर्जा देने, पलामू किला और शाहपुर किला के जीर्णोद्धार के साथ औरंगा नदी पर पलामू किला के पास पुल निर्माण, लातेहार जिले के नवगढ़ किला का जीर्णोद्धार, सतबरवा रबदा पलामू किला जतरा मेले को राजकीय मेला का दर्जा देने, आदिवासी विकास महाकुंभ मेला (दुबियाखाड़ मेला) को राज्य स्तरीय मेला के रूप में मान्यता देने, पलामू जिला मुख्यालय में जिला परिषद कार्यालय के सामने महाराजा मेदिनी राय की प्रतिमा स्थापित करने और महाराजा मेदिनी राय के नाम से प्राइमरी से ग्रेजुएशन तक निःशुल्क जनजातीय छात्रावास एवं विद्यालय की स्थापना कराने जैसी मांगें शामिल थीं। मुख्यमंत्री ने इन मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

एमएमसीएच के बेहतर संचालन के लिए कार्यों में तेजी लाएं : नगर आयुक्त

▸▸ नगर आयुक्त ने अधिकारियों संग बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) के सुचारू संचालन और बेहतर प्रबंधन को लेकर नगर आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में नगर निगम सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। यह बैठक उपायुक्त शशि रंजन के निदेशानुसार की गई, जिसमें अस्पताल से जुड़े विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई और उनके शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया गया।

नगर आयुक्त ने मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र (एमटीसी) को शीघ्र स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पताल परिसर में स्थित जर्जर भवनों को ध्वस्त करने की प्रक्रिया तेज करने की बात कही। उन्होंने कैदी वार्ड के लिए चिन्हित स्थल का निरीक्षण कर भौतिक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। नगर आयुक्त ने सात दिनों के भीतर अस्पताल भवन और बिजली से जुड़े सभी कार्य पूरे करने को कहा। उन्होंने बिजली विभाग के अभियंता को आवश्यकतानुसार विद्युत पोल स्थानांतरित करने और पेड़ों की छंटाई की सूची तैयार करने के लिए वन प्रमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के अभियंता महेंद्र राम और अस्पताल अधीक्षक सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को शीघ्र दुरुस्त किया जाए, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

बैठक के मुख्य बिंदु जिस पर चर्चा हुई

- नगर आयुक्त ने मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र (एमटीसी) को शीघ्र स्थानांतरित करने का निर्देश दिया।
- अस्पताल परिसर में स्थित जर्जर भवनों को तोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।
- चिन्हित स्थल का निरीक्षण कर भौतिक जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया।
- सात दिनों के भीतर भवन और बिजली से जुड़े सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए गए।
- बिजली विभाग को आवश्यकतानुसार बिजली पोल स्थानांतरित करने और पेड़ों की छंटाई के लिए सूची तैयार कर वन प्रमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया।

दलित-अल्पसंख्यक, पिछड़ा और आदिवासी वर्ग को आगे बढ़ाना कांग्रेस की प्राथमिकता : बिट्टू पाठक

▸▸ संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत कांग्रेस में शामिल हुए 500 नए सदस्य

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में शनिवार को संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत मिलन समारोह और संगठन सृजन पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस दौरान हैदर खान, शाहनवाज अहमद, छोटू चंद्रवंशी और गोपाल पासवान के नेतृत्व में 500 से अधिक एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और ओबीसी वर्ग के लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक (बिट्टू पाठक) ने कहा कि 'जिनकी जितनी आबादी, उनकी उतनी हिस्सेदारी' के सिद्धांत पर काम किया जाएगा और दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़ा व आदिवासी वर्ग को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने झारखंड कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी।

कार्यकर्ताओं को मिलेगा सम्मान

बिट्टू पाठक ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने वाले कांग्रेस कार्यकताओं को उचित सम्मान मिलेगा। कांग्रेस की सरकार बनाने में कार्यकर्ताओं की मेहनत अहम रही है, इसलिए उनके सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा।

कार्यक्रम का संचालन खुर्शीद आलम ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी विनोद तिवारी, शंकर पांडे, शमीम अहमद, अरविंद पासवान, इश्वरी प्रसाद सिंह, सुधीर चौबे, इंदु भगत, अशोक तिवारी, सत्येंद्र सिंह, जितेंद्र कमलापुरी, नफीस खान, और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

40 केंद्रों पर हुई परीक्षा, कड़ी निगरानी में हुआ संचालन

इंटरमीडिएट राजनीति विज्ञान परीक्षा संपन्न, 175 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

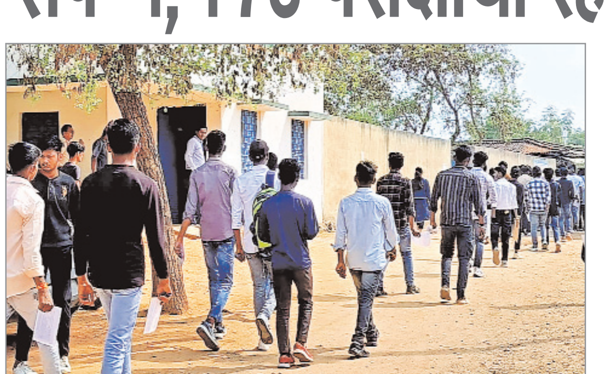

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड अधिविध परिषद द्वारा जिले के 40 केंद्रों पर इंटरमीडिएट परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें दूसरी पाली में कला संकाय के राजनीति विज्ञान विषय की परीक्षा ली गई। परीक्षार्थी दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 तक होने वाली इस परीक्षा के लिए निर्धारित समय से पूर्व ही अपने केंद्रों पर पहुंच गए थे। परीक्षा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सभी परीक्षार्थियों को सघन तलाशी के बाद ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवानों को भी प्रतिनियुक्त किया गया था।

इस परीक्षा में कुल 8,420 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 175 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कुल 8,595 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। परीक्षा संचालन को लेकर जिला स्तर पर दो नियंत्रण कक्ष बनाए गए थे, जहां से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही थी। साथ ही, परीक्षा की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए उड़नदस्ता, गश्ती दल और अन्य अधिकारियों द्वारा विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

गंदा पानी बहाने पर बिरयानी सेंटरों को अंतिम नोटिस, नहीं माने तो प्रतिष्ठान होगी सील

● निगम ने लगाया जुर्माना, तीन बार नोटिस देने के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वार्ड संख्या 23 के सद्दीक मंजिल चौक स्थित हिंद और भारत नामक दो बिरयानी सेंटरों द्वारा सड़क पर गंदा पानी बहाने के मामले में नगर निगम ने कड़ा रुख अपनाया है। जुर्माना नहीं भरने पर निगम ने दोनों प्रतिष्ठानों को अंतिम नोटिस जारी किया है। यदि संचालकों ने जल्द जुमार्ना नहीं चुकाया, तो इन प्रतिष्ठानों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि नगर निगम ने कुछ महीने पहले इन दोनों बिरयानी सेंटरों पर सड़क पर गंदा पानी बहाने के कारण 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। बावजूद इसके, तीन बार नोटिस दिए जाने के बाद भी संचालकों ने जुर्माना नहीं भरा। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों की लगातार शिकायतों के बाद निगम प्रशासन ने यह सख्त निर्णय लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सिटी मैनेजर अनुराग कुमार ने बताया कि संचालकों को अंतिम नोटिस दिया गया है और उन्हें जल्द से जल्द जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है। यदि वे निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो नगर आयुक्त के आदेश पर दोनों बिरयानी सेंटरों को सील कर दिया जाएगा।

माता सबरी सुशीला मेहता मेधावी पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, न्यू टाउनशिप, शाहपुर में शनिवार को माता सबरी सुशीला मेहता मेधावी पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यालय की सचिव किरण मेहता और शैक्षणिक निदेशक डॉ. सिमी मेहता का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद विद्यालय की छात्राओं ने गणेश वंदना पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.के. सिंह ने पिछले सत्र में छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्कूल का उद्देश्य सिर्फ मेधावी सूची में नाम दर्ज कराना नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी सुनिश्चित करना है। माता सबरी सुशीला मेहता मेधावी पुरस्कार के तहत 441 छात्रों को 1001 रुपये का चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक निदेशक डॉ. सिमी मेहता ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड में ऑक्सफोर्ड स्कूल ही ऐसा विद्यालय है जो हर वर्ष मेधावी छात्रों को पुरस्कृत करता है। विद्यालय सचिव ने भी छात्रों को मेहनत, लगन और एकाग्रता से पढ़ाई करने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका शिवांगी आनंद और मीनू सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका शिल्पी गुप्ता ने दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महिला से ठगी करने वाला युवक को ग्रामीणों ने पकड़ कर धुनाई की

पुलिस ने गिरोह के चार लोगों को किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघीताली गांव में एक महिला से जेवर ठगी कर भाग रहे एक ठग को ग्रामीणों ने खरौंधी मोड़ के समीप पकड़ कर जमकर धुनाई की। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर राजाराम लाठौर नामक ठग को ग्रामीणों की चंगुल से छुड़ाकर थाना ले गई। पकड़े गए उक्त ठग के पास से पुलिस ने जेवर बरामद करते हुए उसकी निशानदेही पर उसके ग्रुप के चार अन्य युवकों को बुका गांव से पकड़ थाना लाकर पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार ठग राजाराम लाठौर और उसका एक अन्य साथी शनिवार को सिंघीताली गांव में रमाशंकर राम के घर पहुंचकर। पूजा पाठ करने तथा तंत्र मंत्र से जादुई चमत्कार से जेवर को दोगुना कर देने की बात कहते हुए उसकी पत्नी को झांसा में ले लिया। महिला ने अपना मंगलसूत्र व सोने का लाकेट उन्हें दे दिया। उक्त दोनों ठगों ने लाल कपड़े में जेवर लपेट कर जादू के लिए चमत्कार का ढोंग कर वापस देते हुए कहा थोड़ी देर बाद खोलना। यह कहकर उक्त दोनों ठग फरार हो गए। जब रामाशंकर राम ने कपड़े की पोटली खोली तो उसमें डुप्लीकेट चार अंगुठी मिला। ठगी के शिकार होने का एहसास होते ही रामाशंकर राम मोटरसाइकिल से उनका पीछा करते हुए भवनाथपुर खरौंधी मोड़ पर दोनों ठग को देख शोर मचानाा शुरू किया। इसके बाद आस पास भीड़ जमा हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने चोरों की जमकर धुनाई कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने युवक को थाना लाकर पूछताछ कर रही है।

पानी पटाने वाला मशीन चोरी

रंका। प्रखंड के कटरा पंचायत के उत्तरवारा टोला में चोरों ने पानी पटाने वाला मशीन चोरी कर ली। इस संबंध में रंका थाना में भुक्तभोगी किसान सिकंदर सिंह ने लिखित आवेदन देकर चोरी का मामला दर्ज करायी है।

एक नजर

शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन

मेराल। द इंडियन पब्लिक स्कूल मेराल के निदेशक विनोद कुमार पासवान ने शनिवार को विद्यालय में शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया। बैठक में फाइनल परीक्षा की तैयारी पर चर्चा की गई। विद्यालय में तीन मार्च से वार्षिक परीक्षा की तिथि निर्धारित किया गया है, जिसमें शिक्षकों को तैयारी को लेकर आवश्यक निर्देश दिया गया। बैठक में कई शिक्षकों ने विद्यालय से संबंधित कई बिंदुओं पर अपना सुझाव दिए। बैठक में निर्णय लिया गया की इस वर्ष टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षक मनोज कुमार, ब्रह्मदेव पांडेय, दिलीप मिश्रा, विकास कुमार ठाकुर, मनदीप ठाकुर, दीप्ति मिश्रा, अर्पना पांडेय, रिचा कुमारी, खुशबू कुमारी, सुमन देवी, उषा कुमारी उपस्थित थे।

गोष्ठी में किसानों को दी जानकारी

केतार। प्रखंड के परती कूशवानी गांव में शनिवार को किसान गोष्ठी सह प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर बीटीएम राकेश कुमार ने किसानों को रबी फसल के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने किसानों को समय पर रबी फसल की बोवाई, पटवन और खर-पतवार से बचाव के लिए कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के बारे में बताया गया। बीटीएम ने किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजना कृषि सिंचाई योजना, किसान समृद्धि योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, पीएम कुसुम योजना, राष्ट्रीय सुक्ष्म सिंचाई योजना के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को बताया कि पीएम कुसुम योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदान पर किसान सोलर सिस्टम योजना का लाभ ले सकते हैं। इस योजना से किसानों को खेती पटवन करने में सहूलियत होगी। बिजली बिल भरने से भी छुटकारा मिलेगा। मौके पर किसानों को सब्जी का बीज भी वितरण किया गया। मौके पर मुखिया मुनि देवी, संतोष प्रजापति, देवेन्द्र गुप्ता, सोनी देवी, सुदेश्वर चौधरी, धीरेन्द्र प्रजापति, नवलेश चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

निरक्षर महिला पुरूषों को साक्षर बनाने का अभियान शुरू

रंका। उपयुक्त सह जिला साक्षरता समिति के आदेशा पर रंका प्रखंड सभागार में बीडीओ की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस संबंध में प्रखंड साक्षरता समन्वयक राकेश पांडेय उर्फ गौतम पांडेय ने बताया कि जिले में चल रहे नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए 15 प्लस आयु वर्ग के निरक्षर महिला पुरुष को साक्षर कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष मार्च व अगस्त में बुनियादी आकलन जांच परीक्षा कराई जाएगी। इसमें वैसे लोग जो पढ़ना लिखना जानते हैं। उनके पास कोई सरकारी प्रमाण पत्र नहीं है। पढ़ाई लिखाई छोड़ दिए हैं। समूह के माध्यम से या कहीं से पढ़ना लिखना सीख गए हैं। वैसे लोगों को इसमें शामिल कर उन्हें परीक्षा दिलाई जाएगी। एनआईओएस दिल्ली द्वारा उन्हें बुनियादी साक्षरता का प्रमाण पत्र दिया जाएगा । बैठक में रंका प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षक, प्रधानाध्यापक उपस्थित थे। इस संबंध में बताया गया कि जेएसएलपीएस के सभी महिलाओं जो केवल हस्ताक्षर करती हैं, या पहले से कुछ पढ़ाई लिखाई की हैं। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला टोपनो ने कहा कि सरकार से संचालित जितनी भी कल्याणकारी योजना है उसमें साक्षर कर सभी को मुख्य धारा से जोड़ना बहुत ही पुनीत कार्य है। बैठक का संचालन प्रखंड समन्वयक प्रखंड साक्षरता समिति राकेश कुमार उर्फ गौतम पांडेय ने किया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संतोष कुमार दुबे, रंका प्रखंड के 151 सरकारी विद्यालय के सभी प्रधानाध्यापक बैठक में उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

प्रधानाध्यापक पर बच्चों से मारपीट करने का आरोप

मझिआंव। प्रखंड क्षेत्र के पुरहे गांव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सत्येंद्र कुमार सिंह पर बच्चों को मारपीट करने का आरोप अभिभावकों ने लगाया है। बच्चों के साथ मारपीट की जानकारी मिलने के बाद अभिभावक व ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में हंगामा किया। जानकारी होने के बाद डीएसई अनुराग मिंज, सीओ प्रमोद कुमार पुलिस बल के साथ विद्यालय पहुंचे। इसके बाद अधिकारियों ने विद्यालय कार्यालय कक्ष में बैठकर प्रधानाध्यापक सत्येंद्र कुमार सिंह व अन्य लोगों से घटना के बारे में जानकारी प्राप्त किया। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक ने अधिकारियों के समक्ष अपनी गलती स्वीकारते हुए कहा कि बच्चों को दो-तीन थप्पड़ दिए थे। संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा प्रधानाध्यापक का बयान दर्ज किया गया। वर्ग 4 के पीड़ित छात्र आनंद कुमार ठाकुर के पिता रघुनाथ ठाकुर व वर्ग 4 के पीड़ित छात्र सीता राम यादव के पिता वीरेंद्र यादव ने बताया कि हम लोगों के बच्चे को सहायक शिक्षक सह प्रभारी प्रधानाध्यापक के द्वारा बेरहमी से पिटा गया है। इन्हें दंडित करते हुए यहां से तत्काल स्थानांतरण करने की मांग अधिकारियों के समक्ष रखा।

महायज्ञ समापन के बाद कमेटी के लोगों को किया गया सम्मानित

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 के ग्राम खजूरी के शिव मंदिर परिसर में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ समापन के बाद यज्ञ में सक्रिय पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ के सक्रिय कार्यकर्ता अशोक शाह ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी गांव का व लोगों का मुझे आर्थिक व शारीरिक रूप से भरपूर सहयोग मिला है। कमेटी के लोगों एवं उन्होंने नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए गंभीर आरोप लगाया। कहा कि यज्ञ कमेटी के द्वारा पानी टैंकर का मांग किया गया था। उन्होंने पानी टैंकर नहीं भेजा। यही नहीं यज्ञ परिसर को साफ सफाई करने के लिए सफाई कर्मी की भी मांग की गई थी, परंतु उनके द्वारा सफाई कर्मी को भी नहीं भेजा गया। लोगों ने कहा कि यज्ञ समापन के लगभग दो दिन हो गये हैं, फिर भी साफ सफाई करने के लिए उनके द्वारा सफाई कर्मी को नहीं भेजा गया है। उन्होंने कहा कि हम लोग नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आते हैं। हम लोग हर प्रकार का टैक्स देते हैं, फिर भी गली मुहल्ला में कूड़ा कचरा लगा रहता है। मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। यह बर्दाश्त नहीं है। इस संबंध में बैठक कर निर्णय के अनुसार सड़क जाम करेंगे। इस संबंध में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार बताया कि मैंने यज्ञ परिसर को पूरी तरह से साफ सफाई करवाया था। वहां पर सफाई कर्मियों को भी प्रतिनियुक्त किया गया था। जेसीबी भेजा गया था। सफाई युक्त जगह को सफाई भी किया गया था।

सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप, जिप अध्यक्ष ने काम बंद कराया

नवीन मेल संवाददाता

रमना। रेलवे स्टेशन रमना से सारांग होते हुए जतपुरा ग्राम तक 3 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत से 5 किमी पीडबलूडी विभाग से हो रहे सड़क निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा अनियमितता बरतने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों की सूचना पर जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी ने शनिवार को हो रहे उक्त सड़क निर्माण कार्य स्थल पर पहुंच कर सड़क व पुल-पुलिया निर्माण की जांच की। जांच के क्रम में ग्रामीणों द्वारा लगाया गया अनियमितता सही पाया गया। पुलिया निर्माण में नाम मात्र का सीमेंट डाला गया हैं। पानी नहीं पटाया गया था। गुणवत्ता पूर्ण काम नहीं होने से पुलिया के दीवार में दरार दिखने लगा है। सड़क पर गिट्टी सही तरीके से पैदल व मोटर साइकिल से आने जाने वाले को परेशानी हो रही है। मौके पर जिप अध्यक्ष ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य स्थल पर मौजूद संवेदक द्वारा नियुक्त कर्मियों को सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा किघटिया सड़क निर्माण कार्य करने बाद आप लोग तो चले जाएंगे, लेकिन आने जाने वाले ग्रामीणों को एक ही बरसात में फिर से वही स्थिति हो जाएगी। राहगीर अनीश कुमार यादव ने बताया कि सड़क बनते करीब एक वर्ष हो गया, लेकिन सड़क से उड़ने वाली धूल से हमलोग परेशान है। रविन्द्र कुमार ने बताया कि इस सड़क निर्माण में बहुत अनियमितता बरती जा रही है।

सीएस के जांच में प्रसव के नाम पर अवैध वसूली मामले की पुष्टि

खबर का असर

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के नाम पर मरीजों से अवैध पैसा वसूली का मामला प्रकाश में आने के बाद विभागीय जांच में एएनएम व स्वीपर द्वारा मरीज से अवैध पैसा लेने की पुष्टि हो गई है। बता दें कि शुक्रवार को राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। शनिवार को चिनियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करने पहुंचे गढ़वा सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि जांच के दौरान एएनएम और स्वीपर दोनों के द्वारा पैसा लेने का मामला सही पाया गया है। दोनों को मरीज के परिजन को पैसा लौटाने का निर्देश दिया गया है। बता दें भुक्तभोगी चिनियां निवासी मनोज सिंह की पत्नी रंगीता देवी के प्रसव के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिनियां के एएनएम और स्वीपर द्वारा जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर 2500 रुपए लिया गया था। मनोज सिंह ने चिकित्सा पदाधिकारी को आवेदन देकर अपने पैसे की वापसी करते हुए संबंधित पर कार्रवाई की मांग किया था। मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर असजद अंसारी, डॉ. अविनाश कुमार, फार्मासिस्ट वेंकटेश्वर नारायण, एमपीडब्ल्यू लाल मोहम्मद अंसार, सहित अन्य मौजूद थे।

एसडीओ ने योजनओं की समीक्षा की, दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। एसडीओ संजय कुमार पांडेय ने शनिवार को प्रखंड कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक कर अबुआ आवास योजना, मनरेगा योजना के तहत चल रहे योजनाओं की अद्यतन जानकारी ली। एसडीओ ने समीक्षा के दौरान योजनाओं की प्रगति को लेकर प्रखंड कर्मियों को निर्देश दिए। बैठक के बाद एसडीओ ने करकोमा पंचायत में चल रहे विकास योजनाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मनरेगा के तहत चल रहे बिरसा हरित आम बागवानी योजना, सिंचाई कूप, डोभा, अबुआ आवास योजना का स्थल पर पहुंच कर योजना का जांच किया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने पंचायत भवन पहुंच मनरेगा योजना से संबंधित संधारित किए गए रिकॉर्ड पंजी का जांच किया। निरीक्षण के दौरान मापी पुस्तिका में त्रुटि पाए जाने पर सुधार करने का निर्देश दिए। मौके पर बीडीओ सतीश भगत, सीओ यशवंत नायक, बीपीओ आदम अली, शशि भूषण कुमार, नाजीर सुनील कुमार, जेई फिरोज अंसारी, धर्मेंद्र मिश्रा, मुखिया वीरेंद्रनाथ तिवारी, रोजगार सेवक मनदीप सिंह उपस्थित थे।

उपकारा को चालू कराने की कवायद शुरू

श्री बंशीधर नगर। बंशीधर नगर के महदेईया ग्राम में बने उप कारा को चालू करने का कवायद प्रारंभ हो गया है। शनिवार को जिले के अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, गढ़वा कारा के जेल सुप्रिटेंडेंट सहित अन्य अधिकारियों ने उप कारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप कारा को चालू करने में क्या क्या कमी रह गया है इसकी जानकारी स्थानीय अधिकारियों से लिया साथ ही कमी को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। इस दौरान अपर समाहर्ता ने बताया कि बने उप कारा में ड्रेन की समस्या को परमानेंट सोल्यूशन करने के लिए भूमि चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द इस समस्या को दूर कर झारखंड की आई टीम को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि आई टीम के द्वारा जैसे ही प्लांट का एप्रूभल मिलता है कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा। इससे एक दिन पूर्व एसडीओ और सीओ ने उप कारा का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया था। मौके पर सहायक कारा महानिरीक्षक, आपादा प्रबंधन विभाग के चीफ इंजीनियर, अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्धा, अंचल पदाधिकारी बिकास सिंह, अंचल निरीक्षक राज कुमार साहू सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

जल नल योजना में अनियमितता का आरोप, उपायुक्त से जांच की मांग

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत पंचायत मकरी में पीएचईडी विभाग से नल जल योजना सहित सभी कार्यों में भारी अनियमितता बरते जाने को लेकर मकरी पंचायत की मुखिया सरिता देवी नें इसकी लिखित शिकायत गढ़वा उपायुक्त कर कार्रवाई की मांग की है। मुखिया ने कहा कि मकरी पंचायत अंतर्गत सरकार द्वारा लगाए जा रहे नल जल योजना, शौचालय, चापाकल, मरमती, ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत नाडेप का निर्माण सहित दर्जनों कार्य कराना सुनिश्चित है। पीएचडी विभाग गढ़वा के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, प्रखंड के कनीय अभियंता से योजना में अनियमितता तथा कार्य में लापरवाही बरतते हुए कार्य को पूर्ण होने जैसे मामला से अनेकों बार मौखिक रूप से अवगत करायी गयी है। परन्तु कोई पहल नहीं किया गया। जल नल योजना के तहत पंचायत में स्वीकृत 105 अदद कार्य को बगैर ग्रामसभा के कराना एवं प्राक्कलन के अनुसार कार्य नहीं कराना, लगाये जा रहे सभी सामग्री जैसे समरसेबल, पानी टंकी, सोलर, नल घटिया किस्म के लगाना शामिल है। ग्रामीण क्षेत्र में विछाये गये पाईप जमीन में चार-छः इंच मिट्टी से ढ़ककर कार्य कराना, जिससे प्रतिदिन पाईप फटने का शिकायत ग्रामीणों द्वारा किया जाना शामिल है। इसके अलावा पंचायत में शौचायल का निर्माण जरूरतमंदों को नहीं देना एवं बगैर कार्य कराये कार्य पूर्ण कराया जाना, पंचायत में अधीष्ठापीत सभी चापाकल का प्राक्कलन के अनुसार बोरिंग कार्य नहीं कराना, लगाये गये सभी चापाकल सेट घटिया किस्म का लगाना जिसमें पाईप में पांच छह माह में छेद हो जाना जैसे शिकायत है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने समाज सेवी को किया सम्मानित

गढ़वा। रंका अनुमंडल मुख्यालय निवासी समाज सेवी अमरेन्द्र कुमार को पूर्व उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सुदेश महतो ने शॉल ओढ़ाकर एवं बुके देकर किया सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में गढ़वा जिला के रहने वाले अमरेन्द्र कुमार एक ब्रांड बन गए हैं। वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श हैं। स्वयं मैं भी इनके सामाजिक कार्यों से बहुत प्रभावित हूं। ज्ञात हो कि समाजसेवी अमरेन्द्र कुमार ने विभागों से आपसी समन्वय बनाकर अब तक काफी संख्या में दिव्यांग , अनाथ , बेसहारा , एवं वृद्धों को बैसाखी , व्हील चेयर , ट्राई साइकिल , श्रवण यंत्र उपलब्ध कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ।

टूर्नामेंट | निर्वतमान अध्यक्ष ने विजेता उपविजेता टीम को किया पुरस्कृत

मझिआंव ने गढ़वा को हराकर ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र के राधा कृष्ण मंदिर के समीप राधा कृष्ण वॉलीबॉल ओपन टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मझिआंव व गढ़वा के बीच तीन सेट में खेला गया। मझिआंव ने पहले ही सेट से गढ़वा की टीम पर हावी रही। कड़ी टक्कर में मझिआंव की टीम ने गढ़वा को पहले सेट में मात दिया। दूसरे सेट के प्रारंभ से ही मझिआंव के टीम ने प्वाइंट से बढ़त बनाए रखा। अंतत दोनों सेट को लगातार मझिआंव की टीम जीत लिया। लगातार दोनों सेट जीतने पर मझिआंव टीम को मैच निर्णायक द्वारा 2-0 से जीत घोषित कर दिया गया। राधा कृष्ण वॉलीबॉल ओपन टूर्नामेंट के आयोजनकर्ता सह मुख्य अतिथि निवर्तमान अध्यक्ष सुमित्रा देवी द्वारा गढ़वा उपविजेता टीम के खिलाड़ी समर सिंह को मैन ऑफ द मैच, मझिआंव विजेता टीम के खिलाड़ी सौरभ सिंह को मैन ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। दोनों टीम को नगर पंचायत के निवर्तमान अध्यक्ष सुमित्रा देवी द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में मंच संचालन व कमेंट्री रिंकू तिवारी ने किया। अंपायरिंग विक्की सिंह, विनय दुबे ने किया। मौके पर मुकेश सिंह,साहिल सिंह, संजीव सिंह,अभिमन्यु सिंह,मनोज सिंह ने सराहनीय योगदान दिया। मौके पर बृज नारायण सिंह, सुदामा सिंह, अशोक कमलापुरी, प्रेमानंद त्रिपाठी, कई गणयमान लोग, प्रबुद्ध नागरिक एवं साइकिल खेल प्रेमी उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमण्डल, लातेहार

अति–अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना सं0– DWSD/LTR/ITDA/DT-15 दिनांक –01.03.2025

01	विभाग का नाम	:–	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
02	परिमाण विपत्र विक्री की अंतिम तिथि	:–	06.03.2025 अपराहन 03.00 बजे तक।
03	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	:–	08.03.2025 अपराहन 03:00 बजे तक।
04	निविदा जमा करने का स्थान	:–	1. कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल लातेहार। 2. सहायक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल लातेहार।
05	निविदा खोलने की तिथि एंव समय	:–	08.03.2025 अपराहन 04:00 बजे ।
06	निविदा आमंत्रित करने का पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम	:–	ई0 दीपक कुमार महतो कार्य0 अभियंता, पेयजल एवं स्व0 प्रमंडल लातेहार।
07	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का मो0 न0	:–	9199154542 – 6201242103

Detail of work;-

Sl No	Name of work	No of Scheme	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of Boq	Time of Completion
1	Construction of Water Supply Scheme 2.0 H.P Electric motor pump with laying of rising and distribution pipe and 2 nos of 2000 of HDPE water storage tank for ANUSUCHIT JANJATI AWASIYE BOYS MIDDLE SCHOOL DOMAKHAR at	01	248763.00	5000.000	500	07 Days

1. Estimated Cost & EMD coat may Be Changed
2. Further details can be seen on notice board of Office
3. Only Registerd Contractor in this Department in (Appropritate Class) Participate in said Tender.

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल लातेहार

PR 347506 (Water Resource)24-25*D

कार्यालय नगर पंचायत मझिआँव
Email : nagarpanchayatmanzhiaon@gmail.com

पत्रांक– 186 / **आम सूचना** दिनांक– 28.02.2025

नगर पंचायत मझिआँव क्षेत्रांतर्गत आमजनों को सूचित किया जाता है कि मझिआँव प्रखण्ड परिसर के बगल में नवनिर्मित 20 दुकान आवंटन करने का निर्णय लिया गया है। जिसके लिए दिनांक 05.03.2025 से दिनांक 10.03.2025 तक 1000/–(एक हजार रूपये) का बैक ड्राफ्ट (कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मझिआँव के पदनाम से) या नगद कार्यालय में जमा कर आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते है। आवेदन पत्र में अपना विवरण भर कर एवं निम्नवत् दस्तावेज स्वःअभिप्रमाणित संलग्न करते हुए दिनांक 10.03.2025 तक कार्यालय अवधि में जमा करना अनिवार्य है। सभी प्राप्त आवेदन के जाँचोपरांत सही पाये गये आवेदनों में से दिनांक 11.03.2025 को लौटरी के माध्यम से दुकान आवंटन की प्रकिया की जायेगी।

मझिआँव प्रखण्ड परिसर के बगल में नवनिर्मित 20 दुकान	दुकान संख्या 01 से दुकान संख्या 20 तक।

आवश्यक दस्तावेज।
1. आवेदक का आधार कार्ड एवं पहचान पत्र की प्रति।
2. आवेदक का पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ 2 अदद्।

दुकान आवंटन हेतु नियम एवं शर्तः–
1. एक आवेदक एक से अधिक दुकानों के लिए आवेदन कर सकते है, परन्तु एक आवेदनकर्त्ता को एक ही दुकान आवंटन की जायेगी।
2. दुकान की संख्या से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने पर लौटरी के माध्यम से दुकान का आवंटन किया जायेगा।
3. दुकान आवंटन के पश्चात् निर्धारित समय के अन्दर एकरारनामा करना अनिवार्य होगा।
4. दुकान आवंटन के पश्चात 10000/–(दस हजार) रूपये सुरक्षित जमा राशि के रूप में बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करना अनिवार्य होगा। जो दुकान छोडने के उपरांत वापस किया जाएगा। सुरक्षित जमा राशि में किसी भी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा।
5. दुकान आवंटन 03 (तीन) वर्षो का होगा तथा तीन वर्षो में एकरारनामा नवीनीकरण करना अनिवार्य होगा। इस अवधि के पश्चात एकरारनामा नवीनीकरण करने का निर्णय कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा लिया जायेगा। दुकान का एकरारनामा नवीनीकरण करने अथवा नहीं करने का अधिकार कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत मझिआँव के पास सुरक्षित रहेगा।
6. आवंटित दुकानदारों को प्रतिमाह 500/–(पॉच सौ) रूपयें किराया शुल्क देना होगा जो माह के 01 से 10 तारिख के बीच जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि तक दुकान का किराया जमा नहीं करने पर 10 रू (दस रूपये) प्रतिदिन दण्ड स्वरूप वसूल किया जायेगा।
7. लगातार तीन माह का किराया जमा नही करने पर आवंटन रद्द कर पुनः किसी अन्य को आवंटन कर दिया जायेगा।
8. दुकान का विस्तार या किसी भी प्रकार का निर्माण नगर पंचायत मझिआँव के अनुमति के बिना प्रतिबंधित रहेगा।
9. दुकानदार को अपने दुकान के आस–पास साफ–सफाई रखना अनिवार्य होगा। गंदगी पाए जाने पर नियमानुसार जुर्माना वसुल किया जाएगा।
10. दुकानदार विद्युत का कनेक्शन स्वंय से आवश्यकतानुसार ले सकते है जिसका व्यय भार स्वंय से वहन करना होगा।
11. सभी दुकानदार को ट्रेड लाईसेंस लेना अनिवार्य होगा।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत मझिआँव

PR 347514 (Urban Development)24-25*D

बीडीओ ने एमएस हॉस्पिटल को किया सील

■ बिना रजिस्ट्रेशन अवैध रूप से संचालित था हॉस्पिटल

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उराव व चिकित्सा प्रभारी प्रकाश बड़ाइक ने पांकी स्थित एमएस हॉस्पिटल को सील कर दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बालूमाथ प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने बताया कि उपायुक्त लातेहार के निर्देश पर प्रखंड में संचालित प्राइवेट हॉस्पिटल, नर्सिंग होम का अल्ट्रासाउंड मशीन होने के संदेह पर निरंतर जांच किया जा रहा है। इस क्रम में बालूमाथ पांकी रोड स्थित एमएस हॉस्पिटल का छापेमारी की गई। संचालित हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन पेपर का जांच करने पर अवैध पाया गया, जो अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। हॉस्पिटल में ऑपरेशन थिएटर सहित अन्य रूम की जांच की गई। वहां से अल्ट्रासाउंड मशीन नहीं पाया गया। बताया कि पहले भी उक्त अस्पताल को 50 हजार का जुर्माना लगाते हुए रजिस्ट्रेशन कराने का हिदायत दी गई थी। अस्पताल संचालक ने आदेश का अनुपालन नहीं किया। इसके बाद उपायुक्त के निर्देश पर अस्पताल को सील कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग लातेहार द्वारा पिछले वर्ष के आंकड़े से पता चला है कि लातेहार जिले में इन दिनों लड़कों का जन्म दर बढ़ती जा रही है, इस पर उपायुक्त ने अल्ट्रासाउंड केदुरूपयोग होने का संदेह जताते हुए जिले में संचालित अस्पताल व नर्सिंग होम की निरंतर जांच करने का निर्देश दिया है।

चिकित्सा के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय स्थित अनिकेत ढ़ाबा में रांची के प्रतिष्ठित आयुष्मान मंगल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के सौजन्य से क्षेत्र के ग्रामीण चिकित्सा के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वहां उक्त अस्पताल के चेयरमैन डॉ. शिव शंकर (हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञता) व अस्पताल के डायरेक्टर विनोद मिश्रा ने उपस्थित ग्रामीण चिकित्सकों को अपने चिकित्सीय अनुभव का साझा करते हुए विभिन्न प्रकार के बीमारियां के इलाज के महत्वपूर्ण पहलुओं को जानकारी दी। साथ ही इलाज के दौरान किए जाने वाले जांच के महत्व को भी बारीकी से बताया। इस दौरान डॉ. शिव शंकर ने सभी चिकित्सकों से कहा कि आप अपने अनुभव से इलाज करते रहें, लेकिन जब भी कोई क्रिटिकल केस मिले तो उसे किसी अच्छे हॉस्पिटल का मार्गदर्शन दीजिए, ताकि उसका सही सस्ता इलाज समय पर हो सके। इस हॉस्पिटल गरीब से गरीब व्यक्ति का उचित दर पर इलाज किया जाता है। आयुष्मान कार्डधारी का निःशुल्क इलाज की भी व्यवस्था है। कभी भी जरूरत पड़ने पर निःशुल्क मार्गदर्शन को लिए हम तत्पर हैं। आप सब मरीज का जांच रिपोर्ट, अल्ट्रा साउंड का रिपोर्ट हमारे पास भेज सकते हैं। उचित मार्गदर्शन दिया जाएगा। ऐसा करने से किसी व्यक्ति को उचित स्वास्थ्य सुविधा मिलेगा। हमारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंच कर वहां के चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का प्रयास करना है।

एक नजर

भाजपा ने जिला प्रशासन का किया विरोध

गिद्धौर (चतरा)। जिला में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन पर सांसद कालीचरण सिंह की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया।

जिला लीग का फाइनल आज

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित जिला क्रिकेट लिग मैच का फाइनल रविवार को खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला पिपरवार सीनियर बनाम बिरसा क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला जाएगा। दोनों टीम के खिलाड़ियों को आठ बजे तक पहुंचने को कहा गया है। यह जानकारी लीग मैच के अध्यक्ष प्रेम राणा ने दी।

एक सप्ताह के अंदर होल्डिंग टैक्स जमा करने का निर्देश

लातेहार। वित्तीय वर्ष 2024-25 समाप्त होने वाला है। लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले लोग यदि अभी तक अपना पानी का बिल, होल्डिंग टैक्स या घरों का रिएसेसमेंट नहीं कराएं हैं तो जल्द अपना होल्डिंग और पानी बिल जल्द जमा कर दें। नहीं तो परेशानियों का सामना करना पड़ सकता। इस संबंध में नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 एक माह (मार्च) शेष है। ऐसे में नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जितने भी होल्डिंगधारी हैं, जिन्होंने अब तक अपने घर या खाली जमीन का होल्डिंग टैक्स जमा नहीं किया है, वैसे सभी होल्डिंगधारी एक सप्ताह के अंदर होल्डिंग टैक्स जमा कर दें।

भ्रष्टाचार के खिलाफ विधायक समेत भाजपा नेताओं ने लगाया काला बिला

मयूरहंड (चतरा)। जिला में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ शनिवार को सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास के अलावा चतरा जिला मुख्यालय समेत मयूरहंड प्रखंड भाजपा नेताओं ने काला बिला लगाकर सांकेतिक विरोध जताया। बता दें कि चतरा सांसद कालीचरण सिंह डीएमएफटी मद से जिला मुख्यालय में लगाया गया सोलर स्ट्रीट लाईट अनियमितता की जांच कराने की मांग की गई थी। इसमें जिला प्रशासन द्वारा जांच टीम गठित की गई थी। टीम में अपर समाहर्ता चतरा, विद्युत कार्यपालक अभियंता एवं नगर निगम कार्यपालक अभियंता को शामिल किया गया था। जांच टीम में शामिल पदाधिकारी के खिलाफ चतरा सांसद कालीचरण सिंह द्वारा एक बयान देने से झारखंड प्रशासनिक अधिकारी गुरुवार को उक्त बयान को अमर्यादित शब्द का प्रयोग करने के खिलाफ काला बिला लगाकर सांकेतिक विरोध जताया था। उक्त शब्द के प्रति खेद व्यक्त करने की मांग की। खेद व्यक्त नहीं करने पर चरणबद्ध आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। इसके बाद भाजपा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चरणबद्ध आंदोलन का बिगुल फूंका, जिसके तहत शनिवार को जिला में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन के खिलाफ काला बिला लगाकर विरोध जताया।

झूठे मुकदमे में फंसाने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप, विरोध प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

हंटरगंज/चतरा। जिले के हंटरगंज अंचल के खूंटीकेवाल मौजा में 0.29 एकड़ गैरमजरूआ जमीन का मामला तूल पकड़ लिया है। ग्रामीण गोलबंद होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि उचित जांच नहीं की गई, तो जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करेंगे। खुटिकेवाल ग्रामीणों ने बताया कि खाता संख्या 44, प्लॉट 52, रकबा 0.29 एकड़ सर्वे खतियानी के अनुसार गैरमजूरआ खास खाते की है। जिसमें 0.03 एकड़ भूमि पर खंडहर मकान में पूर्व में जमींदार का अनाज रखने का गोदाम था। गांव से जमींदार चले जाने के बाद हमलोग 30 वर्षों से इस मकान का सार्वजनिक उपयोग कर रहे थे। वर्तमान में वही खंडहर भूमि को हटाकर हमलोगों के द्वारा सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था। जिसकी सूचना मिलते ही केसकर्ता अनूप कुमार पिता राजेंद्र प्रसाद के द्वारा बंद जमाबंदी को ऑनलाइन में दर्ज किया गया। जिसके बाद अनूप ने 33 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना वारंट के चेतना भारती सह गांव गणराज्य के संस्थापक विनय सेंगर को गिरफ्तार किया गया, जो नियम के विरुद्ध है।

इसमें कई गांवों के निर्दोष लोग भी फंसे हैं। खुटिकेवाल गांव में कोई अनूप नाम का व्यक्ति है ही नहीं, बल्कि अवैध तरीके से ऑनलाइन में जमाबंदी कर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। जिसका अंचल अधिकारी के द्वारा जांच प्रतिवेदन सौंपा गया गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में अंचल अधिकारी अरुण मुंडा ने मीडिया के सवालों पूरे मामले को गंभीरता से देखने की बात कही। पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह अंतर्गत महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हेरहंज। स्वाधार हेरहंज द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2025 के तहत पोखरी गांव में महिलाओं के लिए एक विशेष वित्तीय जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस वर्ष वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसका प्रमुख विषय वित्तीय समझदारी-समृद्ध नारी है। कार्यक्रम के दौरान सीएफएल इंचार्ज अशोक राम, विनोद कुमार रवि ने महिलाओं को पैसा बचाने, वित्तीय प्रबंधन, निवेश के सही तरीकों, बैंकिंग प्रणाली, बीमा योजनाओं और सरकारी वित्तीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपने आर्थिक संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करना था। वित्तीय साक्षरता महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तो इससे न केवल उनका बल्कि पूरे समाज का विकास होगा। कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया दीदी भी मौजूद थी। जागरूकता अभियान के अंतर्गत आगामी दिनों में भी विभिन्न गांवों और समुदायों में वित्तीय साक्षरता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएगी।

प्राचीन देवी मंडप सह काली मंदिर का 13वां वार्षिकोत्सव, कलश यात्रा निकाली

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। कलश यात्रा के साथ प्राचीन देवी मंडप सह काली मंदिर का 13वां वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकाली गयी। इसके बाद कलश यात्रा शहर के मुख्य पथ होते हुए काली मंदिर मोड़ पहुंची। इसके बाद मुख्य पथ और मानस पथ होते हुए बाइपास चौक और यहां से चटनाही स्थित औरंगा नदी छठ घाट पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जल भरा गया। मौके पर अनिल मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चारण किया। इसके बाद कलश यात्रा पुनः बाइपास चौक और थाना चौक होते हुए मंदिर परिसर पहुंची। यहां कलश की स्थापना कर पूजा अर्चना प्रारंभ की गयी। कलश यात्रा में पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम, पूर्व जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष राजधनी प्रसाद यादव, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल, त्रिभुवन पांडेय, निर्मल कुमार महलका, मुरारी प्रसाद, विपिन ठाकुर, सुनील शौंडिक, राधेश्याम ठाकुर, रितेश कुमार निक्कू, उमेश पांडेय, अंकित पांडेय, रंजीत कुमार, नीतिन कुमार, जया कुमारी, संतोष पासवान समेंत काफी संख्या में लोग मौजूद थे। भंडारा शनिवार को प्राचीन देवी मंडप सह काली मंदिर के 13वां वार्षिकोत्सव पर रविवार मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे नौ कन्या का पूजन कर भंडारा का प्रसाद वितरण किया जायेगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष निर्मल कुमार महलका ने बताया कि इस आयोजन में नगरवासियों का अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है। उन्होंने भंडारा में भाग ले कर माता का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की। बताया कि संध्या छह बजे महाआरती के बाद वार्षिकोत्सव का समापन होगा।

न्यूज बॉक्स

चावल लदे ट्रक नियंत्रित होकर पलटा, कोई हताहत नहीं

बारियातू। गढ़वा से कोलकोता के लिए चावल लेकर जा रही एक ट्रक अनियंत्रित होकर चतरा रांची मुख्य मार्ग बरछिया पुल से सटे पहाड़ के पास शुक्रवार की रात पलट गई। ट्रक पलटने से चालक उप चालक को कोई हताहत नहीं हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक चावल लेकर गढ़वा से पश्चिम बंगाल जा रही थी। इस बीच अनियंत्रित होकर ट्रक पलट जाने से ट्रक पलट गई। ट्रक पलटने से सारा चावल बिखर गया। बारियातू पुलिस घटना स्थल पहुंच कर सहयोग करने मे जुट गई और अग्रेतर कार्रवाई कर रही है।

एनटीपीसी ने स्कूली बच्चों को जूता उपलब्ध कराया

बालूमाथ। प्रखंड के आरा ग्राम में एनटीपीसी कंपनी ने सामुदायिक विकास कार्य के तहत 255 बच्चों के बीच जूता व मोजा का वितरण किया गया। एनटीपीसी कंपनी के अधिकारी राहुल कुमार व उनके सहयोगी टीम और उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल उरांव, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पदुम यादव के मदद से सभी बच्चों के बीच जूता और मोजा का वितरण किया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक अनिल उरांव ने कंपनी को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों को इस तरह के सहयोग से प्रोत्साहन मिलती है। बच्चे जूता पा कर काफी खुश नजर आए। मौके पर स्कूल के शिक्षक जितेंद्र प्रसाद, रामसेवक प्रसाद, निरंजन प्रसाद, उमाशंकर प्रसाद सहित सभी शिक्षक मौजूद थे।

मुखिया ने किसानों के बीच मूंग बीज का किया वितरण

कुंदा (चतरा)। नवादा पंचायत मुखिया भरत यादव ने चिलोय के ग्रामीणों के बीच मूंग बीज का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रति किसान पांच केजी मूंग बीज का वितरण करने के साथ मूंग की खेती के महत्व और इसके उपयोग के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मुखिया भरत यादव ने कहा कि मूंग की खेती से किसानों को अच्छी आय हो सकती है। मुखिया ने किसानो से मूंग की खेती करने की अपील करने के साथ कहा कि चिलोय गांव में पानी पर्याप्त है, जिससे खेती पटवन में कोई समस्या नहीं होगी। अगर लोग खेती कर गर्मी के समय में अच्छा आय प्राप्त कर सकते हैं। बीज वितरण के दौरान कृषि विभाग के बीटीएम एटीएम, पंचायत समिति, वार्ड सदस्य समेत कई किसान उपस्थित थे।

कांग्रेस की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई

लातेहार। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर शहर के डूडंगी कांग्रेस जिला कार्यालय में शनिवार को जिला अध्यक्ष गूंजर उरांव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से मनिका विधान सभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह मौजूद थे। मौके पर विधायक ने बैठक के उद्देश्यों की जानकारी दी। कहा कि संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करने को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसको लेकर कई आवश्यक निर्देश मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दी गई। मौके पर पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद प्रसाद सिंह, विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित यादव समेत सभी मंच, मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। बैठक का संचालन युवा प्रदेश के नेता आफताब आलम ने किया।

भजन गायिका शहनाज अख्तर ने बिखेरा सुरों का जलवा

▸▸ दर्शक गायिक के दीदार को चढ़े पेड़ पर

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित जोगियादी मैदान में महाशिवरात्रि उपलक्ष्य में शुक्रवार की रात भजन गायिका शहनाज अख्तर के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत धनबाद जिला के अंचलाधिकारी सह बालूमाथ निवासी प्रवीण कुमार सिंह ने सामूहिक रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। मौके पर मंचासीन अतिथियों को आयोजन समिति द्वारा चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस दौरान सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर को शॉल ओढ़ाकर महिलाओं ने सम्मानित किया गया। मौके पर भजन गायिका शहनाज अख्तर ने अपने सुरों से लोगों का मन मोह लिया। महिला पुरुष बच्चे हजारों दर्शक गायिका का चर्चित गए हुए गीतों को पुनः सुनकर झूमने पर मजबूर हो गए। इस दौरान गायिका ने अपने आप बीती बताते हुए कहा कि बचपन से ही वह गीत संगीत के प्रति रुचि रही है। खास कर भजन में बचपन से ही हिंदू धार्मिक स्थल पर जाकर भजन कीर्तन किया करती थी। मेरा यह रूचि हमारे कॉम के लोगों को अच्छा नहीं लगता था। लोगों ने खूब डराया-धमकाया। यहां तक कि हमारा घर तोड़ दिया। मेरे परिवार को मारपीट कर हॉस्पिटल भेज दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन समाज सेवी सह भाजपा नेता प्रेम प्रसाद गुप्ता ने किया। आयोजन समिति को प्रसिद्ध गायिका शहनाज अख्तर ने चुनरी ओढ़ाकर हौसला अफजाई की। आयोजन समिति में अध्यक्ष विजय कुमार,हीरकांत गुप्ता, मोनू गुप्ता, पिंटू कुमार, गोलू कुमार,अनिल प्रजापति,विपिन बिहारी गुप्ता, गुलाब प्रसाद, राजू कुमार, अभय कुमार, सूरज शाह, उपेंद्र रंगीला, बहादुर साव, दिवाकर साव, पिंकू पासवान, दिनेश कुमार, राहुल सिंह, शिवनाथ ठाकुर सहित कई लोगों का भूमिका सराहनीय रहा। अतिथि में बालूमाथ अंचलाधिकारी विजय कुमार, बीडीओ सोमा उरांव, श्रेयांश कुमार (ओएसडी लातेहार), सरपंच पिंटू नायक, बालूमाथ थाना पुलिस पदाधिकारी को बुके देकर आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को लेकर बालूमाथ थाना पुलिस सुरक्षा की दृष्टिकोण से तैनात देखे गए।

आदिम जनजाति परिवारों को मिला होम सोलर लाइट सिस्टम

कुंदा (चतरा)। प्रखंड के सिकीदाग पंचायत के सोहरलात गांव में शनिवार को 14 आदिम जनजाति परिवारों के बीच मुखिया अनिता देवी के हाथों होम सोलर लाइट सिस्टम का वितरण किया गया। प्रधानमंत्री आदिम जनजाति योजना के तहत जरेडा कंपनी द्वारा उपलब्ध कराया गया था। मुखिया ने बताया कि होम लाइट सिस्टम में एक सोलर,तीन बल्व,एक लोहा का पाइप,इनर्वटर युक्त बैटरी समेत वायरिंग का समाग्री दिया गया है। सोलर लाइट समाग्री पाकर आदिम जनजाति परिवार के लोगों में हर्ष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि अखिलेश प्रसाद यादव समेत अन्य उपस्थित थे।

भूमि पर कब्जा करने गए वन विभाग कर्मी ने महिला से की बदसलूकी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। तीन पुश्तो से खेती बाड़ी कर परिवार का जीविकोपार्जन चला रहे किसान परिवार की भूमि पर वन विभाग ने जताया अपना अधिकार। विरोध करने पर किसान परिवार की महिला के साथ की बदसलूकी। मामला मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत नतबेलवा का है।भुक्तभोगी किसान परिवार में शामिल महिला लीलावती देवी, पूनम कुमारी, बासमती देवी ने आप बीती सुनाते हुए बताया कि हम अपने खेत में लगाये फसल को देखरेख कर रहे थे। इस दौरान वन विभाग की तरफ से पहुंचे वनपाल कुणाल हम लोग को देखते ही आग बबूला हो गये। साथ ही दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया।। किसान रामसुन्दर यादव ने बताया जिस भूमि को वन विभाग अपनी भूमि बताकर कब्जा कर रही है, पुरखो से उक्त भूमि पर हम किसानी कर परिवार का भरण पोषण करते आ रहे हैं। उक्त जमीन का उनके पास बंदोबस्ती का कागजात भी है। यह भूमि हमारे परिवार के जीविका का एक मात्र साधन है। पहले तो वन विभाग के वनपाल व वन समिति अध्यक्ष गंगेश्वर यादव ने उक्त भूमि के बदले पांच लाख रुपए की डिमांड रखी। नही देने पर हमारी जमीन को वन विभाग अपनी भूमि बताकर छिनने का प्रयास कर रही है। गांव के ही बिनेश्वर यादव, सत्येंद्र यादव व वन समिति अध्यक्ष व्यक्तिगत दुश्मनी वनपाल के साथ मिलकर निकलवा रहे हैं। इस मामले में वनपाल कुणाल ने कहा कि किसान परिवार द्वारा लगाया जा रहा आरोप सही नहीं है। वहां पर हम अकेले नहीं गये थे। उनके उपर लगाया गया आरोप निराधर है। इस संबंध में मनिका प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि सह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष दरोगी यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वर्षो से जोत कोड़ कर जीविकोपार्जन कर रहे किसानों को वन पट्टा दे रही।

उपायुक्त–सह–जिला दंडाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा।

(समाज कल्याण)
जिला बाल संरक्षण इकाई
Email:dcpslohardaga@gmail.com

नियुक्ति की सूचना

मिशन वात्सल्य, बाल संरक्षण सेवाऐं के अंतर्गत जिला स्तर पर संविदा के आधार पर चयन

मिशन वात्सल्य, बाल संरक्षण सेवाऐं (CPS) भारत सरकार के एक महत्वकांक्षी योजना है, जिसके अंतर्गत राज्य में किशोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 और झारखण्ड किशोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) नियम, 2017 के विभिन्न प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मिशन वात्सल्य, बाल संरक्षण सेवाऐं के अंतर्गत जिला स्तर पर संविदा के आधार पर कार्य करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से निम्न पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैः–

1. जिला बाल संरक्षण ईकाई (DCPU)

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	उम्र	मासिक मानदेय	शैक्षनिक योग्यता	कार्यानुभव
1.	परामर्शदाता (Counselor) Post Code DCPU- 05	01	30 से 45 वर्ष	18536 /–	Graduate in Social Work/Sociology/Psychology/Public Health/Counselling from a recognized University. OR PG Diploma in Counselling and Communication. Proficiency in Computers	At least 1 year of working experience with the Govt/NGO preferably in the field of Women & Child Development.

आवेदन की प्रक्रिया :–

1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 26.03.2025 के अपराह्न 5.00 बजे तक है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
2. जिला स्तरीय पदों के लिए विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र रजिस्टर डाक / स्पीड पोस्ट / कुरियर से निम्न पते पर भेजा जा सकता है :–
जिला बाल संरक्षण ईकाई,
द्वितीय तल, पाण्डेय गणपत राय भवन,
समाहरणालय, जिला–लोहरदगा, झारखण्ड, पिन– 835302
3. आवेदन के लिफाफे पर पद का नाम एवं पोस्ट कोड अंकित करना अनिवार्य होगा।

नोटः– आवेदन हेतु प्रपत्र, नियम शर्तो की विस्तृत जानकारी www.lohardaga.nic.in पर देखी जा सकती है।

उपायुक्त,
लोहरदगा

PR 347490 (Lohardaga) 24-25 (D)

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू।

(समाज कल्याण शाखा)
Email ID - dswopalamau@gmail.com

मिशन वात्सल्य योजना अन्तर्गत जिला स्तरीय संविदा आधारित नियुक्ति हेतु विज्ञापन सूचना

केन्द्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य योजना, भारत सरकार के एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके अन्तर्गत राज्य में किशोर न्याय (बालकों के देख–रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के विभिन्न प्रावधानों का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। नियुक्ति प्रक्रिया केन्द्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य योजना मार्गदर्शिका के आलोक में निम्न पदों पर संविदाआधारित नियुक्ति विज्ञापन प्रकाशित की जाती है :–

क्रमांक	रिक्त पद का नाम	पदो की संख्या	समेकित राशि
1.	जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी	01	44,023 /–
2.	संरक्षण पदाधिकारी (संस्थागत देख–रेख)	01	27,804 /–
3.	परामर्शदाता	01	18,536 /–
4.	सहायक–सह–डाटा इन्ट्री ऑपरेटर	01	13,240 /–

उपरोक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं अहर्ताधारी अभ्यर्थी को मिशन वात्सल्य योजना के तहत संविदा आधारित रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन प्रपत्र आमंत्रित किया जाता है।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 19.03.2025 है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन हेतु प्रपत्र एवं नियुक्ति की विस्तृत जानकारी जिला के अधिकारिक बेवसाईट www.palamu.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
पलामू।

PR 347475 (District) 24-25 (D)

कार्यालय, नगर पचांयत, छत्तरपुर

पताः–अनुमंडल कार्यालय,छतरपुर के पिछे,
जिला–पलामू, झारखण्ड–822113,
[E-Mail: np.chhattarpur2018@gmail.com]

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका अधिनियम 2011 की धारा–204 के प्रावधानों के अनुसार छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र के भीतर पड़नेवाले भूमिगत जल स्त्रोत अधिकार छतरपुर नगर पंचायत में निहित है। नगर पालिलका अधिनियम 2011 की धारा–209 पर नगर पंचायत, छतरपुर क्षेत्रान्तर्गत नलकूल, कुँआ, तालाब, डीप बोरिंग, चहबच्चा, कुण्ड या फुहारा खोदने या बनवाने की अनुमति या अनुज्ञप्ति जारी कर सकेगा। शहरी क्षेत्रों में नगर पालिका के अनुमति के बिना आर0ओ0 वाटर उपचार संयंत्र संचालित हो रहे हैं, जिससे शहरी क्षेत्रों में भूगर्भ जल स्तर का लगातार कमी हो रही है। भूमिगत जल स्त्रोतों के अत्याधिक दोहन से ग्रीष्मकालीन ऋतु में आमजनों को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड, रॉची के अधिसूचना संख्या–3370, दिनांक–06.09.2024 के आलोक में सभी जल आपूर्ति अभिकरण को नगर पंचायत, छतरपुर से अनुज्ञप्ति प्राप्त करना आवश्यक है।

छतरपुर नगर पंचायत कार्यालय द्वारा अनुज्ञप्ति जारी करने की प्रक्रिया

1. जल आपूर्ति अभिकरण से संचालक द्वारा नगर पंचायत, छतरपुर को जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन विधिवत रूप से भरकर जमा करना होगा।
2. आवेदन के साथ जल आपूर्ति अभिकरण से संचालक द्वारा निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किये जायेगें:–
(क) व्यक्तिगत मामले में आधार कार्ड ।
(ख) कम्पनी या फर्म के मामले में क्रमशः निगमन या पंजीकरण का कागजात।
(ग) अद्यतन बिजली बिल।
(घ) होल्डिंग कर रसीद।
3. केन्द्रीय भूगर्भ जल प्राधिकार के द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण–पत्र।
4. जल आपूर्ति अभिकरण द्वारा फोटो के साथ वर्षा जल संचयन संरचना का विवरण समर्पित किया जायेगा। खुली भूमि के मामले में लाईसेंस धारक द्वारा एक हलफनामा समर्पित करना होगा कि संरचना का निर्माण होने के बाद वर्षा जल संचयन संरचना की जायेगी।

जल आपूर्ति अभिकरण के संचालक द्वारा छत्तरपुर नगर पंचायत को जरूरी दस्तावेजों के साथ विधिवत रूप से भरे आवेदन सूचना प्रकाशन के तिथि से 15 दिनों अंदर जमा करना अनिवार्य होगा। जाँचोंपरान्त कार्यालय द्वारा स्वीकृत किये गये आवेदनों पर नियमानुसार एवं सशर्त अनुज्ञप्ति निर्गत किया जायेगा। किसी भी आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार कार्यालय के पास सुरिक्षत रहेगा। बिना पंजीकरण आर0ओ0 वाटर उपचार संयंत्र संचालित किये जाने पर राशि रू0 50,000 /– (पच्चास हजार) दण्ड शूल्क छतरपुर नगर पंचायत द्वारा जल आपूर्ति अभिकरण से लिया जायेगा। दण्ड शुल्क जमा नहीं किये जाने की स्थिति में कार्यालय द्वारा आर0ओ0 वाटर संयंत्र को सील कर दिया जायेगा।

अधिक जानकारी के लिए नगर पंचायत कार्यालय, छतरपुर से सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यापालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, छतरपुर

PR 347466 District(24-25).D

विकास योजनाओं को लेकर हुई समीक्षा बैठक

कैरो / लोहरदगा। प्रखण्ड सभागार में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी छंदा भट्टाचार्य ने विकास योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक किया।बैठक में प्रखंड क्षेत्र में संचालित प्रधानमंत्री आवास एवं अबुवा आवस योजना द्वारा संचालित कार्यो का बिंदुवार समीक्षा की गई। वर्ष 2016 से 2022 तक के लंबित प्रधानमंत्री आवास को मार्च माह तक हर हाल में पूर्ण कराने का निर्देश दिया। आवास प्लस में गरीब जरूरत मंद व्यक्तियों का जिएओ टैग करने का शख्त निर्देश दिया। साथ ही साथ सभी निर्गत अबुवा आवास को गुणवत्ता पूर्ण ससमय पूर्ण करवाने व लंबित कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करवाने को कहा।साथ ही योजनाओं में राशि भुगतान के वावजूद कार्य नही कर रहे लाभुकों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सबंधित पदाधिकारी को कार्य पूर्ण कराने अन्यथा कानूनी प्रवधान के अनुसार लाभुकों से राशि की वापसी कराने को कहा।

लोहरदगा बीईईओ रामजीवन नायक को सेवानिवृत पर दी गयी विदाई

लोहरदगा। लोहरदगा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रामजीवन नायक का सेवानिवृत विदाई समारोह राजकीय कृत प्राथमिक विद्धयालय कुटमू में किया गया। मौके पर रामजीवन नायक ने कहा की मेरी पहली पदस्थापना की शुरूवात अभिनन्दन कुटमू स्कूल से हुआ और विदाई कार्यक्रम भी इसी स्कूल से हुआ। यही प्रकृति का नियम है की दुनिया गोल होती है जो दीजियेगा वापस अपने पास जरूर आता ही है। मेरे कर्म विचार और कड़ाई करने से किन्ही को तकलीफ हुआ है तो मै अपने अंतिम कार्यकाल में माफी चाहता हु मै सेवानिवृत के उपरांत कृषक के रूप में घर परिवार को समय जीवन व्यतीत करूंगा। इस अवसर पर कुटमू स्कूल की छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम और विदाई गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कुटमू स्कूल की ओर से सेवानिवृत शिक्षा पदाधिकारी को शॉल ओढ़ा कर एवं उपहार देकर विदाई किया गया। मौके पर प्रधानाध्यापिका रश्मि खेस ने कहा की आज तक इतना वर्षों में ऐसा व्यवहार कुशल और सामान्य व्यावहारिक शिक्षा पदाधिकारी नहीं देखी हुँ, ये सरल स्वाभाव के सीधे और शिक्षक शिक्षा हितैषी शिक्षा पदाधिकारी है मै और पूरा शिक्षा समाज इनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना करते है। मौके पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक किशोर कुमार वर्मा, प्रखंड सह जिला लेखा पदाधिकारी अनिल सिंह, सी आर पी जीतेन्द्र मित्तल, निशा गुप्ता, निधि कुमारी सिन्हा, अविराम प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षु शिक्षिकायें आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में गर्भवती महिला सहित पांच लोग घायल

सेन्हा-लोहरदगा। सड़क दुर्घटना में गर्भवती महिला सहित ट्रिपल मोटरसाइकिल सवार सहित पांच लोग घायल हो गये.वही गर्भवती महिला को गम्भीर चोटें लगी है। जिसे प्राथमिक उपचार के पश्चात सदर अस्पताल लोहरदगा रेफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के रामनगर सेन्हा के समीप एन एच 143 ए पथ पर देर शाम में कोचिंग से घर जा रही 11 वर्षीय छात्रा को धक्का मरते हुए मोटरसाइकिल सवार दम्पति को पीछे से टक्कर मार दिया जिससे अनियंत्रित हो गर्भवती महिला गिर कर जख्मी हो गई.दम्पति का पहचान जोगना निवासी रंजीत उराँव की पत्नी सुषमा उराँव के रूप में किया गया.और कोचिंग से घर लौट रही बच्ची का पहचान सेन्हा निवासी संजीत महतो की 11 वर्षीय पुत्री सृष्टि मेहता के रूप में किया गया। तथा दुर्घटना को अंजाम देने वाले मोटरसाइकिल जे एच 01 एफ डब्लू 8744 के चालक एवं सवार लोगो की पहचान घाघरा थाना क्षेत्र के इचा निवासी बृजमोहन उराँव का 22 वर्षीय पुत्र अजित उराँव,बिगन उराँव का 23 वर्षीय पुत्र महेंद्र उराँव तथा हरि उराँव का 17 वर्षीय पुत्र शाहीराम उराँव के रूप में किया गया। सभी घायलों को स्थानीय ग्रामीणों एवं पुलिस की मदद से इलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा भेजा गया.जानकारी के अनुसार बताया जाता है.कि मोटरसाइकिल सवार दम्पति साप्ताहिक कृषि बाजार लोहरदगा से जोगना घर लौट रहे थे.तभी मोटरसाइकिल सवार जे एच 01 एफ डब्लू 8744 के चालक ने शराब के नशे में लापरवाही एवं तेज रफ्तार में धक्का मार दिया जिससे गर्भवती महिला को गम्भीर चोटें आई है. तथा अन्य सभी को हल्की चोट आई है.घटना की सूचना पर सेन्हा पुलिस पहुंच घटना का जायजा लेते हुए अग्रतर कारवाई में जुट गई है।

लोहरदगा वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

छापेमारी में 50 हजार की अवैध इमारती लकड़ी जब्त

लोहरदगा। लोहरदगा वन क्षेत्र में अवैध कटाई और तस्करी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए विभाग सतर्क है। वन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को जंगलों में अवैध कटाई या लकड़ी तस्करी की जानकारी मिले तो तुरंत विभाग को सूचित करें। इससे न केवल प्राकृतिक संपदा की सुरक्षा होगी, बल्कि पर्यावरण संतुलन भी बना रहेगा। इस क्रम में वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी तस्करों के खिलाफ शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आरा गांव में छापेमारी कर करीब 50 हजार रुपये मूल्य की इमारती लकड़ी जब्त की। इस अभियान के तहत वन विभाग ने दस पीस सखुआ चौपहल सहित अन्य बहुमूल्य लकड़ियां बरामद की हैं।वन विभाग अवैध कटाई और लकड़ी तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। रेंजर अरुण कुमार ने बताया कि वन अपराधियों पर नकेल कसने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं, जो दिन-रात छापेमारी कर रही हैं। विभाग की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि जंगलों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की। इसका उद्देश्य तस्करों की गतिविधियों पर लगाम लगाना था। इस ऑपरेशन में रेंजर अरुण कुमार के नेतृत्व में प्रदीप साहू, अनूप शाहदेव, विक्की मेहता, नवीन चौहान, रमेश भगत, कमला लकड़ा, पंकज सिंह व होमगार्ड के जवान शामिल थे। वन विभाग की इस कार्रवाई से लकड़ी माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है और आने वाले दिनों में इस तरह के और भी अभियान तेज किए जा सकते हैं।

उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक हुई

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कौशल विकास विभाग द्वारा जिला में संचालित कौशल प्रशिक्षण केंद्रों के प्रगति की स्थिति की समीक्षा की गई जिसमें जिला में कुल युवक-युवतियों का प्रशिक्षण, उनका सर्टिफिकेशन, असेसमेंट, प्लेसमेंट पर चर्चा की गई। इस पर उपायुक्त द्वारा जिला के युवक-युवतियों का अधिक से अधिक इनरॉल्मेंट व प्लेसमेंट किये जाने का निर्देश जिला कौशल पदाधिकारी को दिया गया। उपायुक्त द्वारा जिला में आवासीय और गैर-आवासीय प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करनेवालों की संख्या व उनके प्लेसमेंट की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, सिविल सर्जन डॉ शंभूनाथ चौधरी, जिला उद्योग महाप्रबंधक रघुबर सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला कौशल पदाधिकारी ज्योत्सना दास, पीपीआइए फेले हेमलता बजाज समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

भविष्य के चमकते सितारे हैं, लोहरदगा के कृष्ण चंद्र देव : सुदेश महतो

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

जिले से निकले अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज कृष्ण चंद्र देव अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। शनिवार को उन्होंने अपने पिता दिलीप साहू एवं माता अनीता साहू के साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री सह बिरसा आर्चरी सेंटर के संरक्षक सुदेश कुमार महतो से रांची स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस खास मुलाकात में बिरसा आर्चरी सेंटर की प्रेसिडेंट नेहा महतो, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के कोच चंचल भट्टाचार्य, और उसु बैडमिंटन के कोच भी मौजूद रहे। कृष्ण चंद्र देव न सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय बन चुके हैं। अपनी अद्वितीय प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम के बल पर उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में झारखंड का झंडा बुलंद किया है। उनकी तीरंदाजी में शानदार पकड़ और अचूक निशानेबाजी उन्हें देश के बेहतरीन तीरंदाजों में शुमार करती है।उनकी प्रतिभा को देखकर खेल जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में कृष्ण चंद्र देव ओलंपिक और अन्य वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से यह साबित कर दिया है कि झारखंड की मिट्टी में छिपी खेल प्रतिभाएं पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना सकती हैं।

इस विशेष मुलाकात के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कृष्ण चंद्र देव की उपलब्धियों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उन्हें झारखंड का गौरवशाली तीरंदाज बताया। उन्होंने कहा, झारखंड के युवा खिलाड़ियों में अपार संभावनाएं हैं, और कृष्ण चंद्र देव इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण हैं। उनका समर्पण और प्रदर्शन निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करेगा। मौके पर मौजूद महेंद्र सिंह धोनी के कोच चंचल भट्टाचार्य और उसु बैडमिंटन के कोच ने भी कृष्ण चंद्र देव के खेल की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृष्ण की लगन, आत्मविश्वास और खेल के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें एक महान खिलाड़ी बनने की ओर ले जा रही है। कृष्ण चंद्र देव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की सफलता झारखंड को खेल मानचित्र पर एक नई ऊंचाई तक ले जाने का संकेत देती है। यह मुलाकात न केवल कृष्ण के लिए प्रेरणादायक रही, बल्कि राज्य के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश दे गई कि अगर जुनून और मेहनत हो, तो सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है।झारखंड और लोहरदगा के इस प्रतिभाशाली तीरंदाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी ने शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में वे देश और राज्य के लिए और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे। कृष्ण चंद्र देव की इस मुलाकात ने झारखंड के खेल प्रेमियों को एक नया उत्साह दिया है और यह साबित कर दिया है कि राज्य के युवा खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ सकते हैं।

लोहरदगा जिला प्रशासन और द हंस फाउंडेशन के बीच समझौते पर हस्ताक्षर

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा जिला में पहले से संचालित छह मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए लोहरदगा जिला प्रशासन और द हंस फाउंडेशन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता पर शनिवार को हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण, सिविल सर्जन डॉ शम्भूनाथ चौधरी, हंस फाउंडेशन के क्षेत्रीय सीनियर मैनेजर शिशुपाल मेहता, प्रोग्राम मैनेजर सैमुअल सिंह और प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अमित कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। लोहरदगा जिले में संचालित ये मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस समझौते के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं निरंतर मिलती रहें।

इस अवसर पर प्रोग्राम मैनेजर सैमुअल सिंह ने कहा, ह्लमोबाइल मेडिकल यूनिट्स ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह साझेदारी स्वास्थ्य सुविधाओं को और सशक्त बनाएगी तथा जिले के प्रत्येक व्यक्ति तक जरूरी चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने में सहायक होगी। द हंस फाउंडेशन के रीजनल सीनियर मैनेजर (ईस्ट) शिशुपाल मेहता ने कहा, द हंस फाउंडेशन का उद्देश्य देश के ग्रामीण और वंचित समुदायों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। यह समझौता इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिससे लोगों को घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस समझौते के तहत छह मोबाइल मेडिकल यूनिट्स जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, जांच, दवा वितरण और रेफरल सेवाएं प्रदान करना जारी रखेंगी। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुंच को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी।

गुमला डीएमओ एवं वन विभाग की मनमानी के खिलाफ ट्रक एसोसिएशन गोलबंद

लगभग दो हजार ट्रकों का परिचालन ठप्प होगा : कंवलजीत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा गुमला ट्रक आंनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा है कि बॉक्साइट ट्रकों का परिचालन जो ऊपर पाट(नेतरहाट प्लोटो) एवं सेरेगदाग, विमरला से होता है उसमें गुमला जिला खनन पदाधिकारी के द्वारा ट्रक मालिकों का शोषण किया जा रहा है एवं मनमानी तरीके से ट्रक मालिकों को परेशान किया जा रहा है। जिला खनन पदाधिकारी गुमला का कहना है कि पहाड़ से लेकर लोहरदगा हेसल एवं टोरी, रिचूघूटा अनलोडिंग साइडिंग स्टेशनों तक तक लगभग 100 किलोमीटर की दूरी 4 घंटा में तय किया जाए एवं 150 से 200 किलोमीटर की दूरी 5 से 6 घंटे में तय नहीं करने पर केस किया जा रहा है। ड्राइवर और ट्रक मालिकों को जेल भेजा जा रहा है और जरा सी देरी होने पर 50 से 60 हजार रुपए या फाइन काटा जा रहा है। जबकि पहाड़ से लेकर अनलोडिंग स्टेशनों तक में दर्जनों जगह हाट बाजार, स्कूल, नो एंट्री, वीआईपी का आगमन आए दिन जुलूस धरना, प्रदर्शन, धार्मिक आयोजन, सड़क जाम सहित अनेक परेशानियां हैं। अगर इन अफसरों को लगता है कि 4 घंटे में गाड़ी पंचर होने पर या खराब होने पर भी पहुंच जाएगी तो साथ में चले और हम लोग को गाड़ी चलवा कर दिखाएं। उनके इस कर्म के चलते एक्सीडेंट की भी संभावना बढ़ रही है। एक ओर प्रशासन कहता है कि सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाए, दूसरी ओर स्वयं उन्ही के ऑफिसर कह रहे हैं की गाड़ी को हवाई जहाज की तरह चला कर माल को पहुंचाइये। वहीं गुमला वन विभाग के द्वारा नाका में पेपर वन विभाग का चेक नहीं करके जिला खनन पदाधिकारी को जो पेपर जांच करनी चाहिए वह नाका में एक सेटिंग के तहत वन विभाग पेपर में टाइमिंग देर है कि नहीं है वह जांच करके खबर कर रहे है और गाड़ी पकड़ कर डीएमओ को दे रहे है। क्या वन विभाग अब डीएमओ ऑफिस का भी काम करने लगा है तो डीएमओ ऑफिस को बंद करके वन विभाग को ही जिम्मा दे देना चाहिए। संगठन दोनों विभागों को चेतावनी देती है कि अगर दोनों विभाग गुमला जिला के अपनी कार्यशाली को नही सुधारते हैं और ट्रक मालिकों को तंग करना बंद नहीं करते हैं, तो एसोसिएशन दोनों कार्यालय का घेराव करेगी और जरूरत पड़ने पर लगभग 2000 ट्रकों का परिचालन अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा।

कार्यालय नगर पंचायत मझिआँव
Email : nagarpanchayatmanzhiaon@gmail.com

पत्रांक– 187 / दिनांक– 28.02.2025

आम सूचना

नगर पंचायत मझिआँव क्षेत्रांतर्गत आमजनों को सूचित किया जाता है कि पानी टंकी के पास Vending Zone के तहत निर्मित पूर्वी भाग में खाली 02 दुकान आवंटन करने का निर्णय लिया गया है। जिसके लिए दिनांक 05.03.2025 से दिनांक 10.03.2025 तक 1000/–(एक हजार रूपये) का बैंक ड्राफ्ट (कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मझिआँव के पदनाम से) या नगद कार्यालय में जमा कर आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते है। आवेदन पत्र में अपना विवरण भर कर एवं निम्नवत् दस्तावेज स्वःअभिप्रमाणित संलग्न करते हुए दिनांक 10.03.2025 तक कार्यालय अवधि में जमा करना अनिवार्य है। सभी प्राप्त आवेदन के जाँचोपरांत सही पाये गये आवेदनों में से दिनांक 11.03.2025 को लौटरी के माध्यम से दुकान आवंटन की प्रक्रिया की जायेगी।

पानी टंकी के पास Vending Zone के तहत निर्मित 02 दुकान (पूर्वी भाग)	दुकान संख्या 02 एवं दुकान संख्या 03

आवश्यक दस्तावेज।

1. आवेदक का आधार कार्ड एवं पहचान पत्र की प्रति।
2. आवेदक का पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ 2 अदद्।

दुकान आवंटन हेतु नियम एवं शर्तः–

1. सर्वप्रथम Vender License वाले दुकानदारो को प्राथमिकता दी जायेगी।
2. एक आवेदक एक से अधिक दुकानों के लिए आवेदन कर सकते है, परन्तु एक आवेदनकर्त्ता को एक ही दुकान आवंटन की जायेगी।
3. दुकान की संख्या से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने पर लौटरी के माध्यम से दुकान का आवंटन किया जायेगा।
4. दुकान आवंटन के पश्चात् निर्धारित समय के अन्दर एकरारनामा करना अनिवार्य होगा।
5. आवंटित दुकानदारों को प्रतिमाह 1000/–(एक हजार) रूपयें किराया शुल्क देना होगा जो माह के 01 से 05 तारिख के बीच जमा करना अनिवार्य होगा। लगातार तीन माह का किराया जमा नही करने पर आवंटन रद्द कर दिया जायेगा।
6. दुकान का विस्तार या किसी भी प्रकार का निर्माण नगर पंचायत मझिआँव के अनुमति के बिना प्रतिबंधित रहेगा।
7. दुकानदार को अपने दुकान के आस–पास साफ–सफाई रखना अनिवार्य होगा। गंदगी पाए जाने पर नियमानुसार जुर्माना वसुल किया जाएगा।
8. दुकानदार विद्युत का कनेक्शन स्वंय से आवश्यकतानुसार ले सकते है जिसका व्यय भार स्वंय से वहन करना होगा।
9. सभी दुकानदार को ट्रेड लाईसेंस लेना अनिवार्य होगा।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत मझिऑव।

PR 347516 (Urban Development) 24-25 (D)

समाहरणालय, गढ़वा।
(जिला नजारत शाखा)

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

गढ़वा जिला अन्तर्गत श्री बंशीधर महोत्सव (राजकिय)–2025 के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए Bollywood/Indian Idol/Sa-re-ga-ma-pa/Rising star/Bhojpuri/ स्थानीय Jharkhand (राज्य स्तरीय सुगम संगीत गजल/लोक गीत/लोक गायन/शास्त्रीय संगीत व ग्रुपडांस) के कलाकारों का चयन किया जाना हैं। उक्त कलाकारों के चयन एवं प्रस्तुति शुल्क निर्धारण के लिए प्रतिष्ठित फर्म/संस्थान/संवेदक इत्यादि से दर निर्धारण हेतु शर्तो के अनुरूप SEAL बन्द अति अल्पकालीन निविदा आंमत्रित की जाती है।

(I) निविदा शुल्क की राशि — 5000.00 (पाँच हजार) रूपये मात्र अप्रत्यपर्णणीय।
(ii) जमानत की राशि — 100000.00 (एक लाख) रूपये मात्र प्रत्यपर्णणीय।
(iii) निविदा जमा करने का स्थान — जिला नजारत शाखा, गढ़वा।
(iv) निविदा जमा करने की अंतिम तिथि — 10/03/2025 को अपराह्न 03:00 बजे।
(v) निविदा खोलने की तिथि — 10/03/2025 को अपराह्न 03:10 बजे।

इच्छुक निविदादाता संबंधित निविदा के नियम, शर्ते एवं प्रारूप www.garhwa.nic.in से डाउनलोड कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त निविदाये स्वीकार्य नहीं की जायेगी।

उपायुक्त,
गढ़वा।

PR 347538 (District) 24-25 (D)

कार्यालय नगर परिषद् बिश्रामपुर (पलामू)
Email ID :- nagarpanchayatbishrampur2010@gmail.com

घोषणा पत्र

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् बिश्रामपुर क्षेत्रान्तर्गत सभी 20 वार्ड को ODF + नगर परिशद् बिश्रामपुर को घोषित किया जाता है।

उक्त के आलोक में यदि किन्ही को किसी प्रकार की आपत्ति/प्रतिक्रिया कार्यालय नगर परिशद् बिश्रामपुर में जमा कर सकते है। उक्त अवधि के उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति/प्रतिक्रिया कार्यालय द्वारा स्वीकार किया जाना संभव नही हो सकेगा।

प्रशासक,
नगर परिषद् बिश्रामपुर।

PR 347464 District(24-25)D

कार्यालय नगर परिषद्, बिश्रामपुर (पलामू)
Email:- nagarpanchayatbisrhampur2010@gmail.com

पत्रांकः– 254 / दिनांक–25/02/2025

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुको के लिए आवश्यक सूचना :–

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के ऐसे लाभुक जिन्होने अब तक अपना आवास का निर्माण कार्य पूर्ण नही किया है वे जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कर लें। विभाग द्वारा निर्धारित समय तक यदि पूर्ण नही किया जाता है तो आगे उस लाभुक को राशि भुगतान नही किया जायगा उन्हे स्वयं के संसाधनो से आवास निर्माण कार्य पूरा करना होगा, एवं सरकारी राशि की प्रतिपूर्ति के लिए आपके विरूद्ध सर्टिफिकेट केस किया जाएगा, जिसके लिए लाभुक स्वयं जिम्मेदार होंगे एवं बाद में इस संबंध में आपका कोई भी दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जाएगा।

प्रशासक,
नगर परिषद् बिश्रामपुर

PR 347527 (District)24-25*D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा
पाण्डेय गणपतराय भवन प्रथमतल्ला,
समाहरणालय,लोहरदगा पिन–835302
E-mail :- ssaloh@rediffmail.com / lohardagassa@gmail.com

ईच्छा की अभिव्यक्ति

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के पत्रांक 117 दिनांक 09.01.2025 के आलोक में लोहरदगा जिला में जिला स्तरीय पुस्तक मेला 2024–25 का आयोजन दिनांक 08.03.2025 को किया जाना है।

जिला स्तरीय पुस्तक मेला 2024–25 में भाग लेने हेतु इच्छुक प्रकाशक/ फर्म अपनी सहमति पत्र झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा कार्यालय में अथवा कार्यालय के ई–मेलआई.डी. lohardagassa@gmail.com में भी दिनांक 05.03.2025 के अपराह्न 02:00 बजे तक समर्पित कर सकते है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
जिला शिक्षा परियोजना, लोहरदगा

PR 347503 Lohardaga(24-25).D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम

ज्ञापांक.................. दिनांक ....

आम सूचना

सभी आम नागरिकों/व्यवसायों बन्धओं को सूचित किया जाता है कि इस वर्ष रंगो के त्योहार "होली" में निगम की ओर से "होली मेला" का आयोजन दिनांक 10.03.2025 से 15.03.2025 स्थल– शिवाजी मैदान में आयोजन किया जा रहा है। जिसमें होली से सम्बंधित सामग्री जैसे– रंग, पिचकारी, मिठाई, पटाखा इत्यादि की बिक्री व्यवसायियों को स्टॉल लगाकर नियुन्तम शुल्क के साथ व्यवसाय किया जाना है। नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत सभी छोटे–बड़े दुकानदारों को इस वर्ष अपने दुकान के बाहर या रोड़ के किनारे टेन्ट लगाकर होली से सम्बंधित सामग्री बिक्री को वर्जित किया गया है। इस वर्ष यह व्यवस्था नगर निगम होली त्यौहार के समय बाजार एवं अन्य स्थलों पर यातायात एवं अतिक्रमण की समस्या के कारण की जा रही है। इस मेले में व्यवसायीयों को एक स्थल निर्धारित की जायेगी। जिसमें वे अपने सभी सामानों की बिक्री सुव्यवस्थित तरीके से कर सकते है एवं आम लोगो को भी सामग्री खरीदारी करने में सुविधा होगी।

ह0/–
नगर आयुक्त –सह– प्रशासक
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 347505 District(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल, लातेहार
Email id- eercdlatehar-jhr@nic.in

प्रेस विज्ञप्ति

आवश्यक सूचना

पथ प्रमण्डल, लातेहार अन्तर्गत पदस्थापित रहे निम्नांकित तत्कालीन सहायक अभियंताओं के विरूद्ध उनके नाम के सामने अंकित अस्थाई अग्रिम की राशि लम्बे समय से लंबित हैः–

क्र0	नाम/पदनाम	लंबित अस्थाई अग्रिम की राषि (षीर्ष सहित)			कब से लंबित है
		गैर योजना मद	जमा शीर्ष मद	कुल	
1	श्री कृष्णा प्रसाद तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमण्डल, महुआडॉड़	रू0 10530.30 पथ संधारण कार्य	रू0 120452.26 सघन जवाहर रोजगार योजना कार्य	रू0 130962.56 (एक लाख तीस हजार नौ सौ बासठ रूपये छप्पन पैसे)	अक्टूबर 1997
2	श्री देवेन्द्र प्रसाद सिन्हा तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमण्डल, चन्दवा	रू0 133166.22 पथ मरम्मति कार्य	–	रू0 133166.22 (एक लाख तैतीस हजार एक सौ छियासठ रूपये बाईस पैसे)	दिसम्बर 1999

उपर्युक्त तत्कालीन सहायक अभियंताओं के उपलब्ध पत्ते पर इस कार्यालय द्वारा अनेकों स्मार पत्र निर्गत कर लंबित राशि कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया, किन्तु उनके द्वारा अपेक्षित कार्यवाई नहीं किया गया जिसके कारण उक्त राशि अभी भी लंबित है। इनके वर्तमान स्थिति के संबंध में इस कार्यालय को कोई सूचना नहीं है।

एतद् द्वारा संबद्ध तत्कालीन सहायक अभियंताओं को स्मारित किया जाता है कि वे अस्थाई अग्रिम की लंबित राशि अद्योहस्ताक्षरी के पदनाम से लातेहार मे भुगतेय बैंक ड्रफ्ट के माध्यम से दिनांक 31.03.2025 तक कार्यालय में समर्पित करें ताकि उसे सरकारी कोष में जमा कर लंबित राशि का समायोजन किया जा सके। निर्धारित तिथि तक लंबित राशि जमा नहीं करने पर नियमानुसार कार्यवाई की जायेगी।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0 पथ प्रमण्डल,लातेहार

PR 347495 Road(24-25).D

पत्नी की पिटाई से शराबी पति की मौत, आरोपी पत्नी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के बसाईर टोली गांव में एक शराबी पति की मौत उसकी पत्नी द्वारा पिटाई के कारण हो गई। यह घटना शुक्रवार को दिन के लगभग 12:00 बजे की है। मृतक पति, अजीत रौतिया उम्र 35 वर्ष, अक्सर शराब के नशे में रहता था और उसकी पत्नी सविता देवी ने बताया कि वह अक्सर घर में झगड़े करता था।शुक्रवार को अजीत गांव के एक घर में शराब पी रहा था, जिसे लाने के लिए सविता वहां गई थी। वहां उनकी कहासुनी हो गई और गुस्से में आकर सविता ने अजीत की लाठी से पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। उनका बड़ा बेटा राहुल ट्रैक्टर में काम करने गया था, जबकि उनकी दो बेटियां स्कूल में पढ़ाई कर रही थीं।शाम होते-होते अजीत की मौत हो गई। घटना की सूचना ग्रामीणों ने शनिवार की सुबह चैनपुर पुलिस को दी। थाना प्रभारी कुंदन चौधरी और एसआई दिनेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेजा। आरोपी पत्नी सविता देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाठी को भी जब्त कर लिया है।गांव की कुछ महिलाओं ने बताया कि अजीत का परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर है और उनके तीन छोटे बच्चे हैं। सविता देवी मजदूरी करके परिवार का पेट पालती थी, जबकि अजीत अपनी कमाई का अधिकांश हिस्सा शराब पर खर्च कर देता था। इससे परिवार में अक्सर झगड़े होते थे।

समूह से जुड़कर महिला बने आत्मनिर्भर : सांसद सुखदेव

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा। घाघरा के जलका रोड में महिला विकास मंडल घाघरा का 17 वाँ वार्षिक महाधिवेशन का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित स्थानीय सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि उन्होंने सत्र में सरना धर्म कोड एवं गुमला को रेल लाइन से जोड़े जाने की बात रखी। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं जीविका से जोड़ने के बावत नए महिला मंडल का गठन करने एवं उन्हें क्रेडिट लिंकेज करा प्रत्येक महिला मंडल को एक लाख रुपये दिलाने का भरोशा दिलाया। उन्होंने बर्तमान समय मे मडुआ की खेती करने की नसीहत दी, इस बावत उन्होंने कहा कि मडुवा से बने विभिन्न सामग्री की मांग देश विदेशों में होने एवं मडुवा की मांग ब्यापक पैमाने पर होने की बात कही। पुस्तैनी चीजों की उपयोग फिर से हो रहा है। पहले हमलोग नागड़ा माटी का उपयोग करते थे उसी को ऊंची कीमत पर कई कंपनियां मुल्तानी मिट्टी के नाम से बेच रही है। उन्होंने अंधविश्वास जैसे डाइन बिसाही पर कहा कि विधवा एवं कमजोर लोगों को इससे जोड़ा जाता है, खासकर अपने संबंधी ही उनकी संपत्ति एवं जमीन हड़पने को लेकर ऐसा नाम दिया जाता है। उन्होंने शराब से दूरी बनाने की बात भी कही।

इससे पूर्व महिला विकास मंडल की अध्यक्ष संतोषी देवी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि बर्तमान में प्रखंड के 120 गांव में 1179 महिला मंडल संचालित है। जो गॉव के विकास के लिए सरकारी विभागों, बैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों, बैंक सहित विभिन्न संस्थानों से जुड़कर विकास की ओर अग्रसर है। संतोषी ने महिला विकास मंडल द्वारा विकास के लिए बनाए गए कार्ययोजना को पढ़कर सुनाया। मौके पर महिला मंडल द्वारा लगाए गये विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण सांसद सुखदेव भगत ने किया। इस अवसर पर जिप सदस्य सतवंती देवी, प्रखंड प्रमुख सविता देवी, बीडीओ दिनेश कुमार, अरुण पांडेय, अगस्तीन महेश कुजूर, अनिरुद्ध चौबे, अलका कुमारी, अभिनंदन, जितेंद्र, रोशन, चंचल सहित विभिन्न गांव से हजारों की संख्या में महिलाएं उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में 32वीं वाहिनी द्वारा किया गया ब्यूटीशियन कोर्स का हुआ शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के कुरुमगढ़ में श्री राजेश सिंह कमांडेंट 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के मार्गदर्शन में को डी-समवाय, कुरुमगढ़, 32वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत 25 दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बामदा पंचायत सचिवालय में किया गया। यह प्रशिक्षण 28 फरवरी से 25 मार्च 2025 तक संचालित किया जाएगा, जिसमें बामदा ग्राम पंचायत के विभिन्न गाँवों की 25 महिलाएँ भाग ले रही हैं।कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में श्री दीपक कुमार मीणा, उप कमांडेंट, 32वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल का स्वागत श्री सीताराम मुंडा, मुखिया, ग्राम पंचायत बामदा द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री संदीप कुमार यादव, थानाध्यक्ष, कुरुमगढ़ थाना, श्री कृष्णा उराँव, पंचायत समिति सदस्य, श्री तारकेश्वर, सामाजिक कार्यकर्ता, श्री ईश्वर मुंडा, वार्ड सदस्य (कुटबा), श्री अमीन उराँव, वार्ड सदस्य (बामदा) तथा श्री सतीश कुमार, निदेशक, सात्विक एजुकेशन संस्थान उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्र की महिलाओं को व्यावसायिक दक्षता प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें एवं अपने समुदाय के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दे सकें। इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु ग्राम पंचायत बामदा के मुखिया श्री सीताराम मुंडा एवं स्थानीय महिलाओं ने 32वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल की सराहना की एवं इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने का अनुरोध किया, ताकि महिलाएँ व्यावसायिक ज्ञान अर्जित कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकें।

सरकार ने केसीसी ऋण सीमा बढ़ाकर 5 लाख की

गुमला। किसानों को किफायती और सरल ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने संशोधित ब्याज सहायता योजना के तहत केसीसी ऋण सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया है। यह कदम छोटे और सीमांत किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने और कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में कृषि को प्राथमिकता देते हुए इसे भारत की आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन माना गया है। इसी क्रम में 1 मार्च 2025 को कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर बजट के बाद वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री के उद्घाटन भाषण के साथ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, आरबीआई, नाबार्ड, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, कृषि विकास केंद्र और देशभर के किसान शामिल हुए।

स्कूटी सवार तीन लड़कों ने पेड़ को मारा टक्कर, एक की मौत

गुमला। गुमला पालकोट रोड स्थित पिंजरा डीपा के समीप स्कूटी सवार ने पेड़ को जोरदार तक मार दिया। घटना में कुटमा निवासी 17 वर्षीय शंकर साहू सुरेश उरांव और जीतू महली गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद तीनों घायलों को स्थानीय लोगों के सहयोग से सदर अस्पताल लाया गया। जहां जांच के डॉक्टर ने शंकर साहू को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक तीनों लड़के एक स्कूटी में सवार होकर गोबर सिल्ली की ओर घूमने गए थे। तभी अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पेड़ को जोरदार टक्कर मार दिया स्कूटी शंकर साहू चला रहा था। घटना के बाद तीनों के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे।

कार्यालय नगर परिषद,बिश्रामपुर (पलामू)

Email Id – nagarpanchayatbishrampur2010@gmail.com

Corrigendum-I

कार्यालय नगर परिषद, बिश्रामपुर अंतर्गत प्रकाशित PR.346736 District (24-25)_D में निविदा सं० UDD/NPB/23/2024-25 (2nd Call) में दिनांक से संबंधित निम्न रूप से आंशिक संशोधन किया जाता है–

5	Last Date/Time Of Online Submission Of Bids	08.03.2025 at 02:00 PM
6	Date Of Bid Opening	10.03.2025 at 12:00 AM

शेष कंडिकाएँ यथावत रहेंगी।

प्रशासक,
नगर परिषद् बिश्रामपुर

PR 347526 District(24-25).D

भरनो में सड़क हादसा : तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, दो युवक गंभीर रूप से घायल

भरनो (गुमला)। भरनो-बूढ़ीपाठ मुख्य सड़क पर गढ़ाटोली पुल के पास शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इस दुर्घटना में तुरिअंबा बांसटोली निवासी राजेश उरांव और दीपक उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए।

कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के अनुसार, राजेश और दीपक एक ही बाइक पर सवार होकर बूढ़ीपाठ से अपने गांव लौट रहे थे। पुल के पास स्थित टर्निंग पर बाइक की गति तेज होने के कारण वाहन संतुलन बिगड़ गया और दोनों युवक सड़क पर दूर तक घिसटते हुए गिर पड़े। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बेहोश हो गए और सड़क किनारे बेसुध पड़े रहे।

पुलिस की तत्परता से बची जान

रात का समय होने के कारण लंबे समय तक किसी की नजर उन पर नहीं पड़ी। इसी बीच गश्ती पर निकले भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति की नजर घायलों पर पड़ी। उन्होंने तुरंत पुलिस वाहन में दोनों को उठाकर भरनो के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया।

थाना प्रभारी कंचन प्रजापति ने बताया कि अगर गश्ती के दौरान समय रहते हम नहीं पहुंचते, तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। दोनों युवक गंभीर रूप से घायल थे और किसी की मदद के बिना ज्यादा देर तक वहां पड़े रहना उनके लिए घातक हो सकता था।

सड़क सुरक्षा को लेकर फिर उठा सवाल

इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और हेलमेट न पहनने की लापरवाही को उजागर किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गढ़ाटोली पुल के पास टर्निंग काफी खतरनाक है, जहां पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। प्रशासन से मांग की जा रही है कि यहां चेतावनी बोर्ड और सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

ई-जनशिकायत में रायडीह और सिसई के नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं

उपायुक्त ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

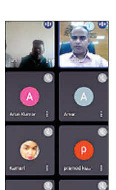

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक ई-जनशिकायत कार्यक्रम में रायडीह और सिसई प्रखंड के नागरिकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी समस्याएं साझा कीं। कार्यक्रम में 30 से अधिक आवेदकों ने पेंशन, राशन, पीएम किसान योजना, आवास, सड़क, नाली, केसीसी, आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत और जलमीनार निर्माण जैसी विभिन्न समस्याओं को रखा। उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को ऑन द स्पॉट समाधान के निर्देश दिए।

तत्काल हल हुई कई समस्याएं

कार्यक्रम के दौरान कई मामलों का स्थानीय स्तर पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि अन्य मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ऐसी शिकायतों का प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। इस पहल से ग्रामीणों को बिना कार्यालय आए अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का प्रभावी मंच मिल रहा है, जिससे जनता का विश्वास प्रशासन पर मजबूत हो रहा है।

जेएससीए अंडर-23 क्रिकेट: सिमडेगा ने खूंटी को 137 रनों से हराया

गुमला। शहीद तेलगा खड़िया क्रिकेट स्टेडियम में जारी जेएससीए अंतर जिला अंडर-23 क्रिकेट टूनामेंट के लीग चरण के अंतिम मुकाबले में सिमडेगा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खूंटी को 137 रनों से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में सिमडेगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 211 रन बनाए। टीम के लिए गुरुशरण ने 51, सुभादीप साहा ने 43, हर्ष और सचिन पाल ने 28-28 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। खूंटी की ओर से हर्ष ज्ञानी ने 3, सत्यम और मीत जैन ने 2-2 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी खूंटी की टीम मात्र 74 रनों पर ढेर हो गई। खूंटी के लिए आर्यन हुड्डा ने 17, प्रशांत ने 15 और मनीष ने 11 रन का योगदान दिया। सिमडेगा के तेज गेंदबाज हर्ष कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5.5 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 7 विकेट झटके, जबकि तानिश चौबे और अविनाश ने क्रमशः 2 और 1 विकेट लिए। शानदार 28 रन की पारी और 7 विकेट लेने वाले हर्ष कुमार को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।

कार्यालय नगर परिषद, लोहरदगा

Email id- nagarparishadlohardaga@gmail.com

अति–अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–06/2024–25

विज्ञापनदाता का नाम :–प्रशासक, नगर परिषद, लोहरदगा।

कोटेशन प्राप्ति की तिथि एवं समयः–दिनांक– 11.03.2025 को 3:00 बजे अप0 तक।

कोटेशन खोलने की तिथि, समय एवं स्थानः–दिनांक– 11.03.2025 को 3:30 बजे अप0,नगर परिषद, लोहरदगा के सभा कक्ष में।

Si No.	Description	Rs Per/Kilo Litre
1	Operation and maintenace of Lohardaga urban W/S/S by outsourcing agency including providing all manpower, chemicals, reagents different materials etc. Required for successful operation of the scheme including repair of all civil structures (Intake wells, infiltration wells, gallery, WTP, mechanical & electrical equipments etc. all complete job on "Turn-key basis" to provide drinking water confarming WHO norms for the period April 2025 to March 2026 under Nagar Parishad, Lohardaga in the Dist. of Lohardaga.	

नोटः– कोटेशन की शर्त एंव विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद, लोहरदगा के सूचना पट्ट एवं https://udhd.jharkhand.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

प्रशासक
नगर परिषद, लोहरदगा

PR 347472 (Lohardaga)24-25*D

कार्यालयः– प्राचार्य, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज, पलामू।

पोखराहा, पो0–रजवाडीह, 822118, Email- Palamumedicalcollege@gmail.com

पत्रांकः................../ मेदिनीनगर, दिनांकः......................../2025

अति–अल्पकालीन निविदा आमत्रंण सूचना (NIT)

निविदा संख्या– 22/2024–25

मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय पलामू के लिए चालु वर्ष 2024–25 में आपूर्ति सामग्री/ कार्यालय उपकरण आदि की क्रय हेतु निबंधित निर्माता/अधिकृत विकेता/प्रतिष्ठान, एजेंसियों से निविदा दिनांक 11.03.2025 के अपराह्न 5:00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	सामग्री,उपकरण,रसायन का दर अनुमोदन हेतु।
1	निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	दिनांक 03.03.2025 समय 12.30 PM
2	निविदा खोलने का तिथि, समय एवं स्थल	12.03.2025 को प्राचार्य कार्यालय प्रकोष्ठ, 03 P.M
3	अग्रधन की राशि (डी0डी0) जो प्राचार्य, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज पलामू के नाम से देय होगा।	20000.00 Refundable
4	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	प्राचार्य, मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज, पलामू, पोखराहा,पलामू (झारखण्ड) 822118
5	BID/DD (Hard Copy) कार्यालय में स्पीड पोस्ट अथवा रजि0 पोस्ट से जमा करने की अंतिम तिथि	11.3.2025 5 P.M तक

1.निविदा का शर्ते आदि कार्यालय अवधि में प्राचार्य मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज,पलामू के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

2.उक्त अंकित निहित समय तथा तिथि पर निविदा, क्रयसमिति द्वारा तकनिकी भाग खोलते समय निविदाकर्त्ता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। निविदाओं के तकनीकी मूल्यांकन के पश्चात् ही सफल निविदादाताओं का मूल्य भाग खोला जाएगा।

प्राचार्य
मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज, पलामू।

PR 347463 (District) 24-25 (D)

जिला–पलामू
निलाम पत्र पदाधिकारी (खनन) -सह- उप निदेशक खान, पलामू अंचल, मेदिनीनगर

सूचना

निलाम पत्र पदाधिकारी (खनन) –सह– उप निदेशक खान, पलामू अंचल, मेदिनीनगर द्वारा खनिज संबंधित निम्नलिखित बकायादारों के विरूद्ध सरकारी राजस्व की भुगतान नही होने के फलस्वरूप कुर्की वारंट निर्गत किया गया है :–

कम सं०	प्रोसेस संख्या	देनदार का नाम एवं पता	मुकदमा संख्या	राशि	संबंधित थाना का नाम
1	78/19.02.2025	श्री ओम प्रकाश सहानी, मुहल्ला–बेलवाटिका, डालटनगंज, जिला–पलामू।	19/1989–1990	279009.00	शहर मेदिनीनगर
2	77/19.02.2025	श्री राजेन्द्र सिंह, पिता स्व० सरदार भगत सिंह मुहल्ला–बेलवाटिका, डालटनगंज, जिला–पलामू।	26/1989–1990	76703.00	शहर मेदिनीनगर
3	71/19.02.2025	श्री नन्दलाल राम, पिता श्री देवरूप राम, ग्राम–मुन्दरीया, पोस्ट–बसउरा, थाना–लेस्लीगंज जिला–पलामू।	79(MP)/1989–1990	57599.00	लेस्लीगंज
4	75/19.02.2025	श्री लखन सिंह, पिता स्व० शम्भुनाथ सिंह, ग्राम–हिमजा, पो०–कारी झंडी, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामू।	34/1989–1990	57563.00	हुसैनाबाद
5	74/19.02.2025	श्री प्रेम शंकर, पिता स्व० अनन्त राम, जी०एल०कॉलेज, डालटनगंज, जिला–पलामू।	37/1989–1990	34659.00	सदर मेदिनीनगर
6	73/19.02.2025	श्री नागेन्द्र राम, ग्राम–होरलोंग, पो०–सगालिम, थाना–पांकी, जिला–पलामू।	48/1989–1990	63549.00	पांकी
7	72/19.02.2025	श्री सुदामा सिंह, पिता श्री राजू सिंह, ग्राम–बेलबिगहा, पो०–दंगवार, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामू।	80(MP)/1989–1990	57599.00	हुसैनाबाद
8	102/19.02.2025	श्री चन्द्रिका यादव, पिता श्री शनिचर यादव, ग्राम+पो०+थाना–छतरपुर, जिला–पलामू।	55/1993–94	61916.00	छतरपुर
9	101/19.02.2025	श्री अम्बिका पाण्डेय, पिता श्री राम औतार पाण्डेय, ग्राम+पो०–रजवाडीह,थाना–डालटनगंज,जिला–पलामू।	44/1993–94	71908.00	सदर मेदिनीनगर
10	103/19.02.2025	श्री नरेश प्रसाद, पिता श्री मुंशी साहु, ग्राम+पो०+थाना–सतबरवा, जिला–पलामू।	45/1993–94	34904.00	सतबरवा
11	104/19.02.2025	श्री नागेन्द्र प्रसाद, पिता ग्राम–कुण्ड मुहल्ला, पो०+थाना–डालटनगंज, जिला–पलामू।	47/1993–94	41947.00	शहर मेदिनीनगर
12	269/13.12.2024	श्री रामचन्द्र सिंह, पिता श्री विशेशर सिंह, ग्राम–प्रोफेशर कोलनी, कमलबाग रोड, पो०+थाना– मुजफरपुर, जिला–मुजफरपुर, बिहार।	21/1994–1995	328570.00	मुजफरपुर
13	53/19.02.2025	श्री आलोक रंजन कर्मकार, पिता श्री यमुना प्रसाद, ग्राम–स्टेशन रोड रेहला, पो०+थाना–रेहला ,जिला–पलामू।	58/1994–1995	199215.00	रेहला
14	272/13.12.2024	श्री भोला साव, पिता स्व० भानु साव, ग्राम–पण्डवा, पोस्ट–राजहरा, थाना–पण्डवा, जिला–पलामू।	45/1994–1995	50714.00	पण्डवा
15	273/13.12.2024	श्री मंगल राम, पिता– ग्राम+पोस्ट+थाना–पाटन, जिला–पलामू।	48/1994–1995	50714.00	पाटन
16	270/13.12.2024	श्री बाबु राम, पिता–श्री बनारस राम, ग्राम+पोस्ट–सुदना,थाना–डालटनगंज,जिला–पलामू।	52/1994–1995	37235.00	सदर मेदिनीनगर
17	82/19.02.2025	मो० जब्बार अंसारी, पिता मो० अजीम अंसारी, ग्राम–डंडीला पो०+थाना–रेहला, जिला–पलामू।	49/1994–1995	51451.00	रेहला
18	81/19.02.2025	श्री सीता राम पिता श्री रामदेनी राम, ग्राम–केतात पो०+थाना–रेहला, जिला–पलामू।	27/1994–1995	71322.00	रेहला
19	80/19.02.2025	श्री नागेन्द्र चौबे, पिता श्री परमेश्वर शुक्ला, ग्राम–केतात पो०+थाना–रेहला, जिला–पलामू।	47/1994–1995	51339.00	रेहला
20	265/29.11.2024	श्री सुनील कुमार चौहान, पिता श्री कृष्ण बल्लभ चौहान,ग्राम–नवडीहा,पो०+थाना–पांकी जिला–पलामू।	03/1995–1996	158455.00	पांकी
21	250/29.11.2024	श्री अरबिन्द कुमार सिंह, पिता श्री शिव नारायण सिंह, ग्राम–अबादगंज,पो०+थाना–डालटनगंज जिला–पलामू।	05/1995–1996	468098.00	शहर मेदिनीनगर
22	266/29.11.2024	श्री नृपेन्द्र कुमार मिश्रा, पिता श्री अवध बिहारी मिश्रा, शिवाजी मैदान, पो०–डालटनगंज, थाना–डालटनगंज जिला–पलामू।	07/1995–1996	460728.00	शहर मेदिनीनगर
23	259/29.11.2024	मो० जब्बार अंसारी, पिता मो० अजीम अंसारी, ग्राम–डंडीला पो०+थाना–रेहला, जिला–पलामू।	15/1995–1996	49164.00	रेहला
24	260/29.11.2024	श्री फकीर चन्द्र राम, पिता श्री वंशी राम, ग्राम–डंडीला पो०+थाना–रेहला, जिला–पलामू।	17/1995–1996	25041.00	रेहला
25	261/29.11.2024	श्री रंजीत कुमार, पिता श्री मुन्नी लाल ग्राम–भजनीया,पोस्ट+थाना–मोहम्मदगंज,जिला–पलामू।	20/1995–1996	70908.00	मोहम्मदगंज
26	262/29.11.2024	श्री बैद्यनाथ सिंह, पिता स्व० विपत सिंह, ग्राम–आदर, पोस्ट+थाना–मोहम्मदगंज, जिला–पलामू।	23/1995–1996	45753.00	चैनपुर
27	263/29.11.2024	श्री कालीचरण चौधरी, पिता स्व० बिन्देश्वर चौधरी, ग्राम–हिसरा पोखराहा, पोस्ट–पोलपोल थाना–सदर मेदिनीनगर, जिला–पलामू।	28/1995–1996	34315.00	सदर मेदिनीनगर
28	264/29.11.2024	सर्व श्री– त्रिमूर्ती कन्सट्रक्शन, पार्ट०–अशोक कुमार चौबे, ग्राम–बेलवाटिकर,पोस्ट+थाना–शहर मेदिनीनगर, जिला–पलामू।	30/1995–1996	12811.00	शहर मेदिनीनगर
29	252/29.11.2024	श्री हरि साव, पिता श्री जगन साव, ग्राम–काला पहाड, पोस्ट+थाना–छतरपुर ,जिला –पलामू।	38/1995–1996	234072.00	छतरपुर
30	251/29.11.2024	श्री राजेन्द्र सिंह, पिता श्री सरदार दृभगत सिंह, ग्राम–बेलवाटिकर, पोस्ट+थाना–शहर मेदिनीनगर, जिला–पलामू।	36/1995–1996	110446.00	शहर मेदिनीनगर
31	253/29.11.2024	श्री विशुनदेव सिंह, पिता स्व० पच्चु सिंह, ग्राम+पोस्ट–कौडिया, थाना–सदर मेदिनीनगर, जिला–पलामू।	39/1995–1996	10908.00	सदर मेदिनीनगर
32	254/29.11.2024	श्री रामराज साव, पिता स्व० नन्द किशोर साव, ग्राम–गोपालगंज,पोस्ट+थाना–लेस्लीगंज,जिला–पलामू।	40/1995–1996	60976.00	लेस्लीगंज
33	255/29.11.2024	श्री गिरधारी राम, पिता श्री गोपाल राम, ग्राम–कारीहार ,पोस्ट+थाना–पाटन, जिला–पलामू।	45/1995–1996	15653.00	पाटन
34	256/29.11.2024	श्री वृन्द किशोर प्रसाद राम, पिता स्व० अक्षेवर राम, ग्राम+पोस्ट–आसेहार, थाना–पांकी, जिला–पलामू।	47/1995–1996	27224.00	पांकी
35	26/13.01.2025	श्री देववंश सिंह, पिता स्व० मुंगेश्वर सिंह, ग्राम–सुलतानी, पोस्ट–बभण्डी, थाना–हरिहरगंज, जिला–पलामू।	49/1995–1996	42298.00	हरिहरगंज
36	257/29.11.2024	श्री ईश्वरी प्रसाद सिंह, पिता स्व० रामप्रीत सिंह, ग्राम–नौडीहा,पोस्ट–कजरी,थाना–पण्डवा,जिला–पलामू।	51/1995–1996	308868.00	पण्डवा
37	258/29.11.2024	श्री जयन्त कुमार तिवारी, पिता श्री हृदयानन्द तिवारी, ग्राम+पोस्ट–लहलहे, थाना–डालटनगंज,जिला–पलामू।	52/1995–1996	23058.00	सदर मेदिनीनगर
38	248/22.11.2024	श्री जार्ज समद, पिता श्री बुधराम समद, ग्राम–नावाडीह टोला, रोपा पहाडी, पो०+थाना–चैनपुर, जिला–पलामू।	02/1996–1997	52361.00	चैनपुर
39	245/22.11.2024	श्रीमति पुष्पा गुप्ता, पत्नी श्री निरंजन प्रसाद गुप्ता, पुष्प निकेतन, आबादगंज, डालटनगंज, जिला–पलामू।	10/1996–1997	48647.00	शहर मेदिनीनगर
40	215/06.11.2024	श्री राजेन्द्र सिंह, पिता श्री सरदार भगत सिंह, बेलवाटिकर, डालटनगंज, जिला–पलामू।	16/1996–1997	83101.00	शहर मेदिनीनगर
41	211/06.11.2024	श्री अनुप कुमार जयसवाल, पिता श्री किशोरी प्रसाद जयसवाल, बारालोटा, डालटनगंज, जिला–पलामू।	17/1996–1997	21089.00	सदर मेदिनीनगर
42	212/06.11.2024	श्री हंसराज सिंह, पिता श्री सिताराम सिंह, ग्राम–लपमा, पोस्ट+थाना–हैदरनगर, जिला–पलामू।	20/1996–1997	8640.00	हैदरनगर
43	214/06.11.2024	श्री उदयनाथ मेहता, पिता स्व० गणेशी मेहता, ग्राम+पोस्ट–गाडी, थाना–पण्डवा, जिला–पलामू।	07/1996–1997	121840.00	पण्डवा
44	213/06.11.2024	श्री अमरेश कुमार शुक्ला, पिता श्री सुग्रीव शुक्ला, ग्राम–पोखराहा, पोस्ट–पोलपोल, थानाा–डालटनगंज, जिला–पलामू।	11/1996–1997	76731.00	सदर मेदिनीनगर
45	87/19.02.2025	श्री संजय पाण्डेय, पिता श्री सिधेश्वर पाण्डेय, ग्राम–स्टेशन रोड, डालटनगंज, थाना–डालटनगंज, जिला–पलामू।	05/1997–1998	117340.00	शहर मेदिनीनगर
46	92/19.02.2025	श्री अम्बिका पाण्डेय, पिता श्री राम औतार पाण्डेय, ग्राम+पोस्ट–रजवाडीह, थाना–सदर मेदिनीनगर, जिला–पलामू।	07/1997–1998	118487.00	सदर मेदिनीनगर
47	90/19.02.2025	श्री मुनेश्वर सिंह, पिता स्व० देवशरण सिंह, ग्राम+पोस्ट+थाना–पाटन, जिला–पलामू।	09/1997–1998	65493.00	पाटन
48	88/19.02.2025	श्री सतबीर सिंह, पिता श्री सरदार हरवंश सिंह, ग्राम + पोस्ट – बेलवाटिका, थाना–डालटनगंज, जिला–पलामू।	18/1997–1998	45013.00	शहर मेदिनीनगर
49	91/19.02.2025	श्री सरदार हरवंश सिंह, पिता स्व० दर्शन सिंह, ग्राम + पोस्ट – बेलवाटिका, थाना–डालटनगंज, जिला–पलामू।	19/1997–1998	48925.00	शहर मेदिनीनगर
50	83/19.02.2025	श्रीमति अरबिन्दर कौर, पत्नी श्री सतबीर सिंह, ग्राम + पोस्ट – बेलवाटिका, थाना–डालटनगंज, जिला–पलामू।	25/1997–1998	278747.00	शहर मेदिनीनगर
51	86/19.02.2025	श्री युगल किशोर पाण्डेय, पिता स्व० सूरत पाण्डेय, ग्राम+पो०–राजहरा, थाना–नावाबाजार, जिला–पलामू एवं अन्य।	26/1997–1998	143112.00	नावाबाजार
52	85/19.02.2025	श्री युगल किशोर पाण्डेय, पिता स्व० सूरत पाण्डेय, ग्राम+पो०–राजहरा, थाना–नावाबाजार, जिला–पलामू एवं अन्य।	28/1997–1998	81845.00	नावाबाजार
53	84/19.02.2025	श्री हरिनन्दन सिंह, पिता स्व० रामाश्रय सिंह, ग्राम+पो०–झाबर,थाना–सदर मेदिनीनगर, जिला–पलामू।	29/1997–1998	85129.00	सदर मेदिनीनगर
54	98/19.02.2025	श्री अरूण कुमार सिंह, प्राचार्य आई०टी०आई० पिता श्री राजेश्वर सिंह, ग्राम–खरगडा, पो०+थाना–हैदरनगर, जिला–पलामू।	14/1997–1998	91245.00	हैदरनगर
55	206/30.10.2024	श्री लक्ष्मण मेहता, पिता स्व० युगेश्वर मेहता, ग्राम+ पोस्ट–खडगपुर, थाना–हरिहरगंज, जिला–पलामू।	20/2001–2002	111055.00	हरिहरगंज
56	145/22.10.2024	श्री संजय कुमार प्रजापति, पिता श्री अकलु चौधरी, ग्राम+पोस्ट–कोठी राजहरा, थाना–नावा बाजार, जिला–पलामू।	10/2001–2002	82137.00	नावा बाजार
57	146/22.10.2024	श्री प्रेम शंकर प्रसाद, पिता स्व० आनन्त राम, ग्राम+पोस्ट–जी०एल० कालेज के पास, थाना–डालटनगंज, जिला–पलामू।	31/2001–2002	111055.00	सदर मेदिनीनगर
58	138/22.10.2024	श्री सीताराम प्रसाद, पिता श्री जगन साव, ग्राम–काला पहाड, पोस्ट–लठेया, थाना–छतरपुर, जिला–पलामू।	15/2001–2002	45932.00	छतरपुर
59	139/22.10.2024	श्री नरेन्द्र सिंह, पिता श्री रामनन्दन सिंह, ग्राम–तेन्दुआ, पोस्ट–हल्का, थाना–हरिहरगंज, जिला–पलामू।	21/2001–2002	90418.00	हरिहरगंज
60	140/22.10.2024	श्री मनोज कुमार सिंह, पिता श्री विश्वनाथ सिंह, ग्राम–तेन्दुआ, पोस्ट–हल्का, थाना–हरिहरगंज, जिला–पलामू।	18/2001–2002	45932.00	हुसैनाबाद
61	141/22.10.2024	श्री अवध बिहारी सिंह, पिता स्व० बालकेश्वर सिंह, ग्राम+पोस्ट–पचम्बा, थाना–हैदरनगर, जिला–पलामू।	32/2001–2002	111055.00	हैदरनगर
62	142/22.10.2024	श्री संजय कुमार सिंह, पिता श्री बलराम सिंह, ग्राम+पोस्ट–अम्बा झरहा, थाना+जिला–औरंगाबाद, जिला–बिहार।	04/2001–2002	158653.00	औरगाबाद
63	143/22.10.2024	श्री संजय कुमार सिंह, पिता श्री बलराम सिंह, ग्राम+पोस्ट–अम्बा झरहा, थाना+जिला–औरंगाबाद, जिला–बिहार।	30/2001–2002	111055.00	औरगाबाद
64	144/22.10.2024	श्री बिगन सिंह, पिता स्व० मुखलाल सिंह, ग्राम+पोस्ट+थाना–मोहम्मदगंज, जिला–पलामू।	29/2001–2002	111055.00	मोहम्मदगंज
65	148/22.10.2024	श्री मनोज कुमार सिंह, पिता श्री सुरेश सिंह, ग्राम–देवरी कला पोस्ट–जपला, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामू।	25/2001–2002	111055.00	हुसैनाबाद
66	149/22.10.2024	श्री विश्वनाथ राम, पिता श्री रामनन्दन राम, ग्राम–खरगपुर, पोस्ट–झरगाडा, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामू एवं अन्य।	01/2001–2002	55309.00	हुसैनाबाद
67	227/22.11.2024	श्री प्रमोद सिंह, पिता श्री केश्वर सिंह एवं श्री अजय सिंह, पिता श्री राम प्रवेश सिंह, दोनो का ग्राम+पो०–पोलडीह, जगदीशपुर, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामू।	42/2003–2004	104932.00	हुसैनाबाद
68	226/22.11.2024	श्री अनुज सिंह, पिता श्री शंकर सिंह, श्री उपेन्द्र पाण्डेय, दोनो का–ग्राम+पो०–लामीपतरा, थाना– पण्डवा, एवं श्री उपेन्द्र मिश्रा, पिता श्री अकाली मिश्रा, ग्राम–लोहडा,पोस्ट–राजहरा,थाना–पण्डवा,जिला–पलामू	36/2003–2004	106536.00	पण्डवा
69	224/22.11.2024	श्री बिरेन्द्र सिंह, पिता श्री रामकृपाल सिंह, ग्राम–तेन्दुआ,पोस्ट–हल्का,थाना–हरिहरगंज,जिला–पलामू।	21/2003–2004	70520.00	हरिहरगंज
70	225/22.11.2024	श्री प्रमोद सिंह, पिता श्री सुरेश सिंह, ग्राम–देवरी, पोस्ट–जपला, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामूं	32/2003–2004	94536.00	हुसैनाबाद
71	229/22.11.2024	श्री बिगन सिंह, पिता स्व० मुखलाल सिंह, ग्राम+पोस्ट+थाना–मोहम्मदगंज, जिला–पलामू।	20/2003–2004	159027.00	मोहम्मदगंज
72	228/22.11.2024	श्री बिगन सिंह, पिता स्व० मुखलाल सिंह, ग्राम+पोस्ट+थाना–मोहम्मदगंज, जिला–पलामू।	39/2003–2004	104932.00	मोहम्मदगंज
73	220/22.11.2024	श्री अवध बिहारी सिंह, पिता स्व० बालकेश्वर सिंह, ग्राम+पोस्ट–पचम्बा, थाना–हैदरनगर, जिला–पलामूं	18/2003–2004	158133.00	हैदरनगर
74	231/22.11.2024	श्री प्रमोद सिंह, पिता श्री सुरेश सिंह, ग्राम–देवरी, पोस्ट–जपला, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामूं	17/2003–2004	154334.00	हुसैनाबाद
75	233/22.11.2024	श्री नरेन्द्र सिंह, पिता श्री रामनन्दन सिंह, ग्राम–तेन्दुआ, पोस्ट–हल्का, थाना–हरिहरगंज, जिला–पलामू।	11/2003–2004	225186.00	हरिहरगंज
76	224/22.11.2024	श्री बिगन सिंह, पिता स्व० मुखलाल सिंह, ग्राम+पोस्ट+थाना–मोहम्मदगंज, जिला–पलामू।	03/2003–2004	226789.00	मोहम्मदगंज
77	100/05.10.2024	श्री प्रफुल कुमार मेहता, पिता श्री विरकेश्वर मेहता ग्राम+पोस्ट गाडी, थाना–पण्डवा, जिला–पलामू।	03/2007–2008	192080.00	पण्डवा
78	99/05.10.2024	श्री प्रमोद सिंह, पिता श्री सुरेश सिंह, ग्राम–देवरी, पोस्ट–जपला, थाना–हुसैनाबाद, जिला–पलामूं	12/2007–2008	192080.00	हुसैनाबाद

अतः उपरोक्त बकायेदारों को सूचित किया जाता है कि वे अविलम्ब बकाये राशि का Online भुगतान कर नीलाम पत्र पदाधिकारी, (खनन) पलामू अंचल के न्यायालय को सूचित करें।

नीलाम पत्र पदाधिकारी, (खनन)
पलामू अंचल, मेदिनीनगर

PR 347523 District (24-25)_D

वसंत और फागुन

भारतीय परिवेश में ऋतुएं अपनी विशेषता के कारण जाना जाता है। वसंत और फागुन महीना बहुत सुंदर रचनात्मक वातावरण के लिए जाना जाता है । वसंत ऋतुओं का राजा है तो फागुन इसकी सखा। वसंत और फागुन दो ऐसी ऋतुएं हैं जो प्रकृति के सौंदर्य और उत्साह को दर्शाती हैं। वसंत ऋतु का आगमन प्रकृति के जागरण का प्रतीक है, जबकि फागुन ऋतु का आगमन रंगों और उत्साह का प्रतीक है। फागुन में राम खेले होरी स्त्रियां गाती है जब की कान्हा के हाथों में कनक पिचकारी और राधा के हाथों में अबीर की झोली फागुन में ये हमारी लोक संगीत का मानक है। वसंत ऋतु का आगमन फरवरी से मार्च तक होता है, जब प्रकृति अपने पूरे शबाब पर होती है। इस समय में फूल खिलते हैं, पेड़ हरे-भरे होते हैं, और मौसम सुहावना होता है। वसंत ऋतु का मौसम प्यार, स्नेह, और सौंदर्य का प्रतीक माना गया है। फागुन ऋतु का आगमन मार्च से अप्रैल तक होता है, जब होली का त्योहार मनाया जाता है। इस समय में लोग रंगों से खेलते हैं, और एक दूसरे को रंग लगाते हैं। फागुन ऋतु का मौसम उत्साह, रंग, और आनंद का प्रतीक है। वसंत और फागुन ऋतुओं का संगम हमें प्रकृति के सौंदर्य और उत्साह का अनुभव कराता है। यह हमें प्यार, स्नेह, और सौंदर्य की महत्ता को समझने का अवसर प्रदान करता है। हरेक वृक्ष फूलों से भरा होता है। गेंदा की खुशबू और रंग आकर्षित करती हैं। आइए वसंत और फागुन ऋतुओं का स्वागत करें और प्रकृति के सौंदर्य और उत्साह का अनुभव करें। आइए हम प्यार, स्नेह, और सौंदर्य की महत्ता को समझें और अपने जीवन में इसका पालन करें।

प्रेमलता ठाकुर

खोखली शान

"बेटी के लिए योग्य वर की तलाश में हूँ। आपकी नजर में कोई होनहार योग्य लड़का हो तो बताइएगा।"... जज साहब ने अपने पी .ए से कहा। "एक बेहद होनहार योग्य लड़का है। लेकिन..."पी.एक साहब रुक गए। "अरे, बेहिचक बताइए ।" "सर ,अपना रघु का बेटा इस बार यू पी एस सी में बहुत अच्छा रैंक लाया है। उसका बेटा पढ़ने में बहुत तेज है।" " चपरासी का बेटा..." जज साहब की आँखों के सामने कुछ दिन पहले की घटना चलचित्र की भांति घुम गई। वह एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने गए थे। उन्हें जहाँ बैठाया जा रहा था, उसी पंक्ति में रघु सबसे किनारे वाली कुर्सी पर बैठा हुआ था। उन्हें यह कतई गवारा न था की एक चपरासी उनके साथ वाली पंक्ति में बैठे। तब उनके कहने पर ही रघु को पीछे बैठने को कहा गया। " थोड़े दिन की बात है सर, उसके बेटे के कलेक्टर बनते ही उसके घर की हालात बदल जायेगी। उसके लिए बड़े-बड़े घरों से रिश्ते आने लगेंगे। अभी उस पर आपका रोब है। वह आपकी बात मान लेगा।" जज साहब भी अपनी बेटी के लिए इतनी आसानी से मिलने वाले कलेक्टर वर को छोड़ना नहीं चाहते थे। अत: वह रघु के घर पहुँच गए। जज साहब को अपने घर आया देख रघु आश्चर्यचकित रह गया। उसने हाथ जोड़कर उनका स्वागत किया। " जज साहब अपनी बेटी के लिए तुम्हारे बेटे का हाथ मांग रहे हैं।"... जज साहब के पीए ने कहा । जज साहब ने रघु की ओर देखा, वे सोच रहे थे कि रिश्ते की बात सुनकर वह खुश होगा। लेकिन इसके विपरीत रघु शांत था। वह बोला," जिनके साथ वाली पंक्ति में भी मैं नहीं बैठ सकता, उनके साथ रिश्ते जोड़ने की बात मैं कैसे सोच सकता हूँ?"

रंजना वर्मा उन्मुक्त

राधे-राधे-वृंदावन

अनिता रश्मि

यात्रा वृत्त

वृंदा + वन = वृंदावन ! वृंदावन जाने का प्रोग्राम अचानक बना, मन उत्फुल्ल हो उठा। बेहद उल्लास से भरे मथुरा के कृष्ण के जन्मस्थल को देखने के बाद वृंदावन में उनकी लीलाओं को महसूस करने के लिए उस ओर बढ़े। रास्ते में एक भव्य मंदिर मिला। बड़े से परिसर में स्थित उस मंदिर को देखने के बाद ड्राइवर वापस लौटने को बेताब था। हम सबने जिद की, "यहाँ तक आ ही गए हैं, तो हमें वृंदावन के अन्य मंदिरों को भी देखना चाहिए।"

उसने कहा, "यहाँ तो 5000 से ज्यादा मंदिर हैं। शाम हो रही है। किस-किसको देखिएगा। दिल्ली लौटते-लौटते आधी रात हो जाएगी।" "हमें मुख्य मंदिर दिखला दें। खासकर वह जगह, जहाँ कृष्ण जी कदंब के गाछ पर... जहाँ उन्होंने बाल क्रीड़ाओं से हर व्यक्ति का मन मोह लिया था।"

रास्ते भर हर घर-दुकान के बाहर 'राधे-राधे' लिखा हुआ मिला। कभी कान्हा का नाम आया भी तो राधा के बाद। हरदिल अजीज गोपाल यहाँ पर राधा जी के पीछे नजर आए।

हम तंग गलियों से गुजरते रहे।

यहाँ उस मंदिर की परिक्रमा भी लोग करते हैं। परिक्रमा करते हुए काफी वक्त लग जाता है। ड्राइवर बता रहा था। मुझमें परिक्रमा करने से ज्यादा उत्सुकता उस स्थान को देखने की थी, जहाँ की कृष्ण लीलाओं से पूरा विश्व चकित था।

थोड़ी देर में हम एक पेड़ के पास रुके। यह वही पेड़ था या बाद में नया विकसित हुआ?

ड्राइवर के अनुसार, "उसी की जड़ से विकसित हुआ है। यहाँ पर ही पेड़ के पत्तों के बीच जा छिपे थे, जब गोपियों का वस्त्र चुराया था।"

मैं विश्वास-अविश्वास के बीच झूलती उसे देखते हुए कार से उतरने लगी।

पेड़ से उतरकर एक झपट्टे से एक वानर ने इनका चश्मा जमीन पर गिरा दिया। मेरे हाथ पर झपट्टा मारा। यह सब इतनी तेजी में हुआ कि संभल भी नहीं पाए हम।

वह तो चश्मा उठाकर वापस पेड़ की ऊँची डाल पर जा चढ़ा था। हम असमंजस में घिरे साथ गए बच्चों को बचाने की कवायद करने लगे।

आस-पास के लोग जुट आए और सांत्वना देने लगे। उन्हीं में से किसी ने चना लाकर दिया।

झट उस कपि ने चश्मा जमीन पर फेंककर चने की ओर झपटा। चश्मे का शीशा, फ्रेम सब शहीद !

अब हम अंदर की ओर जा रहे थे। शाम रात में बदल रही थी। धीरे-धीरे धुप्प अँधेरा ! टॉर्च की रोशनी में साथी पंडे ने आगे की राह दिखाई।

इतनी संकरी गलियाँ, ऐसा अँधेरा...। बड़ा अजीब सा लग रहा था। ईंट से निर्मित सड़क पर चलते रहे।

एकाएक पाया, हम एक बड़े से मंदिर के पास पहुँच गए हैं। वहाँ भजन-आरती की तैयारी चल रही थी। आरती होने तक वहाँ हम रहे। आरती के बाद सामने ही स्थित एक और मंदिर की ओर बढ़े। पर मेरा ध्यान उस अँधेरे कोने में सिमटे एक घर की ओर था। अँधेरे को मात देनेवाले दीए की लौ देखी। इस दोनों मंदिरों की चकाचौंध से परे वह अंधकार की गर्त्त में डूबा अपनी कहानी आप कह रहा था।

'संभवतः वह विधवाश्रम हो।' - सोचा। वहाँ की विधवाओं की चर्चा उन दिनों जोरों पर थी। 'वाटर' फिल्म के विवाद के बाद उनके प्रति लोगों की उत्सुकता थी। मैं वहाँ जाकर, उनसे बात कर सच्चाई जानना चाहती थी।

घुप्प अँधेरे में मन का कोना भी बोल रहा था। कहा उसने वहाँ जाना इस समय श्रेयष्कर होगा? खासकर तब, जब एक बैल हमें दौडा चुका था और 'ये' पंडे के साथ उनके आग्रह पर दान देने के लिए उनके साथ जा चुके थे। लौटकर आने पर हमें वहाँ न पाकर निश्चित हो ढूँढते हुए असमंजस के शिकार हो जाएंगे। हम अंदर नहीं जा पाए। वहाँ जाने से पहले उन लोगों से अनुमति लेना भी आवश्यक लगा। थोड़ी देर में 'ये' लौटे तो हमें एक और मंदिर दिखाने के आश्वासन के साथ वे ही पंडा मौजूद थे।

हम अब बाँके बिहारी मंदिर के गेट पर थे। यहाँ भी कई वानर ! कैसे उन्हें पार करते हुए, अंदर पहुँचे। सब लोग कोई रिस्क लेना नहीं चाहते थे। उनसे बचते-बचाते हुए हम अंदर गए, तो पता चला, दिन में आने से तोतों से सामना भी होता। रात में कोई पशु-पक्षी नहीं मिलेंगे।

यहाँ मंदिर के साथ-साथ कृष्ण की कहानी बोल रही थी। वहाँ एक अन्य व्यक्ति हमें मिले. पंडित जी ने बताया, "यह देखो सामने इतनी वृंदा मतलब श्यामवर्णी तुलसी ! यह स्थल तुलसी के पौधों के लिए प्रसिद्ध है। कृष्ण की गोपियों की प्रतीक हैं।"

इतनी ज्यादा सघनता थी कि वृंदावन नाम ही पड़ गया इस जगह का।

फिर उन्होंने एक जगह को दिखलाया। बताया,"यह जगह वही है, जहाँ मोहन ने मुँह खोलकर यशोदा को पूरा ब्रह्माण्ड दिखलाया था।"

"हट! यह जगह कैसे हो सकती है। यहाँ तो... राधे-राधे!"

"ऐसा न कहें। क्यों झूठ बोलूँगा।" फिर उनलोगों ने समय की दुहाई देते हुए हमें बाहर जाने पर मजबूर कर ही दिया। कदंब वृक्ष गहन अंधकार में डूबा हुआ। एक अजीब-सा एहसास, अजीब सी अनुभूति से घिरे हम बाहर जा रहे थे। अपने में मगन, कृष्ण में डूबे हुए। अब और किसी मंदिर को देखने की इच्छा नहीं थी। हमने वहाँ एक घंटे रुककर ही काफी कुछ पा लिया था।

दोहे ऋतु बसंत के

बिनोद बेगाना

खेतों में सरसों खिली, मन में खिले गुलाब।
मौसम के बदलाव से, बासंती हैं ख्वाब।।
सरसों के सर पर सजे, पीत फूल के ताज।
पीताम्बर को ओढ़कर, आया है ऋतुराज।।
खिले फूल मधुमास में, शीतल बहे बयार।
मिली शीत से शांति अब, बजे हृदय के तार।।
अमराई बौरा गई, बिखर गए मकरंद।
भँवरे मधुरस चूसकर, मना रहे आनंद।।
फूली सरसों खेत में, बागों में कचनार।
रंग देखकर प्रकृति का, हर्षित है संसार।।
मृदुल हवा बहने लगी, हुआ शीत का अंत।
पात फूल नूतन हुए, गदगद है ऋतु कंत।।
सज-धज के चहुं ओर फिर, आ गया ऋतु बसंत।
कुदरत का श्रृंगार हुआ, सूनापन का अंत।।
फागुन की आहट हुई, लगे सुहानी भोर।
लहर ठंड की घट गई, नाचे मन का मोर।।
फिर आया ऋतुराज है, सुरभित बहे बयार।
रंग-बिरंगे फूल से, मौसम है गुलजार।।
वासंती मौसम हुआ, चढ़ा फागुनी रंग।
देख झूमते खेत को, कुदरत भी है दंग।।
धीरे-धीरे घट रहा, सर्दी का संताप।
मौसम भी करने लगा, ऋतु बसंत का जाप।।
दक्षिण के आवास से, निकल गया दिनमान।
धीरे-धीरे ठंड की, घट जायेगी शान।।
आया है मधुमास फिर , तरुणाई के संग।
सृष्टि की अति सुंदरता चहुं दिशि दिखे उमंग।।
प्राणवंत कुदरत हुई, प्रमुदित हुए दिगंत।
खुशबू की सौगात से, बौरा गया बसंत।।
नव पल्लव के साथ ही, हर्षित पीपल आम।
सारे जग को दे रहे, परिणति का पैगाम।।
मौसम है मधुमास का, मन में जागी चाह।
चले उम्र भर साथ जो मिले वही हमराह।।
आया फिर मधुमास है, खिलने लगा पलाश।
मन बौराया सा लगे, चाह उड़े आकाश।।
आया जो मधुमास तो, मुदित हुआ उद्यान।
कोमल कलियाँ डाल पर, गातीं स्वागत गान।।
मधुर वचन मधु-सा लगे, ज्यों मौसम मधुमास।
हृदय कुंज गुंजित करे, मन में भरे सुवास।।
पुरवाई मृदु पवन से, सुरभित सबकी श्वास।
आलिंगन कर फूल से, विहँस उठा मधुमास।।
कोयल भी गाने लगी, महुए का ही गीत।
फिर मादक मधुमास में, जगी मौसमी प्रीत।
अधरों पर गुलदाउदी, मन में खिला गुलाब।
सुरभित बेला फूल से, सांसों का हर ख्वाब।
तन गुलशन मन फूल है, मौसम है मधुमास।
मलय पवन की गंध से, महक रही हर श्वास।।
मौसम है मधुमास का, मन में मधुर उमंग।
मृदुल वात सबसे कहे, आओ खेलें रंग।।
वासंतिक सौंदर्य से, हर्षित वन उद्यान।
आकर्षित उनको करे, फूलों की मुस्कान।।

मैं भी थी इक दीवानी

पूनम शर्मा स्नेहिल

है खत में लिपटी बैठी, बीती सी कुछ कहानी।
पढ़ कर जिसे नयन में, आता है झट से पानी।।
वो कहते हैं जिसे की, है रद्दी का ये टुकड़ा।
उन में मिले किसी को, अल्हड़ सी वो जवानी।।
जब डाकिए की खातिर, तकती थी बैठ राहें।
पाकर लगा था खत को, थामें है जैसे बाँहें।।
वो शब्द एक जादू हाँ, करते थे कसम से।
दिल कैद था उन्हीं में, कैसे न उनको चाहें।।
न छंद न बहर थी न हीं थी मापनी भी।
बेचैनियों में पड़ती थी रातें काटनी भी।।
आसाँ नहीं था तब यूँ मिलना मिलाना यारों।
पढ़ते उसे अकेले न थी वो बांटनी भी।।
पड़ती थी बातें दिल की,दिल में ही सब दबानी।
हर बात याद थी वो हमको कभी जुबानी।।
वो वक्त ही अलग था ,वो दौर ही अलग था।।
हर शब्द में मिलेगी, चाहत की वो रवानी।।
हाँ आज तक सहेजे अहसास वो सभी हैं ।
है इल्म न किसी को वो पास में तभी हैं।।
बीती है उनमें यारों, सबकी यहाँ जवानी।
जिसने सिखाई चाहत वो याद में अभी हैं।।
समझे जमाना चाहें कितनी भी अब सयानी।
आती नहीं मुझे ये बातें सुनो छुपानी।।
बनकर खुशी लबों पे वो अब तलक हैं ठहरे।
पढ़ कर लगे मुझे कि मैं भी थी इक दीवानी।।

काव्य कोना

उन्मुक्त पवन का झोंका

उन्मुक्त पवन का झोंका बन कर
उड़ता-उड़ता उड़ जाऊंगा
मन ही मन में आस जगी है
आज इधर, कल ठौर कहाँ है।
उन्मुक्त पवन का झोंका बन कर
सपनों की डोर में बंध कर
बादल के उपर उड़ जाऊंगा
दूर गगन में ठहरुं बढ़ कर
आज इधर, कल ठौर कहां है।
उन्मुक्त पवन का झोंका बन कर
कर्म पथ पर बंधा पथिक हूँ
लहरों के संग बहता जाऊं
नये रूप में नया समुद्र
आज इधर, कल ठौर कहां है।
उन्मुक्त पवन का झोंका बन कर
हमकदम, हम साथ चलेंगे
जीवन के सरगम की धुन पर
गुन-गुन-गुन-गुन गीत सुनाते
आज इधर, कल्ह ठौर कहां है।

नाग मणि

पलाश या टेसू

सुधा गोयल 'नवीन'

माँ ...माँ .... हमारे खेत की मुँडेर पर जो पेड़ लगे हैं उन पर कितने सुन्दर फूल आऐं हैं, देखा तुमने?" "वह तो हर साल आते हैं....... इन्हीं दिनों, होली के समय....टेसू कहते हैं उसे...." "माँ....उन फूलों का रंग कितना सुन्दर है, गहरा पीला...नारंगी... कहीं कहीं काले धब्बे हैं पर माँ ऐसा लग रहा था जैसे धधकती हुई अग्नि की लपटें हों. उसकी चमक से आँखें चुँधिया रही थी. मैंने तो इसे पहली बार देखा. क्या ये फूल साल भर नहीं खिलते?" ''नहीं... ये फूल वर्ष में सिर्फ एक बार फागुन महीने में होली के आस-पास ही खिलते हैं....यूँ तो इसके चटक रंग के फूलों से बनाए गए रंग से कान्हा ने भी होली खेली थी. पर यह एक अभिशापित पेड़ है. आज मैं तुझे इसकी कहानी सुनाती हूँ." कहानी के नाम से बच्चा उत्साहित हो, पलथी मारकर माँ के पास आकर बैठ गया. माँ ने कहना शुरू किया. लेकिन जैसी आम माताओं की आदत होती है कहानी कहने से पहले सीख देती हुई बोली, "किसी के भी रंग में भंग डालना अच्छी बात नहीं होती. उसका खामियाजा भुगतना ही पड़ता है. फिर वे तो भगवान थे ...दे दिया शाप ." " माँ तुम किसकी बात कर रही हो?"" भगवान शंकर और पार्वती की.....एक दिन की बात है... वसंत ऋतु का आगमन हो चुका था. मन को लुभाने वाली सुखद वायु मन्द-मन्द बह रही थी. वृक्षों पर नन्हीं कोपलें फूट रही थीं और वातावरण सुगंधित और मादक हो रहा था. भगवान शंकर और पार्वती देवलोक के उद्यान में रास-रंग में डूबे क्रीड़ा-मग्न थे, कि वहाँ अग्निदेव पँहुच गए. उस क्षण अग्निदेव का पधारना पावर्ती को तनिक रास न आया और उन्होंने अग्निदेव को वहीं उसी क्षण जड़ हो जाने का शाप दे दिया. यह पलाश वृक्ष वही शापित वृक्ष है." कहानी सुनकर बच्चा अचंभित रह गया. इतने सुन्दर वृक्ष की इतनी दर्दनाक कहानी. परन्तु उसने विश्वास कर लिया क्योंकि उसे पता था कि उसकी माँ कभी झूठ नहीं बोलती..

आज का इंसान

अनामिका मिश्रा

खुदगर्ज़ हो गए अब इंसान
कुछ जियादा,
रखते गुमान झूठी है
शान कुछ जियादा।
खुद को न देखते हैं
कुछ लोग आइने में,
झाँके शबब जहाँ के गिरबान
कुछ जियादा।
शोहरत कमाना चाहे चलते
नहीं ज़मीं पर,
बेखौफ बिक रहा है ईमान
कुछ जियादा।
अपने ही छोड़ देते पर
अजनबी निभाए,
ये देख के हुए हम हैरान कुछ
जियादा।
थीं मुश्किलें बहुत सी थे बंद
रास्ते भी,
लेकिन सफर हुआ अब
आसान कुछ जियादा।
जो नेक राह चलते रहते वही
अकेले,
होता यहाँ उन्हीं का अपमान
कुछ जियादा।
बेकार बात छोड़ो छूना 'अना'
फलक है,
खुद पे फकत यहाँ दो अब
ध्यान जियादा।

कैसे कोई गीत लिखूं मै

पद्मा मिश्रा

शब्द नहीं, झंकार नहीं,
स्वप्न भरा संसार नहीं ,
कैसे कोई गीत लिखूं मै ।
जब तक प्राणों की आकुलता,
शीतल मधुमय छांह न पा ले ।
मेरे सपनो का हर मौसम ,
मधुर कल्पना दीप जला ले,
कैसे कोई गीत लिखूं मै !
टूट चुके तारों पर कोई ,
राग नहीं बजता है मधुमय,।
शब्द शब्द को पुन: संजो लूँ,
हर अक्षर दिनमान बना लूँ,
मन-प्रदीप न जला अगर तो
कैसे कोई गीत लिखूं मै !
प्रेम छंद है, प्रेम राग है,
मन मंदिर का मधुर साज है।
प्रेम बिना हर भाव अधूरा
कैसे कोई गीत लिखूं मैं।

झारखंड की पहचान- पलाश के फूल

रीना सिन्हा सलोनी

छाया : - नरेश अग्रवाल

झारखंड की छिटपुट पहाड़ी इलाके और जंगल झाड़ियों से भरे क्षेत्र फागुन के अंत और चैत के आरंभ होते ही आश्चर्यजनक रूप से रंग बदलने लगते हैं देखते ही देखते कुछ ही दिनों में ये इलाके पूरी तरह टहटह करते लाल फूलों से भर जाते हैं ये फूल कोई और नहीं, पलाश के फूल हैं जो झारखंड की पहचान हैं। बसंत के आगमन का संकेत देते, अंगारों सी तपती रंगत लिए इन पलाश के फूलों को टेसू, ढाक, किंशुक आदि नामों से भी जाना जाता है।

झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तरप्रदेश में पाए जाने वाला पलाश का पेड़ एक मध्यम आकार का पेड़ है जिसके फूल अपनी सुंदरता और गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं। यह वृक्ष हिंदुओं के पवित्र माने हुए वृक्षों में से हैं और इसका उल्लेख वेदों में भी मिलता है। औसत ऊँचाई वाले इस पेड़ की लकड़ियाँ सख्त और टहनियाँ खूब टेढ़ी-मेढ़ी होती हैं। गोल-गोल बड़े आकार के इसके पत्ते ज्यादा सघन न होकर छितराए हुए से होते हैं। फागुन के आते ही पलाश के पेड़ों की पत्तियाँ धीरे धीरे झड़ने लगती हैं और इसकी टहनियाँ कलियों से भर जाती हैं। धीरे-धीरे ये कलियाँ खिलकर जब लाल-लाल फूलों में बदल जाती हैं तो सारा जंगल लाल हो उठता है ।ऐसा लगता है मानो जंगले में आग लगी हो। इसीलिए पलाश के फूलों को जंगल की आग भी कहते हैं।

पलाश का पेड़ न सिर्फ अपने सुंदर फूलों के लिए प्रसिद्ध है बल्कि अपने औषधीय एवम अन्य उपयोगी गुणों के लिए भी जाना जाता है। पलाश के फूलों के अलावा उसकी पत्तियाँ, छाल, और जड़ें भी कई प्रकार की औषधीय गुणों से भरी होती हैं। पलाश के फूलों का उपयोग मुख्यतः प्राकृतिक लाल रंग बनाने में किता जाता है। इस लाल रंग से बनने वाले गुलाल की होली के समय बाजार में खूब माँग रहती है। ये गुलाल प्राकृतिक रंगों से बने होने के कारण त्वचा को नुकसान नहीं पहुँचाते। इन फूलों का उपयोग कई सौंदर्य प्रसाधनों में भी किया जाता है। पलाश के गोल बड़े पत्तों को पत्तल और दोने बनाने में उपयोग किया जाता है। कहीं-कहीं पलाश की पत्तियों का उपयोग तंबाकू भरकर बीड़ी बनाने में भी किया जाता है। पलाश की सूखी पत्तियों और लकड़ी को ग्रामीण क्षेत्रों में जलावन के काम लाया जाता है। पलाश के गोल चपटे बीजों में भी कई औषधीय गुण होते हैं। इनका उपयोग पेट के कीड़े मारने में होता है। पलाश में कई प्रकार के एसट्रिनजेंट और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जिसके कारण यह वात रोगों से लड़ने, चर्म रोग, पेट में कीड़ा, डायबिटीज और घाव को भरने में काफी असरदार होता है। पलाश की जड़ें रेशेदार होती हैं। इन जड़ों से मिलने वाले रेशों से रस्सियाँ, दरी और चटाई आदि बनाई जाती है।

झारखंड की पहचान पलाश के फूलों के आने पर आदिवासी जन-जाति के लोग बड़े ही धूमधाम से टूसू पर्व मनाते हैं। आदिवासी जन-जातियों के लिए पलाश या टूसू का पेड़ काफी महत्व रखता है। अपने जीवन शैली और प्रकृति से जुड़े होने के कारण आदिवासी लोग इस पेड़ की संरक्षण के साथ-साथ पूजा भी करते हैं ।

अपनी सुंदरता और गुणों के कारण पलाश को झारखंड और उत्तरप्रदेश का राजकीय फूल बनाया गया है। पलाश को भारतीय डाकघर के डाक टिकट पर प्रकाशित कर सम्मानित किया गया है।

आज जंगलों की कटाई और बढ़ते शहरीकरण के कारण इन पेड़ों को काफी नुक़सान भी पहुँचा है। झारखंड और पश्चिम बंगाल की इस अमूल्य प्राकृतिक संपदा को आज संवर्धन और संरक्षण की आवश्यकता है ताकि यहाँ के जंगल इन पलाश के सुंदर फूलों से हर साल सजते रहें।

वो अब अपने शहर लौट आया है

मीरा सिंह

वो अब अपने शहर लौट आया है ,
मन में दबी सारी हसरतों को संग लाया है ।
छोड़ शहर जब गया था वो दूर परदेश कमाने ,
लगे थे बरसों उसे उस परदेश को भी अपना बनाने में ।
अपने शहर को कौन कमबख्त छोड़ कर जाना चाहता है ,
पर प्राय: नौकरी पर उनका शहर ही कुर्बान होता आया है ।
वह पुराने गर्मजोशी से मिलता भी है सभी दोस्तों से पर ..,
साथियों की निस्तेज आँखों में उष्मा का अभाव ही पाता हैअक्सर।
जिन रिश्तों के लिए जीवन का एक युग न्योछावर किया था ,
वहाँ अभी भी अपने को प्रमाणित ही करना पड़ता है उसे ।
पैसों की चकाचौंध ने छोड़वाया था उससे दोस्तों का साथ,
आज उम्र के इस पड़ाव में बस थोड़ा सा
साथ चाहता है उनका ।
खोजता फिर रहा है वो अपने शहर की गलियों
में सुकून की छाँव
पर दिलों में बंजर पड़ गये उन रिश्तों से
कैसे पायेगा वो सुकून की छाँव ।
पिता के बनाए घर की दीवारें भी कहाँ पहचानतीं हैं उसे ,
शायद किसी अजनबी से ही भेंट किया था आज उन्होंने।
घर के बगीचे के कोने में जंग लगे झूले पर बैठा है वो,
उसे देख चीख रहीं थी घर की बदरंग नोनीं खाई दीवारें भी ।
ऊंचे ओहदे की उस कुर्सी के पॉवर ने चौंधिया दिया था उसे ,
पिता के इसरार पर माँ के श्राद्ध पर आया था वो भी अकेले ।
पिता के जाने की खबर पड़ोसियों ने दी थी दूरभाष पर,
माँ के श्राद्ध पर ही कर आया था अभागा निबंधन निगम में
पिता के अंतिम विदाई की ।
आज वो अपने शहर वापस लौटकर आया है अपने उस घर में ,
पर दोस्तों के संग घर की ये दीवारें भी अनजानी सी लग रहीं उसे ।।

आज का दोहा

दिवस बितावे काम में, उकड़ू काटे रात।
पता नहीं क्या रात भर, करे पेट से बात।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 7209453444, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

न्यायिक तंत्र पर अतिरिक्त बोझ बनी आर्बिट्रल प्रक्रिया : उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि हमारे देश में आर्बिट्रल प्रक्रिया सामान्य न्यायिक तंत्र पर एक अतिरिक्त बोझ बन गई है। धनखड़ नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (आईआईएसी) द्वारा आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आर्बिट्रेटर भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जितनी कि बार से जुड़े सदस्य। आश्चर्यजनक रूप से और मैं यह बहुत ही संयमित तरीके से कह रहा हूं कि आर्बिट्रल प्रक्रिया निर्धारण से जुड़े एक वर्ग के एक हिस्से पर पूरी तरह से सख्त नियंत्रण है। यह सख्त नियंत्रण न्यायिक शक्तियों से उत्पन्न होता है। यदि हम इसे वस्तुनिष्ठ रूप से देखें तो यह अत्यधिक दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि इस देश के पास हर क्षेत्र में समृद्ध मानव संसाधन हैं। महासागर विज्ञान, समुद्रविज्ञान, विमानन, बुनियादी ढांचा और क्या नहीं। और जो विवाद हैं, वे अनुभव से संबंधित होते हैं, जो क्षेत्रीय होते हैं। दुर्भाग्यवश, हमने इस देश में आर्बिट्रेशन को केवल एक संकीर्ण दृष्टिकोण से देखा है, जैसे कि यह न्यायिक निर्णय है। यह न्यायिक निर्णय से कहीं अधिक है। यह पारंपरिक निर्णय नहीं है जैसा कि वैश्विक स्तर पर ऐतिहासिक रूप से मूल्यांकन किया गया है।

मतभेदों के समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आइए हम यह कदम दर कदम करें, क्योंकि अब समय आ गया है, वैकल्पिक समाधान से लेकर आपसी समाधान की ओर बढ़ें। यह पहले विकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर आर्थिक गतिविधि में भिन्नताएं, विवाद उत्पन्न होते हैं, जिन्हें त्वरित समाधान की आवश्यकता होती है। कभी-कभी विवाद और भिन्नताएं धारणाओं में अंतर, अपर्याप्त समर्थन या असमर्थता के कारण उत्पन्न होती हैं। इस स्थिति में यह महत्वपूर्ण है कि हम न्यायिक निर्णय पर ध्यान केंद्रित करें।

देश के अटॉर्नी जनरल इस पर विचार कर सकते हैं और बड़ा बदलाव ला सकते हैं

आर्बिट्रेशन में क्षेत्र विशेषज्ञों की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि देश के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने यह टिप्पणी की थी कि प्रक्रिया अब पुराने दोस्तों का क्लब बन गई है। वह सेवानिवृत्त न्यायधीशों की आर्बिट्रल प्रक्रिया में भागीदारी को लेकर कह रहे थे। उन्होंने कहा कि वह स्पष्ट करना चाहते हैं कि इस देश के सेवानिवृत्त न्यायधीश आर्बिट्रल प्रक्रिया के लिए ऐसेट हैं। वे हमें विश्वसनीयता प्रदान करते हैं। आर्टिकल 136 के उपयोग और इसके आर्बिट्रल प्रक्रिया पर प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए धनखड़ ने कहा कि देश के अटॉर्नी जनरल वास्तव में इस पर विचार कर सकते हैं और बड़ा बदलाव ला सकते हैं। दुनिया में ऐसा कौन सा देश है, जहां उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वत: संज्ञान लिया जाता है? मुझे यकीन है, मैं किसी और देश में नहीं देख सकता। आर्बिट्रेशन प्रणाली के विकास को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए धनखड़ ने कहा कि अब वह समय आ गया है, जब भारत हर क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उभर रहा है।

महाकुंभ के बाद पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने किया संगम स्नान

एजेंसी। महाकुंभ

महाकुंभ मेले में रिकॉर्ड 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं को गंगा और संगम में स्नान कराने के बाद मेले से जुड़े प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को संगम में डुबकी लगाई। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने अपने अनुभव साझा करते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मेले के दौरान किसी भी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी को गंगा स्नान करने का अवसर नहीं मिला। आज सभी ने मिलकर स्नान किया.. बहुत अच्छा लगा। वहीं प्रयागराज के जिला मजिस्ट्रेट रवींद्र मांदड़ ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''त्रिवेणी संगम में स्नान करना अपने आप में दिव्य अनुभूति है। आज सभी अधिकारियों को एक साथ स्नान का मौका मिला और हम भी पुण्य लाभ के भागी बने। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन के सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी एक साथ संगम तट पर एकत्रित हुए और संगम में डुबकी लगाई। मांदड़ ने बताया कि अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर, पुलिस आयुक्त तरुण गाबा, मंडलायुक्त (प्रयागराज) विजय विश्वास पंत, पुलिस उप महानिरीक्षक (महाकुंभ) वैभव कृष्ण, मेलाधिकारी (महाकुंभ) विजय किरण आनंद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (महाकुंभ) राजेश द्विवेदी और पुलिस एवं प्रशासन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे।

इनोवेशन की भूमि के रूप में उभर रहा है भारत : प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया की नई फैक्ट्री और अनंत इनोवेशन की भूमि के रूप में उभर रहा है। देश की राजधानी में एक मीडिया इवेंट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया 21वीं सदी के भारत को देख रही है और सीखना एवं समझना चाहती है कि कैसे देश सेमीकंडक्टर से लेकर एयरक्राफ्ट कैरियर मैन्युफैक्चर कर रहा है।

भारत को पहले बैक ऑफिस के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब भारत दुनिया की नई फैक्ट्री के रूप में उभर रहा है। हमारा देश केवल वर्कफोर्स नहीं रहा है, बल्कि वर्ल्ड फोर्स बन गया है।

उन्होंने आगे कहा कि देश जो एक समय काफी सारे उत्पादों का आयात करता था, अब बड़ा निर्यातक बन गया है। भारत द्वारा हल्दी से लेकर कॉफी और मिलेट्स से लेकर मखाना तक का निर्यात किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक, देश के मोबाइल फोन, डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों और दवाइयों को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है।

उन्होंने कहा, "भारत न केवल दुनिया को उत्पाद उपलब्ध करा रहा है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय भागीदार भी बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे बताया, "वर्षों की कड़ी मेहनत और व्यवस्थित नीतिगत निर्णयों के कारण भारत अब कई वैश्विक पहलों का नेतृत्व कर रहा है।"इसमें फ्रांस में हालिया एआई एक्शन शिखर सम्मेलन शामिल है, जहां भारत सह-मेजबान था और अब इसकी मेजबानी भी करेगा। उन्होंने आगे कहा कि देश ने अपनी अध्यक्षता के दौरान सफल जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर को एक नए आर्थिक मार्ग के रूप में पेश किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत किफायती, सुलभ और आसानी से अपनाए जाने वाले सॉल्यूशंस भी बना रहा है। इसमें सुरक्षित और कम लागत वाला डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) और घातक कोविड-19 महामारी के दौरान टीके शामिल हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने भारत के ऑटोमोबाइल, स्पेस और उभरते हुए सेक्टर जैसे एआई के बारे में भी बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भारत अगले 25 वर्षों में एक विकसित राष्ट्र बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश के हरदोई में ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में शनिवार को एक बार फिर दो अराजक तत्वों की खौफनाक साजिश का खुलासा हुआ। दोनों आरोपी ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश कर रहे थे। उन्हें पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हरदोई के सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने बताया कि शनिवार को आरपीएफ ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी कि हरदोई और कौढ़ा रेलवे स्टेशनों के मध्य दो युवकों द्वारा एक पत्थर और नट-बोल्ट को उठाकर ट्रैक पर रखा जा रहा है। आरपीएफ ने दो संदिग्धों को पकड़कर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच के उपरांत जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। दोनों युवकों से पूछताछ में साजिश से जुड़ी अन्य जानकारियां भी जुटाई जा रही हैं। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस साजिश में कोई अन्य शामिल है या नहीं।

पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

दिल्ली में प्रदूषण रोकने को लेकर सरकार का बड़ा फैसला

एजेंसी। नई दिल्ली

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बड़ी बैठक की। बैठक के बाद मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि 31 मार्च के बाद 15 साल पुराने वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुछ बड़े होटल, कुछ बड़े कार्यालय परिसर, दिल्ली हवाई अड्डा, बड़े निर्माण स्थल हैं। हम उन सभी के लिए अपने यहां प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तुरंत एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं।' हम दिल्ली की सभी ऊंची इमारतों में स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं।

मंत्री ने आगे बताया कि हम दिल्ली के सभी होटलों में स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं। इसी तरह, हम इसे सभी व्यावसायिक परिसरों के लिए अनिवार्य बनाने जा रहे हैं। हमने आज निर्णय लिया है कि क्लाउड सीडिंग के लिए हमें जो भी अनुमति चाहिए, हम लेंगे और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जब दिल्ली में गंभीर प्रदूषण हो, तो क्लाउड सीडिंग के माध्यम से बारिश कराई जा सके और प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। सिरसा ने पर्यावरण विभाग, एमसीडी और एनडीएमसी के साथ बैठक की। इससे पहले सिरसा ने अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा, हमारा मिशन स्वच्छ हवा और पानी सुनिश्चित करके दिल्ली को एक स्वस्थ शहर बनाना है और हम इस दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शहर में प्रमुख पर्यावरण परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। कचरा प्रबंधन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, दिल्ली में कूड़े के बड़े पहाड़ हैं, जिन्हें अरविंद केजरीवाल का प्रशासन 10 वर्षों में नहीं हटा सका। हमारी सरकार के तहत एक वर्ष के भीतर इन्हें साफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, अगर दशरथ मांझी पहाड़ काटकर सड़क बना सकते हैं, तो हम निश्चित रूप से कूड़े के ढेर हटा सकते हैं। हम उनके दृढ़ संकल्प से प्रेरणा लेते हैं।

पंजाब से मंगायी गयी 3500 लीटर विदेशी शराब बरामद

पूर्वी चंपारण। जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार की रात्रि ढाई बजे गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए 3500 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। जानकारी के अनुसार बरामद शराब पंजाब से टैंकर लारी के चैबर में छुपाकर लाया जा रहा था।पुलिस ने मौके से एक टैंकर लॉरी और पिकअप वाहन भी जब्त किया है। हालांकि तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि होली पर्व को लेकर पंजाब से मंगाई गई शराब की बड़ी खेप मेहसी के सुलसाबाद मार्ग स्थित पुराने कोल्ड स्टोर के समीप आने वाली है। जिसके बाद चकिया डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में मेहसी थाना के सशस्त्र बल के जवानो ने घेराबंदी करते हुए बेलोरो पिकप गाड़ी पर 394 कार्टून में लदी कुल 3,533 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया।

आज का राशिफल

मेष : व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग।

वृष : सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

मिथुन : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

कर्क : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

सिंह : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कन्या : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

तुला : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

वृश्चिक : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

धनु : सुख आरोग्य प्रभावित होगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

मकर : स्वविवेक से कार्य करें। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे।

कुंभ : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मीन : श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

देश के प्रथम गांव माणा में हुए हिमस्खलन में 55 श्रमिकों में से पांच की तलाश जारी

● -भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने माणा हिमस्खलन रेस्क्यू अभियान का लिया जायजा

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ से करीब छह किमी दूर माणा हिमस्खलन क्षेत्र में रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। सेना के हेलीकॉप्टर के माध्यम से राहत एवं बचाव दल को मौके पर पहुंचाया जा रहा है। सेना के आधिकारिक बयान के अनुसार, अब तक 50 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें से चार की मृत्यु हो चुकी है, जबकि शेष पांच श्रमिकों की तलाश जारी है। गौरतलब है कि 28 फरवरी को हुए इस हिमस्खलन में सीमा सड़क संगठन (BRO) के 55 श्रमिक फंस गए थे। सेना और बचाव दल ने शुक्रवार से ही खोज एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया था। शनिवार अब तक 50 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

आज जीओसी-इन-सी, मध्य कमान लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेन गुप्ता और जीओसी उत्तर भारत क्षेत्र लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा ने माणा हिमस्खलन क्षेत्र का दौरा कर बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी टीमों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेन गुप्ता ने बताया कि शेष पांच श्रमिकों की खोज के लिए विशेष रेको राडार, यूएवी (ड्रोन), क्वाडकॉप्टर और हिमस्खलन बचाव कुत्तों को तैनात किया गया है। इसके अलावा, हेलीकॉप्टरों के जरिए भी सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

उन्होंने बताया कि अत्यधिक बर्फबारी से मार्ग अवरुद्ध होने के कारण 6 हेलीकॉप्टरों की तैनाती की गई है, जिनमें भारतीय सेना विमानन के 3 चीता हेलीकॉप्टर, भारतीय वायु सेना के 2 चीता हेलीकॉप्टरऔर सेना द्वारा किराए पर लिया गया एक नागरिक हेलीकॉप्टर शामिल है। बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए सेना और अन्य एजेंसियां लगातार प्रयासरत हैं।

उत्तराखंड के हिमस्खलन में घायल मजदूरों से धामी ने की मुलाकात

गोपेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को चमोली जिले के ज्योतिर्मठ पहुंचे। जहां उन्होंने बदरीनाथ धाम के माणा क्षेत्र में हुए हिमस्खलन में घायल हुए मजदूरों से सेना के अस्पताल में मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इन घायल मजदूरों को रेस्क्यू करने के बाद ज्योतिर्मठ स्थित अस्पताल लाया गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने घटना स्थल का हवाई निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जो लोग रेस्क्यू किए गए हैं उनको ज्योतिर्मठ लाया जा रहा है। सभी का उपचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घायलों को हर संभव सहायता देने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने आर्मी हास्पिटल में उपचारधीन मजदूरों से मुलाकात कर हालचाल जाना। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि खोज बचाव कार्य में किसी प्रकार आवश्यक संसाधनों की कमी न रहे जो भी आवश्यकताएं हैं उनको समय से चिन्हित किया जाए।

'कन्नड़ नहीं तो बिजनेस नहीं' भाषा विवाद के बीच कर्नाटक सरकार का आदेश

एजेंसी। कन्नड़

कन्नड़ भाषा को बढ़ावा देने और इसके व्यापक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए, कर्नाटक सरकार ने एक निर्देश जारी किया है कि राज्य में निर्मित सभी औद्योगिक और उपभोक्ता उत्पादों को अन्य भाषाओं के साथ-साथ कन्नड़ में अपने नाम और उपयोग निर्देश प्रदर्शित करने होंगे। फरवरी में जारी एक सर्कुलर में सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि यह निर्देश सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र के निर्माताओं पर लागू होता है। परिपत्र में भूमि की संस्कृति, परंपरा और मूल्यों को प्रतिबिंबित करने में भाषा के महत्व पर जोर दिया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार, सर्कुलर में कहा गया है कि इसके द्वारा निर्देशित किया जाता है कि राज्य के भीतर सरकारी और निजी क्षेत्रों में निर्मित सभी औद्योगिक और उपभोक्ता उत्पादों पर अन्य भाषाओं के साथ-साथ कन्नड़ में नाम और उपयोग के निर्देश अनिवार्य रूप से मुद्रित होने चाहिए। इस निर्देश का कार्यान्वयन कन्नड़ भाषा व्यापक विकास अधिनियम, 2022 की धारा 9 के तहत नामित अधिकारियों के दायरे में आता है। इन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि सभी निर्माता दिशानिर्देशों का पालन करें। इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कन्नड़ को फलने-फूलने के लिए, उत्पादन और विपणन सहित व्यावसायिक गतिविधियों में भाषा को सक्रिय रूप से शामिल करना चाहिए।

फुफेरी बहन से विवाद होने के बाद बालक ने की आत्महत्या

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के सिकंदरा थाना इलाके में कथित तौर पर फुफेरी बहन से विवाद होने के बाद चौथी कक्षा में पढ़ने वाले 11 वर्षीय एक बालक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार थाना सिकंदरा इलाके के सूरकुटी में छात्र अमित (11) ने शुक्रवार की शाम आत्महत्या कर ली। अमित बांदा का रहने वाला था और अपने फूफा के यहां रहकर पिछले चार साल से पढ़ाई कर रहा था। सूरकुटी स्थित एक विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश कुमार उसके फूफा थे। पुलिस ने बताया कि अमित अपनी हम उम्र फुफेरी बहन के साथ बॉल खेल रहा था। खेलने के दौरान बॉल खो गई जिसकी वजह से दोनों के बीच विवाद हो गया और उसने अमित को एक चांटा मार दिया। इसी बात को लेकर अमित ने शुक्रवार शाम को कमरे में जा कर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। हरीपर्वत क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) आदित्य ने बताया कि 11 साल के बच्चे का खुदकुशी करना एक गंभीर बात है, इसलिए इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है। एसीपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

रमजान से पहले रायबरेली में चला लाउडस्पीकर जांच अभियान

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में रमजान से पहले पुलिस ने मस्जिदों में लाउडस्पीकरों की जांच के लिए अभियान चलाया है। पुलिस ने सभी मस्जिदों में ध्वनि स्तर की जांच की। साथ ही सभी मानकों का पालन करने का निर्देश दिया। पुलिस के क्षेत्राधिकारी अमित सिंह ने बताया कि रमजान की शुरुआत से पहले मानक के अनुसार लाउडस्पीकर की जांच का अभियान चलाया गया है। शासन से जो मानक दिए गए हैं, उसी आधार पर अनुमति दी जाती है। मानक और परमिशन के आधार पर ही कार्य होते हैं।

सीएम नीतीश कुमार ने 59 हजार विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपा

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को 59,028 विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसके तहत 55,845 प्रारंभिक शिक्षक, 2,532 माध्यमिक शिक्षक तथा 651 उच्च माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने नीलम कुमारी, रुस्तम अली, नीलू राय, अच्युत कुमार तथा दीपक कुमार तिवारी को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि आप बेहतर ढंग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहें। जब हम लोगों को बिहार में काम करने का मौका मिला, तब से शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी के लिए कई कदम उठाए गए। शिक्षकों की कमी को देखते हुए वर्ष 2006-07 से पंचायत एवं नगर निकायों के माध्यम से बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। इसके बाद वर्ष 2023 के बाद से सरकारी शिक्षकों की बहाली के लिए बिहार लोक सेवा आयोग ने परीक्षा ली, जिसमें 28 हजार नियोजित शिक्षक भी उत्तीर्ण कर सरकारी शिक्षक बने। उन्होंने कहा कि नियोजित शिक्षकों के लिए जब अलग से परीक्षा का निर्णय लिया गया तब से दो सक्षमता परीक्षा में 2.53 लाख से अधिक नियोजित शिक्षक उत्तीर्ण हुए, जिनकी सरकारी शिक्षक के रूप में बहाली हो गई है। अब मात्र 86 हजार नियोजित शिक्षक बचे हुए हैं, जो परीक्षा उत्तीर्ण कर जल्द ही सरकारी शिक्षक के रूप में बहाल हो जाएंगे। यहां 100 विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है, शेष लोगों को जिलों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 66,800 शिक्षक तथा 42,918 प्रधानाध्यापक उत्तीर्ण हुए हैं, जिन्हें जल्द ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। अब बिहार में सरकारी शिक्षकों की कुल संख्या 5.80 लाख से ज्यादा हो गई है। हम लोगों ने शुरू से ही सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया है। महिलाओं के उत्थान के लिए भी कई कार्य किए गए हैं। सभी क्षेत्रों में महिलाएं आगे आ रही हैं। शिक्षक के रूप में बड़ी संख्या में महिलाएं बहाल हुई हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री से भी शिक्षण कार्य पर निरंतर निगरानी रखने की बात कही।

पटना समेत प्रमंडल के छह जिलों को मिलेगी जाम से मुक्ति

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना समेत पूरे प्रमंडल को ही जाम से मुक्ति दिलाने का मास्टर प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने अपनी प्रगति यात्रा के तहत पटना, बक्सर, रोहतास, कैमूर, भोजपुर और नालंदा को जाम से राहत दिलाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। इनमें सड़कों को चौड़ा करना, नए पुलों-फ्लाईओवरों का निर्माण, वैकल्पिक मार्गों और भूमिगत बिजली व जल निकासी की व्यवस्था करना शामिल है।

● मुख्यमंत्री नीतीश ने खुद संभाली कमान

पटना में सुगम यातायात की ओर कदम : राजधानी पटना में ट्रैफिक जाम की सबसे बड़ी वजह संकीर्ण सड़कें, अव्यवस्थित बिजली तार और जलजमाव है। इसे देखते हुए दानापुर-नेहरू पथ से गोला रोड तक सड़क चौड़ीकरण किया जाएगा, जिससे दानापुर और बेली रोड क्षेत्र में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। जे.पी. गंगा पथ का विस्तार कोइलवर से मोकामा तक किया जाएगा। इससे राजधानी के बाहरी इलाकों से आने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। पटना-गया रोड को सादिकपुर-पभेड़ा-मसौढ़ी पथ से जोड़ा जाएगा। इससे गया और जहानाबाद जाने को बाइपास मिलेगा और मुख्य सड़कों पर दबाव कम होगा। बक्सर में ट्रैफिक सुधारः बक्सर में रामरेखा घाट के आधुनिकीकरण के साथ नए सड़क मार्ग विकसित किए जाएंगे।

साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराया

एजेंसी। नई दिल्ली

चैम्पियंस ट्रॉफी में साउथ अफ्रीका का सामना इंग्लैंड से हुआ। साउथ अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा और टोनी डी जोरजी बीमार होने के चलते इस मुकाबले से बाहर रहे। बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्करम ने कप्तानी का दायित्व निभाया।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के मैच नंबर-11 में साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड की टक्कर हुई। ग्रुप-बी का यह मुकाबला कराची के नेशनल स्टेडियम में खेला गया, जिसमें अफ्रीकी टीम ने सात विकेट से जीत हासिल की। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 180 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 29.1 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने ग्रुप-बी में पहला स्थान किया और यह टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया ने भी सेमीफाइनल में एंट्री की। जबकि ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम सेमीफाइनल में किससे भिड़ेगी, ये अब तक क्लियर नहीं हुआ है। रविवार को न्यूजीलैंड-भारत के मुकाबले के बाद पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। टारगेट का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साउथ अफ्रीका ने तीसरे ही ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स (0) का विकेट गंवा दिया, जो जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद आर्चर ने दूसरे ओपनर रयान रिकेल्टन की भी गिल्लियां उड़ा दीं। रिकेल्टन ने 5 चौकों की मदद से 25 गेंदों पर 27 रन बनाए. यहां से रस्सी वैन डर डुसेन और हेनरिक क्लासेन ने मिलकर शतकीय पार्टनरशिप की, जिसने साउथ अफ्रीका का काम आसान कर दिया।

● जानसेन-मुल्डर का कहर, जो रूट ने बनाए सबसे ज्यादा रन

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लिश टीम 38.2 ओवरों में 179 रनों पर ढेर हो गई। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। उसे पहले ही ओवर में फिल सॉल्ट के रूप में शुरुआती झटका लगा। सॉल्ट (8) को तेज गेंदबाज मार्को जानसेन ने रस्सी वैन डर डुसेन के हाथों कैच आउट कराया। फिर मार्को जानसेन ने जेमी स्मिथ (0) को एडेन मार्करम के हाथों कैच आउट करा दिया। जानसेन की तूफानी बॉलिंग जारी रही और उन्होंने फॉर्म में चल रहे बेन डकेट को भी पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। डकेट ने चार चौकों की मदद से 21 गेंदों पर 24 रन बनाए।

37 रनों पर तीन विकेट गिरने के बाद जो रूट और हैरी ब्रूक ने पारी को संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 62 रनों की पार्टनरशिप हुई। केशव महाराज ने ब्रूक (19) को मार्को जानसेन के हाथों कैच आउट कराकर इस पार्टनरशिप को तोड़ा। फिर वियान मुल्डर ने जो रूट को बोल्ड कर दिया, जो शानदार बैटिंग कर रहे थे। रूट ने चार चौके और एक सिक्स की मदद से 44 गेंदों पर सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। फिर लियाम लिविंगस्टोन (9) भी केशव महाराज की फिरकी में फंस गए।

आर्मंड डुप्लांटिस ने 11वीं बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने फ्रांस के क्लेरमोंट-फेरैंड में ऑल-स्टार पर्च मीट में 6.27 मीटर की छलांग लगाकर 11वीं बार विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड तोड़ दिया।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन ने अगस्त में सिलेसिया में बनाए गए 6.26 के अपने पिछले वैश्विक रिकॉर्ड को तोड़ने के अपने पहले प्रयास में रिकॉर्ड ऊंचाई को पार किया, जिससे ट्रैक-साइड आतिशबाजी की चमक से अखाड़ा जगमगा उठा। डुप्लांटिस ने संवाददाताओं से कहा, "मुझे वाकई बहुत अच्छा लगा। मैं क्या कह सकता हूं, मैं इसे करने के लिए यहां आया था। मैंने इसे करने के लिए सब कुछ तैयार कर लिया। रन-अप वास्तव में बहुत अच्छा रहा। मैंने बस इसे कर दिखाया।"

इमैनौइल करालिस 6.02 मीटर के ग्रीक रिकॉर्ड क्लीयरेंस के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि छह पुरुषों ने पहली बार एक ही प्रतियोगिता में 5.91 मीटर या उससे अधिक की क्लीयरेंस की। 25 वर्षीय डुप्लांटिस जिन्होंने पहले दिन अपने उपनाम "मोंडो" के तहत अपना पहला गाना "बॉप" रिलीज़ किया था - ने आसानी से 5.65 मीटर, 5.91 मीटर, 6.02 मीटर और 6.07 मीटर की ऊंचाई को पार किया और जीत हासिल करने के साथ ही, उन्होंने अपने विश्व रिकॉर्ड प्रयास के लिए बार को 6.27 तक बढ़ा दिया।

उनके रिकॉर्ड जंप के दौरान एरिना के साउंड सिस्टम पर उनका गाना बज रहा था। उन्होंने कहा, "जब मैंने कुछ महीने पहले यह गाना बनाया था, तो मुझे लगा कि यह यहां कूदने के लिए एकदम सही गाना होगा।

6.27 मीटर की छलांग लगाकर 11वीं बार विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड तोड़ दिया।

डेविडोविच फोकिना माचैक ऐतिहासिक मैक्सिकन ओपन फाइनल में भिड़ेंगे

अकापुल्को। एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना की उल्लेखनीय दृढ़ता ने उन्हें मैक्सिकन ओपन में अपने पहले एटीपी टूर खिताब के कगार पर पहुंचा दिया है। पहले दौर में मैटिया बेलुची के खिलाफ चार मैच प्वाइंट से बचने वाले स्पैनियार्ड ने एरिना जीएनपी सेगुरोस में एक रोमांचक सेमीफाइनल में फॉर्म में चल रहे डेनिस शापोवालोव को 7-6(3), 7-6(1) से हराया।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

करुण नायर ने विदर्भ को मजबूत स्थिति में पहुंचाया

नागपुर(आईएएनएस)। विदर्भ के फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज करुण नायर ने केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और दूसरी पारी में शतक जड़कर अपनी टीम को शनिवार को जामथा के वीसीए स्टेडियम में खिताब जीतने की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

चौथे दिन दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए नायर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए, जब केरल की शुरुआती सफलताओं के बाद टीम 7/2 पर लड़खड़ा रही थी। रात की 37 रन की पहली पारी की बढ़त में इजाफा करते हुए, दानिश मालेवार के साथ एक बार फिर साझेदारी की - इससे पहले मैच में 215 रन की शानदार साझेदारी में उनके सहयोगी रहे - नायर ने 184 गेंदों पर शानदार शतक जड़कर केरल की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस साझेदारी ने दिन के अंतिम सत्र में अपनी बढ़त को 200 से अधिक तक पहुंचा दिया।

यह 2013-14 में कर्नाटक के लिए पदार्पण करने के बाद से चार मैचों में रणजी ट्रॉफी फाइनल में नायर का दूसरा शतक था। पहली पारी में, उन्होंने अपने 152वें मैच में 8,000 प्रथम श्रेणी रन पूरे किए और पहली बार, एक रणजी ट्रॉफी सीजन में 800 रन पार किए।

जर्मन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची ध्रुव कपिला, तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी

नई दिल्ली। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां चीन के गाओ जिया झुआन और वू मेंग यिंग को सीधे सेटों में हराकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 21-14, 21-17 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी का अंतिम चार में मुकाबला इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशर्जंतो और ग्लोरिया एमानुएल विदजाजा से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ड से 12-21, 12-21 से हारकर महिला एकल क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गईं। थारुण मन्नेपल्ली भी पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में टोमा जूनियर पोपोव से 16-21, 21-17, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

सेमीफाइनल से पहले गेंदबाजों को फ्रेश रखना जरूरी : रयान टेन डेशकाटे

दुबई (आईएएनएस)। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अंतिम लीग चरण मैच और सेमीफाइनल के बीच केवल एक दिन का अंतर है। ऐसे में टीम के सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे का मानना है कि गेंदबाजों को ताजा बनाए रखना काफी अहम होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के लिए वे संयोजन में अधिक छेड़छाड़ नहीं करने वाले हैं। न्यूजीलैंड ने भी सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है, लेकिन रविवार को होने वाला मैच तय करेगा कि कौन ग्रुप ए में शीर्ष पर रहेगा। टेन डेशकाटे ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हमने दो कड़े ट्रेनिंग सेशन किए हैं, यही हमारी तैयारी रही है। जहां तक बेंच स्ट्रेंथ का सवाल है, तो हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दूसरे मैच के लिए उपलब्ध और पूरी तरह फिट हों।

भारत की नजर आईसीसी टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत की हैट्रिक पर

दुबई (आईएएनएस)। रविवार को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप स्टेज का आख़िरी मैच खेला जाएगा - जिसमें भारत और न्यूजीलैंड के बीच भिड़ंत होगी। वैसे तो ये दोनों ही टीमें सेमीफाइनल में जगह बना चुकी हैं, लेकिन ये मुक़ाबला तय करेगा कि ग्रुप ए की टेबल टॉपर न्यूजीलैंड की टीम होगी या फिर टीम इंडिया रहेगी शीर्ष पर।

● आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों के बीच रोमांचक टक्कर

भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक 11 बार आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में टक्कर हो चुकी है, और मजेदार बात ये है कि दोनों ही टीमों के बीच आंकड़ा भी करीब-करीब एक समान है। बात अगर वनडे विश्व कप की करें तो यहां इन दोनों के बीच हुए 10 मुकाबले में पांच बार बाजी भारत ने मारी है, तो न्यूजीलैंड भी पांच बार विजेता रहा है।

भारतीय टीम में हर कोई फिट, बदलाव की उम्मीद कम : केएल राहुल

दुबई (आईएएनएस)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल का कहना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने जा रहे चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के लिए मोहम्मद शमी और रोहित शर्मा दोनों ही उपलब्ध होंगे। पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान शमी मुश्किल में दिखे थे और उन्होंने अपना कोटा पूरा नहीं किया था। रोहित को भी हैमस्ट्रिंग में समस्या महसूस हुई थी। हालांकि भारतीय टीम एक हफ्ते के लंबे ब्रेक के बाद मैदान पर उतरने वाली है। राहुल ने कहा, "मुझे इस बारे में अधिक जानकारी नहीं है, लेकिन इतना पता है कि हर कोई ठीक है। मुझे जहां तक पता है किसी के भी मैच मिस करने की चिंता नहीं है।

गुकेश करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 3 पर पहुंचे प्रज्ञानानन्दा फिडे रैंकिंग में शीर्ष 10 में लौटे

नई दिल्ली(आईएएनएस)। भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी. गुकेश अपनी शानदार प्रगति जारी रखते हुए शनिवार को जारी फिडे क्लासिकल रेटिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 3 पर पहुंच गए। इस बीच, आर. प्रज्ञानानन्दा ने शीर्ष 10 में फिर से प्रवेश किया है, जो वैश्विक मंच पर भारतीय शतरंज के मजबूत पुनरुत्थान का प्रतीक है।

मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में चीन के डिंग लिरेन पर अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद से असाधारण फॉर्म में हैं। 18 वर्षीय खिलाड़ी ने 10 अंक हासिल कर 2787 रेटिंग हासिल की, उन्होंने हमवतन अर्जुन एरिगैसी और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को पीछे छोड़ दिया। अब वह विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा (2802) और लंबे समय से शीर्ष पर चल रहे मैग्नस कार्लसन (2833) से पीछे हैं।

गुकेश की यह तेजी तब देखने को मिली जब वह विज्क आन जी में टाटा स्टील मास्टर्स में टाईब्रेक में प्रज्ञानानन्दा से मामूली अंतर से हार गए। एरिगैसी, जो पहले शीर्ष भारतीय स्थान पर थे, 2777 रेटिंग के साथ 5वें स्थान पर खिसक गए हैं। प्राग मास्टर्स में वर्तमान में प्रतिस्पर्धा कर रहे प्रज्ञानानन्दा जुलाई 2023 के बाद पहली बार शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं। टाटा स्टील मास्टर्स में उनकी जीत ने उन्हें 17 अंक हासिल करने में मदद की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

बैंकिंग प्रणाली में वापस आए 2000 रुपए के 98.18 फीसदी नोट : आरबीआई

19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शनिवार को कहा कि 2000 रुपये के 98.18 फीसदी नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि अब सिर्फ 6,471 करोड़ रुपये मूल्य के दो हजार रुपये के ऐसे नोट जनता के पास हैं।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि दो हजार रुपये के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने जारी बयान में बताया कि 19 मई, 2023 तक प्रचलन में मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों में से 98.18 फीसदी बैंकिंग प्रणाली में वापस आ 2023 को कारोबार बंद होने पर प्रचलन में मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 28 फरवरी, 2025 को कारोबार बंद होने पर घटकर 6,471 करोड़ रुपये रह गया है। रिजर्व बैंक के मुताबिक दो हजार रुपये के नोट जमा करने या बदलने की सुविधा 07 अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी।

1,200 में से 1,100 सरकारी योजनाओं में डीबीटी के जरिए लोगों तक पहुंच रही सरकारी मदद : वित्त मंत्री

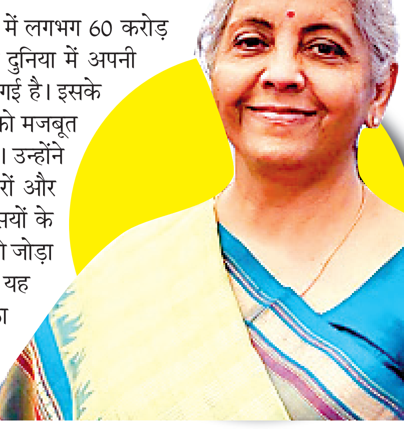

नई दिल्ली(आईएएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की 1,200 योजनाओं में से 1,100 में डायरेक्टर बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) सिस्टम के जरिए लोगों तक लाभ पहुंच रहा है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि डीबीटी से यह सुनिश्चित होता है कि धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित हो, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो और देरी कम हो। राष्ट्रीय राजधानी में 49वें सिविल लेखा दिवस समारोह में बोलते हुए मंत्री ने कहा, "अब हर चीज के लिए सीधे भुगतान किया जा रहा है और इसमें कोई बिचौलिया नहीं है और किसी अजन्मे बच्चे को भत्ता नहीं मिल रहा है।" वित्त मंत्री ने कहा कि धनराशि प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के पास बायोमेट्रिक सत्यापित खाता होता है, जिसमें धनराशि ट्रांसफर की जाती है। उन्होंने आगे कहा, "सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) ने डीबीटी को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" वित्त मंत्री ने कहा कि यह प्रणाली सरकार को यह सुनिश्चित करने में सक्षम बनाती है कि धनराशि बिना किसी अनियमितता के सही लाभार्थियों तक पहुंचे।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि पीएफएमएस वर्तमान में लगभग 60 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है, जिससे यह दुनिया में अपनी तरह की सबसे बड़ी वित्तीय प्रबंधन प्रणाली बन गई है। इसके संपूर्ण डिजिटलीकरण फीचर ने वित्तीय प्रशासन को मजबूत किया है और फंड वितरण में जवाबदेही बढ़ाई है। उन्होंने आगे कहा कि पीएफएमएस ने 31 राज्य कोषागारों और 40 लाख से अधिक कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ काम करते हुए राज्यों की वित्तीय प्रणालियों को जोड़ा है। वित्त ने कहा, "अपने व्यापक नेटवर्क के साथ, यह प्रणाली यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि सरकारी धन का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए और उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।"

शेयर बाजार

शेयर बाजार में गिरावट निवेशकों के लिए खरीदारी का अच्छा मौका : एक्सपर्ट

मुंबई(आईएएनएस)। शेयर बाजार में लेहमन ब्रदर्स, डिमोनेटाइजेशन और कोविड के समय आई गिरावट में एक बात सामान्य थी कि यह सभी खरीदारी के अच्छे मौके थे। इस कारण मौजूदा शेयर बाजार की गिरावट को निवेशकों को एक मौके के रूप में देखना चाहिए। यह बयान जानकारों ने शनिवार को दिया। कैपिटलमाइंड रिसर्च में सीनियर एनालिस्ट, कृष्णा अप्पाला ने कहा कि मौजूदा शेयर बाजार की गिरावट काफी पीड़ादायक है, लेकिन इतिहास सिखाता है कि यह खरीदारी का अच्छा मौका है। कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांकों में इस हफ्ते 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई है। इस गिरावट की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ऐलान माना जा रहा है।

तुहिन कांत पांडेय ने सेबी चेयरमैन का कार्यभार संभाला

मुंबई/नई दिल्ली। तुहिन कांत पांडेय ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के 11वें चेयरमैन के तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया। अबतक वित्त सचिव के रूप में कार्य कर रहे आईएएस अधिकारी पांडेय को केंद्र सरकार ने गुरुवार को सेबी का चेयरमैन नियुक्त किया था। तुहिन कांत पांडेय शनिवार को दोपहर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) व्यापारिक जिले में स्थित सेबी के मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद उन्होंने कार्यभार संभाला। उन्होंने माधबी पुरी बुच की जगह ली है, जिनका तीन साल का कार्यकाल शुक्रवार को समाप्त हो गया। पांडेय के कार्यभार संभालने के अवसर पर माधवी पुरी बुच मौजूद नहीं थीं, जो अस्वस्थ बताई जा रही हैं। बुच हाल ही में कथित हितों के टकराव को लेकर पिछले कुछ समय से चर्चा में रही हैं।

महिंद्रा की बिक्री फरवरी में 15 प्रतिशत बढ़ी, ट्रैक्टर सेल्स में आया उछाल

मुंबई(आईएएनएस)। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार बताया कि कंपनी की कुल ऑटो बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 83,702 यूनिट्स (निर्यात सहित) रही है। कंपनी ने बताया कि बीते महीने कंपनी ने घरेलू बाजार में 50,240 एसयूवी की बिक्री की है। इसमें 19 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, निर्यात सहित कुल बिक्री 52,386 यूनिट्स रही है। घरेलू बाजार में कमर्शियल बिक्री 23,826 यूनिट्स पर रही है। एमएंडएम के ऑटोमोटिव डिविजन के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा कि फरवरी में एसयूवी की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 50,420 यूनिट्स रही है। वहीं, सभी प्रकार के वाहनों की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 83,702 यूनिट्स रही है। यह मजबूत प्रदर्शन हमारे एसयूवी पोर्टफोलियो के लिए बना सकारात्मक माहौल दिखाता है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ट्रैक्टर की बिक्री में भी फरवरी में उछाल देखा गया है।

झारखंड जदयू ने नीतीश कुमार का 74वां जन्मदिन मनाया

नवीन मेल संवाददाता। रांची
बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का 74वां जन्मदिन विधायक सरयू राय के सरकारी आवास, डोरंडा में आयोजित किया गया। इसमें झारखंड प्रदेश जदयू के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। समारोह के दौरान झारखंड प्रदेश जदयू के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने कहा कि आज का दिन हमारे संगठन के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज के दिन ही बिहार के कर्मठ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जन्म दिन है। कार्यक्रम में नए पदाधिकारियों का सम्मान किया गया और केक काटकर सुशासन दिवस के रूप में इस दिन को मनाया गया। सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की और उनके कार्यों की सराहना किया। इस अवसर पर विधायक सरयू राय ने कहा कि मैं नए पदाधिकारियों को दिल से शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि झारखंड में जदयू बहुत तेजी से विकसित होगा। उन्होंने पार्टी की शक्ति को बढ़ाने और संगठन को मजबूत देने के लिए सभी पदाधिकारियों से लगातार मेहनत करने की अपील की।

पांच करोड़ की लागत से जामताड़ा में बनेगा हाईटेक साइबर थाना

मंत्री इरफान अंसारी ने रखी आधारशीला

नवीन मेल संवाददाता। रांची
जामताड़ा में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने करीब 5 करोड़ की लागत से बनने वाले नए साइबर क्राइम थाने की आधारशिला रखी। जामताड़ा में पर्वत बिहार के सामने नए अत्याधुनिक सभी सुविधाओं से लैस थाना भवन के शिलान्यास पर मंत्री इरफान ने कहा कि जामताड़ा से साइबर कलंक को धोना है हम इसमें आगे बढ़ रहे हैं थोड़ा समय लगेगा। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत तक साइबर क्राइम यहां कम हुए है, अत्याधुनिक सुविधा मिलने के बाद हमारे पुलिस कर्मी और बेहतर काम करेंगे ताकि साइबर अपराधियों में भी खौफ हो। मौके पर जामताड़ा एसपी डॉ एहतेशाम वकारीब ने कहा कि निश्चित तौर पर अत्याधुनिक सुविधाएं मिलने से हमारे पुलिस कर्मी बेहतर कार्य कर के दिखाएंगे। साइबर क्राइम पर कंट्रोल के लिए हाईटेक साइबर क्राइम थाने का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। पहले पुराने भवन में साइबर थाना संचालित हो रहा था। साइबर क्राइम थाना का भवन ग्राउंड प्लस वन बनेगा। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के साथ लोगों की क्षमता का सेप्टिक एवं सोकपिट टैंक बनाया जाएगा। बोरिंग के साथ सबमर्सिबल पम्प, वॉटर सप्लाई, प्रवेश द्वार के साथ चाहरदीवारी और इलेक्ट्रॉनिक प्राइवेट आटोमेटिक ब्रांच एक्सचेंज का निर्माण होगा। लोकल एरिया नेटवर्क, डीजी सेट, स्ट्रीट लाइट की सुविधा भी रहेगी। साथ ही बड़ी गाड़ियों के साथ दो पहिया वाहनों की पार्किंग का इंतजाम भी होगा।

न्यूज बॉक्स

जेसीएम ने डॉ अजय सिंह को दी बधाई

रांची। रांची विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अजय कुमार सिंह को विभागाध्यक्ष बनाए जाने पर जेसीएम के अध्यक्ष अमन तिवारी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ अजय की नियुक्ति बिहार यूनिवर्सिटी सर्विस कमीशन ने 1996 में की थी। 2000 में झारखंड अलग हुआ तो इनकी पहली पोस्टिंग बीएस कॉलेज, लोहरदगा में हुई। 2009 से 2012 तक आरएलएसवाई कॉलेज, रांची में रहे। 2013 से दर्शनशास्त्र विभाग रांची विवि में कार्यरत रहे।

छत्तीसगढ़ सीएम से मिले केंद्रीय मंत्री

रांची। रायपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान देश के विकास में छत्तीसगढ़ की सकारात्मक भूमिका पर बातचीत हुई।

झारखंड आदिवासी विकास समिति की पदयात्रा आज

रांची। झारखंड आदिवासी विकास समिति की ओर से मुंडारी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने को लेकर रविवार को दिन के 11 बजे से बहुबाजार से पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा में ढोल-नगाड़ा के साथ समिति के पदधारी, सदस्य एवं अन्य लोग शामिल होंगे। संगठन के अध्यक्ष प्रभाकर नाग ने बताया कि पदयात्रा बहुबाजार से आरंभ होकर चुटिया मेन रोड, मुंडा गढ़ा तक जाएगी। उन्होंने बताया कि चुटिया पूर्व में मुंडा नागवंशी राजाओं की राजधानी थी। मुंडारी भाषा का इतिहास हड़प्पा काल से पूर्व का है। इसकी अपनी लिपि है। संताली और हो भाषा इसकी सहोदर बहनें हैं। इसके बावजूद समृद्ध मुंडारी भाषा एवं साहित्य को संविधान की आठवीं अनुसूची में अभी तक शामिल नहीं किया गया है।

सहायक आचार्य परीक्षा में हो विषय की जांच एक्सर्ट कमेटी से कराने का निर्देश

रांची। सहायक आचार्य परीक्षा में क्षेत्रीय भाषा हो विषय में पाठ्यक्रम के बाहर के प्रश्न पूछे जाने की हाईकोर्ट ने जांच का निर्देश दिया है। जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को विशेषज्ञ कमेटी बनाकर जांच करने का निर्देश दिया है। कमेटी की रिपोर्ट के आलोक में ही हो विषय की परीक्षा पर निर्णय लेने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने याचिका निष्पादित कर दी। इस संबंध में महेंद्र लुगाई व अन्य ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि जेएसएससी ने 15 जून 2024 को सहायक आचार्य परीक्षा के तहत हो भाषा की परीक्षा ली थी। उक्त परीक्षा में कक्षा एक से कक्षा पांच तक के सिलेबस के प्रश्न पत्र पूछे जाने चाहिए थे, लेकिन जेएसएससी ने कक्षा छह से आठ तक के सिलेबस से प्रश्न पूछे थे। कक्षा छह से कक्षा आठ तक के सिलेबस से करीब 75 फीसदी प्रश्न पूछे गए थे, जबकि विज्ञापन में कक्षा एक से पांच तक के सिलेबस से ही प्रश्न पूछे जाने की बात थी। प्रार्थियों ने हो भाषा की पुनः परीक्षा लेने का आग्रह अदालत से किया है। जेएसएससी ने कुरमाली, पंच परगनिया व उर्दू विषय की परीक्षा पाठयक्रम से बाहर के प्रश्न पूछने के आधार पर रद्द कर दिया है। ऐसे में हो विषय की परीक्षा भी रद्द की जानी चाहिए।

सुदेश महतो की डिस्चार्ज याचिका खारिज आरोप गठन जल्द

रांची। ओबीसी आरक्षण सहित अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के मामले में नामजद आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो के खिलाफ जल्द ही मामले में आरोप गठन किया जाएगा। एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने उनकी ओर से दाखिल डिस्चार्ज याचिका सुनवाई पश्चात खारिज कर दी है। साथ ही अदालत ने मामले में आरोप गठन की तारीख 19 मार्च निर्धारित की है। हालांकि याचिकाकर्ता के अधिवक्ता भरत चंद्र महतो ने बताया कि इस आदेश की चुनौती हाईकोर्ट में देंगे। इसी मामले में आरोपी तत्कालीन विधायक लंबोदर महतो को हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है। घटना को लेकर ओरमांझी के तत्कालीन सीओ विजय केरकेट्टा ने लालपुर थाना में 8 सितंबर 2021 को कांड संख्या 201/2021 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

2025-26 बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला : राधा कृष्ण किशोर

मनोज मिश्रा
रांची। झारखंड विधान सभा में सत्र 2025- 26 के लिए बजट सोमवार को पेश किया जाएगा। इस सत्र का बजट झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर सदन में पेश करेंगे। बजट पेश होने के पहले से ही अटकलों का बाजार गर्म है। कुछ का मानना है कि मंईयां सम्मान योजना से झारखंड सरकार पर खर्च का बोझ बढ़ गया है, इसलिए इस बजट सत्र में अनेक योजनाओं को काटा जाएगा। वहीं कई आश्वस्त भी है कि झारखंड सरकार सभी के विकास के लिए बजट में मास्टर स्ट्रोक खेलेगी। विदित हो कि विधान सभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था कि विरोधियों के हर बॉल पर छक्का लगेगा।

इस संबंध में झारखंड राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से बातचीत में कहा कि बजट गोपनीय होता है मगर इतना संकेत दे सकता हूं कि सत्र 2025-26 का बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला होगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष का बजट 1,28,900 करोड़ रुपए है, हेमंत सरकार के नेतृत्व में इसे और आगे बढ़ाना है, झारखंडवासियों के सपनों को उड़ान देना है।

हर बॉल पर छक्का लगाने का दंभ भरने वाले मुख्यमंत्री हिट विकेट होते नजर आ रहे हैं : बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा है। मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि हर बॉल पर छक्का लगाने का दंभ भरने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सारेन हिट विकेट होते नजर आ रहे हैं। कैग की रिपोर्ट ने हेमंत सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन और घोर इच्छाशक्ति के अभाव को उजागर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने तकरीबन 19 हजार करोड़ रुपये की राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया, जो बड़े भ्रष्टाचार की संभावना को प्रबल करता है। आकस्मिक विपत्र निकासी में गड़बड़ी और गलत बजटीय प्रावधान का खामियाजा झारखंड की जनता जनार्दन को भुगतना पड़ा। राज्य 1.10 लाख करोड़ से ज्यादा का कर्जदार हो गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में व्यापक गरीबी के बावजूद, कई कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि का पूर्ण उपयोग नहीं किया गया, जिससे जरूरतमंद लाभार्थियों तक सहायता नहीं पहुंच पाई। डीबीटी योजनाओं, विशेषकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन और छात्रवृत्ति योजनाओं में, धनराशि के दुरुपयोग, फर्जी लाभार्थियों और अपात्र छात्रों को भुगतान जैसी अनियमितताएं पाई गईं।

मरांडी ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र की बात करें तो डॉक्टरों के 61 फीसदी पद खाली, मेडिकल कॉलेज में 45 फीसदी पद खाली हैं। दवा और उपकरण की खरीद पर उपलब्ध राशि का महज 20 प्रतिशत ही खर्च हुआ। सैंपल जांच केंद्रों में दवा की कमी 66-94 प्रतिशत तक ओटी में भी उपकरणों की कमी 48-67 प्रतिशत तक रही।

कैग की यह रिपोर्ट हेमंत सरकार के कुशासन को आईना दिखा रही है। सरकार को जनता के प्रति पारदर्शी शासन और अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। बेहतर बजटीय प्रबंधन और विभागों के आपसी समन्वय नितांत आवश्यक है।

आजसू पार्टी के मिलन समारोह में बुद्धिजीवियों ने ग्रहण की सदस्यता

नवीन मेल संवाददाता। रांची
केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के समक्ष आज कई बुद्धिजीवियों ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसमें डॉ. रोहित कुमार महतो (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), विभोर नागद्वार (एमबीए, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), इंजीनियर राकेश टुडू, इंजीनियर कृष्ण मुरारी बेदिया, पवन कुमार, बुलंद बेदिया, मनोज बेदिया तथा कई अन्य बुद्धिजीवी आजसू परिवार का हिस्सा बने। पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो तथा अन्य नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत किया और संगठन को और मजबूत करने की दिशा में उनके योगदान की सराहना की। मंच का संचालन राजकिशोर महतो ने किया। मिलन समारोह में मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, राजेंद्र मेहता, दीपक महतो, संजय मेहता, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, पार्वती देवी, परवाज खान,हरीश कुमार आदि उपस्थित थे। बैठक के माध्यम से आजसू पार्टी ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। आगामी दिनों में प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर भी इसी तरह की संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जाएगा।

झारखंड के वृद्धों की मदद के लिए एल्डर हेल्पलाइन शुरू

रांची। झारखंड में वृद्धों के लिए 14567 नेशनल हेल्पलाइन नंबर-एल्डर हेल्पलाइन सेवा शनिवार से शुरू हो गई। रांची के मेन रोड में हुए आयोजन में झारखंड महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार ने इस नंबर का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि यह हेल्पलाइन राज्य के वृद्धों को बेहतर सहायता और सुरक्षा प्रदान करेगी। अपर सचिव अभयनंदन अंबष्ट बोले, झारखंड में एल्डर हेल्पलाइन की श्रेष्ठता को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। विभाग स्तर से टीम को पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। मौके पर अवर सचिव प्रीति सिन्हा , अभिजीत कुंडु, नूतन सिंह, राम लखन प्रसाद गुप्ता और संजय जैन मौजूद थे।

कैंसर को हराना है तो अपने आप में आत्मविश्वास बढ़ाना होगा : राजीव रंजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची
अपना घर आश्रय (इंटास फाउंडेशन द्वारा संचालित संस्था) का स्थापना दिवस बनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रय की संचालिका काउंसलर सिलिका उलाल ने किया। उन्होंने कहा कि आश्रय में कैंसर मरीज को मुफ्त खाना, रहना एवं गाड़ी की व्यवस्था उपलब्ध कराती है। विशिष्ट अतिथि के रूप मे विजन फाउंडेशन के निदेशक राजीव रंजन मिश्रा, संगीत सरिता के संस्थापिका वीणाश्री, छात्र क्लब चिकित्सा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप)शिव किशोर शर्मा, भगवा नारी सेना के अध्यक्ष पिया बर्मन, डॉ अनुज कुमार द्विवेदी, डॉक्टर प्रियदर्शनी, डॉक्टर मुस्कान, सिस्टर सिमफरोसा आदि मौजूद थे। मौके पर डॉ राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कैंसर को हराना है तो अपने आप को 5 वर्ष का बच्चा समझना होगा। आत्मविश्वास बढ़ाना होगा और अपने आप को समझना होगा कि दुनिया का सबसे बड़ा हीरो मैं ही हूं मुझे कोई रोग नहीं है।

इसके पूर्व राजीव रंजन मिश्रा ने अपना घर आश्रय को अपने सामाजिक दायित्व की तरह 25 बेडशीट डोनेट किया। वीणाश्री ने कहा सभी मरीजों के सुख-दुख में मैं हमेशा साथ खड़ी हूं हर संभव मदद भी करूंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप सीमा रानी,विनीता कुमारी,पिंकी गुप्ता,परवेज आलम,हैदर अली,गुलजार खान,सनी खान आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।अतिथि स्वागत विनीता कुमारी एवं धन्यवाद ज्ञापन पिया बर्मन ने किया।

लाभ के पद पर रहते चुनाव लड़ने वाले मंत्री योगेंद्र प्रसाद को नोटिस

पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो की याचिका को अंगीकृत करते हुए हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखंड उच्च न्यायालय ने पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो की याचिका को अंगीकृत करते हुए राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता और उत्पाद व मध निषेध मंत्री योगेन्द्र प्रसाद को नोटिस जारी किया है। उच्च न्यायालय ने उनसे 6 सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष रहते हुए योगेन्द्र प्रसाद ने नामांकन दाखिल किया जो लाभ का पद है और इस बात को उन्होंने निर्वाची पदाधिकारी के सामने छुपा लिया। नामांकन दाखिल करने व स्कूटनी होने तक उनका त्यागपत्र स्वीकृत नहीं हुआ था। स्कूटनी के समय इस बात को लेकर निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष आपत्ति भी दर्ज कराए गए मगर इस आपत्ति पर निर्वाची पदाधिकारी के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस मामले को पूर्वाह्न 11 बजे अपराह्न तीन बजे तक दबाए रखा। एक तरह से इसे मैनेज कर लिया गया। उनके नामांकन को गलत तरीके से मंजूरी दे दी गई। निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी और पर्यवेक्षक उस स्थल से गायब हो गए और सीसीटीवी कैमरा भी बंद कर दिया गया। यह उच्च अधिकारी और सरकार के दबाव में नामांकन को गलत तरीके से स्वीकृत कर लिया गया है। स्कूटनी अवधि समाप्त होने के बाद त्यागपत्र की स्वीकृति मोबाइल द्वारा निर्वाची पदाधिकारी को दिखाया गया है, जो नियम संगत नहीं है। अधिवक्ता पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि इस याचिका को अंगीकृत करते हुए झारखंड उच्च न्यायालय ने निर्वाची पदाधिकारी और मंत्री को नोटिस जारी किया है। साथ ही इस मामले में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी बोकारो और सहायक निर्वाचन पदाधिकारी तेनुघाट को भी पार्टी बनाया है।

लहराते देखें हैं हमने श्याम निशान हजारों हारे का साथी यही है प्रेम से इनको पुकारो...

नवीन मेल संवाददाता
रांची। श्री श्याम मण्डल रांची का 60 सदस्यों का दल शनिवार को राजस्थान स्थित खाटू धाम में अत्यन्त श्रद्धा सहित श्याम निशान (ध्वजा) श्री श्याम प्रभु को अर्पित किए। खाटू धाम से 20 किलोमीटर पहले रिंगस धाम में स्थित गो शाला में सभी निशानों (ध्वजा) की श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं आरती के पश्चात सभी श्याम भक्त श्री श्याम प्रभु के जयकारों के बीच पावन निशानों को कंधे पर उठाकर खाटू धाम के लिए चल पड़े। 20 किलोमीटर तक श्याम प्रभु की मस्ती में झूमते-नाचते, रंग गुलाल तथा श्याम प्रभु के भजनों का आनन्द लेते हुए भक्तों का दल करणी माता के यहां विश्राम कर खाटू स्थित श्री श्याम प्रभु के मुख्य मंदिर पहुंचा। श्री श्याम दरबार पहुंच कर अत्यन्त श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में श्री श्याम प्रभु के जयकारों के बीच श्री श्याम प्रभु व बजरंगबली को निशान (ध्वजा) अर्पित कर सभी ने श्याम प्रभु के मनोहरी स्वरूप के दिव्य दर्शन कर मनोवांछित फल प्राप्ति की कामना की। खाटू धाम में निज निवास पर अखण्ड ज्योत प्रज्वलित कर संकीर्तन के पश्चात धाम में विश्राम कर 3 मार्च को श्री सालासर धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। इस श्री श्याम निशान पद यात्रा को सफल बनाने में विवेक ढांढनीयां, कौशल अग्रवाल , प्रदीप अग्रवाल,अजय साबू, रतन मोर, अंकित मोदी का सहयोग रहा।

जेपीएससी मेधा घोटाले में सात की याचिका पर सुनवाई कल

रांची। जेपीएससी प्रथम सिविल सेवा भर्ती घोटाले के चार्जशीटेड रांची के एसी राम नारायण सिंह, एडीएम विधि-व्यवस्था राजेश्वर नाथ आलोक समेत सात आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका पर सीबीआई कोर्ट में तीन मार्च को सुनवाई होगी। आरोपियों ने अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुए पिछले दिनों याचिका दाखिल की है। मामले में उक्त दो के साथ पूनम कच्छप, विजय बहादुर सिंह, अनिल कुमार यादव, डॉ. समरिता कुमारी एवं विजय प्रसाद सिंह ने याचिका दाखिल की है। मामले में अब तक अदालत ने 11 आरोपियों को अग्रिम राहत देने से इनकार किया है। बता दें कि सीबीआई कोर्ट ने 16 जनवरी को 47भ्रष्ट अफसरों समेत 74 लोगों के खिलाफ संज्ञान लेते हुए समन जारी किया है।

डॉ अनमोल को उप निदेशक के पद से हटाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। रांची
रांची विश्वविद्याल के पूर्व सीनेट सह सिंडीकेट सदस्य डॉ अटल पांडेय ने राज्यपाल कार्यालय को पत्र लिखकर डॉ अनमोल कुमार लाल को उच्च शिक्षा विभाग में उप निदेशक के पद से अविलंब हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि डॉ अनमोल अपनी सेवा अवधि तीन वर्ष पूर्ण कर चुके हैं, लेकिन राज्य के उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा उन्हें 3 महीने का अवधि विस्तार दिया गया है, जो नियम के विरुद्ध है। कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्णय में स्पष्ट है कि वैसे उपनिदेशक जिनकी प्रतिनियुक्ति अवधि 3 वर्ष पूरी हो जाती है, वह तीन और वर्षों की सेवा अवधि पूरी होने की तिथि से स्वतः विरमित समझे जाएंगे। साथ ही मूल महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में अपना योगदान समर्पित करते हुए निदेशालय को सूचित करेंगे। भविष्य में यह आदेश स्वतः लागू समझा जाएगा।

हेमंत सरकार में जवाबदेही और संवेदना का अभाव : सुदेश महतो

नवीन मेल संवाददाता
रांची। हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आजसू पार्टी ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के जिला प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार में जनता के प्रति जवाबदेही और संवेदना का अभाव स्पष्ट दिख रहा है। विधानसभा में विधायकों द्वारा उठाए जा रहे विषयों के प्रति सरकार के मंत्रियों का रवैया टालमटोल का है। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी सरकार के बजट की प्रतीक्षा कर रही है।

सुदेश महतो ने कहा कि आजसू पार्टी झारखंड की अस्मिता, पहचान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए हमें हर जिले, प्रखंड और गाँव तक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। श्री महतो ने ग्राम स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने की रणनीति पर चर्चा की, जिसके तहत प्रत्येक गांव में ग्राम कमेटी का गठन करने पर निर्णय लिया गया। बैठक में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने और संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के लिए महिला प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संगठन में महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं में अधिक अवसर दिए जाएंगे, ताकि वे पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुँचा सकें और स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान कर सकें।

इसके अलावा, सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की उपस्थिति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेष रणनीति पर भी चर्चा की गई। डिजिटल प्रचार और जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया टीम का गठन किया जाएगा, जो पार्टी की विचारधारा और नीतियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का कार्य करेगी। मौके पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, प्रवीण प्रभाकर, राजेंद्र मेहता, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, पार्वती देवी, दीपक महतो, आशुतोष तिवारी आदि उपस्थित थे।

पृष्ठ एक के शेष

पुलिस ने राहुल सिंह के दो...
इशारे पर रंगदारी और लेवी के पैसों का हेराफेरी किया करते थे। अपराधियों से पूछताछ के क्रम में राहुल सिंह से लेवी के पैसे की लेनदेन की बात भी स्वीकार किया है। गिरफ्तार अपराधियों को न्यायिक हिरासत में लातेहार कारा भेज दिया गया है। छापेमारी अभियान में एसआई रंजन पासवान, एसआई अनुभव सिन्हा (पिकेट प्रभारी फुलबसिया) एसआई संतदेव कुमार व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

गुलाम भारत में पूरक प्रश्न पूछने की...
गया। विधायकों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायकों के पास राज्य के लिए कानून बनाने की शक्ति होती है। वे जनता के लिए कानूनों पर चर्चा करते हैं और उनके मतों से ही ये कानून बनते हैं। इन कानूनों का राज्य की जनता पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। विस अध्यक्ष ने कहा कि राजकीय कोष पर नियंत्रण रखना भी विधायकों की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों के अंतर्गत ही कार्यपालिका खर्च कर सकती है। इस खर्च का हिसाब महालेखाकार के माध्यम से सदन के पटल पर रखा जाता है, जिसकी समीक्षा विधायक करते हैं। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने लोकतंत्र में विधायिका के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में विधायिका का स्थान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि इसके माध्यम से जनता अपनी संप्रभुता का प्रयोग करती है। राज्य की सबसे बड़ी महापंचायत के सदस्य के रूप में विधायकों पर कई जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि समय का सदुपयोग और सभी को पूरा अवसर देने के लिए नवाचार भी किया गया है, ताकि प्रश्नकाल और शून्यकाल का पूरा सदुपयोग हो सके। दो दिवसीय प्रबोधन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में रविवार को भी विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी, जिसमें दिल्ली से आए संविधान विशेषज्ञ भाग लेंगे।

केवल विधायी कार्यों में बाधा पर लागू होता है विशेषाधिकार : हरिवंश
राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि बहुत सोच-विचार और मंथन के बाद संविधान की रचना हुई थी, जिसमें संघीय ढांचे के साथ राज्यों के हितों को भी पूरा महत्व दिया गया है। चीन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां सभी को समय का सदुपयोग और भविष्य की आवश्यकताओं के हिसाब से प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे हमें भी सीख लेनी चाहिए। उन्होंने नवचयनित 21 विधायकों और मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि वे विकास की नई गाथा लिखेंगे। उन्होंने विशेषाधिकार हनन के मामलों की चर्चा करते हुए कहा कि बतौर विधायक विधायिका संबंधी कार्यों के संपादन में यदि कोई बाधा उत्पन्न करता है, तो वह विशेषाधिकार का मामला बन सकता है, पर निजी मामले में स्पीकर से लेकर विधायक तक के ऊपर कानून की सभी धाराएं आम लोगों की तरह ही लागू होती हैं। सदन के अध्यक्ष की अवमानना के बारे में उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के चरित्र पर सवाल उठाना, सदन के अंदर के निर्णय जो सार्वजनिक नहीं हुए हों या प्रलोभन धमकी देना अवमानना की श्रेणी में आते हैं।

इन सात बिंदुओं पर मांगी गई...
दौरान आदतन शराब का सेवन करते हैं।
- वैसे पुलिस अफसर और कर्मी, जो बिना कारण अवकाश की समय सीमा को स्वतः बढ़ाकर देर से ड्यूटी पर लौटते हैं।
- वैसे पुलिस अफसर और कर्मी, जिनपर अपने वरीय पदाधिकारी के साथ गलत व्यवहार करने के आरोप में पूर्व में कार्रवाई की गई है। अथवा, वे जो अब भी गलत व्यवहार करते हैं।
- वैसे पुलिस अफसर और कर्मी, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप हो या फिर जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रख्यात रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग आर्टेमयेव ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एनएक्सटी कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद दोनों देशों के झंडे भेंट किए। वहीं पीएम मोदी ने प्रतिष्ठित अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो से भी मुलाकात की। संक्षिप्त बातचीत के दौरान, आर्टेमयेव ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रसिद्ध रूसी सैद्धांतिक अंतरिक्ष वैज्ञानिक कोंस्टेंटिन त्सियोलकोवस्की द्वारा लिखित पुस्तक 'ऑन द मून' भी भेंट की। भारत में रूसी दूतावास ने कहा, "इसके बदले में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष अन्वेषण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के स्तर की अत्यधिक प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से अंतरिक्ष परियोजनाओं पर रूस और भारत के बीच द्विपक्षीय सहयोग का उल्लेख किया, जिसमें राष्ट्रीय मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान में हमारे देश का योगदान भी शामिल है।" पीएम मोदी ने आर्टेमयेव से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, "रूस के एक प्रमुख अंतरिक्ष यात्री ओलेग आर्टेमयेव से मिलकर खुशी हुई। वे कुछ अग्रणी अभियानों में सबसे आगे रहे हैं। उनकी उपलब्धियां कई युवाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष की दुनिया में चमकने के लिए प्रेरित करेंगी।" इस बीच पीएम मोदी ने अमेरिका के मशहूर अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो से भी मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा, "प्रतिष्ठित अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो से मिलकर बहुत खुशी हुई।

केन्या : दो मिलियन से अधिक लोग खाद्य असुरक्षा का कर रहे सामना

नैरोबी(आईएएनएस)। केन्या में खाद्य-असुरक्षित लोगों की संख्या 2.15 मिलियन है। यह आंकड़ा जुलाई 2024 के मुकाबले एक मिलियन से अधिक है। पूर्वी अफ्रीकी देश के राष्ट्रीय सूखा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने यह जानकारी दी है। एनडीएमए ने कहा कि खाद्य सुरक्षा में गिरावट का कारण सामान्य से कम बारिश है। यह पिछले मौसमों से होने वाले फायदे को पलट देती है। इससे घरेलू खाद्य उपभोग में अंतर आया है और कुपोषण का स्तर बढ़ रहा है। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक रिपोर्ट में एनडीएमए ने चेतावनी दी, "मार्च-मई के लंबे बारिश के मौसम के दौरान स्थिति और भी खराब होने का अनुमान है।" इसमें 2.8 मिलियन लोगों को 'तीव्र खाद्य असुरक्षा' का सामना करने की संभावना जताई गई है।" एनडीएमए के अनुसार, चरागाह और पानी की उपलब्धता में कमी के कारण पशुओं की लंबी दूरी तय करनी पड़ी है और साथ ही पशुओं की उत्पादकता में भी कमी आई है।

फुलेरा दूज : श्रीकृष्ण का फूलों से सत्कार करने में जुटीं गोकुल व बरसाने की गलियां

मथुरा के श्री लाडली जी महाराज मंदिर में भव्य है माहौल

मथुरा (आईएएनएस)।

वृंदावन की छटा शनिवार को निराली थी। हो भी क्यों न, फुलेरा दूज जो है। इस दिन से गोकुल और बरसाने की गलियां अपने श्रीकृष्ण का फूल से सत्कार करने में जुट जाती हैं।

1 मार्च से शुरू हुआ पर्व फूल, रंग, अबीर, लड्डू से होता हुआ लठमार होली तक पहुंचेगा। होली का उल्लास अनूठा है और दुनिया भर से श्रद्धालु इसे देखने पहुंचने लगे हैं। फुलेरा दूज की सुबह से ही श्री जी के भक्त उनकी अटारी पहुंचने लगे। मंदिर के भीतर चंग-ढोलक की थाप संग राधा रानी को पूरे भाव से सुमिरन करने लगे।

- 7 को बरसाना में होगा लड्डू मार होली का आयोजन
- 8 को बरसाना में ही खेली जाएगी लठमार होली

फुलेरा दूज को लेकर कहानियां और मान्यताएं कई हैं। कुछ कहते हैं कि अपनी राधा रानी से मिलने घनश्याम पधारते हैं, तो कुछ का मानना है कि कृष्ण भगवान स्वयं भक्तों के साथ होली खेलने पधारते हैं। मान्यताएं-कहानियां कुछ भी हों, लेकिन रौनक शानदार होती है। सुबह से ही श्री जी के भक्त उनके द्वार पहुंचने लगे।

मथुरा के श्री लाडली जी महाराज मंदिर में इस समय होली का माहौल पूरी तरह से भव्य है। यहां रंगों की ऐसी बरसात होती है कि भक्त भक्ति और उल्लास में डूब जाते हैं। मंदिर में फूलों की होली, हुरंगा होली और गुलाल होली की परंपराएं बड़े धूमधाम से मनाई जाती हैं। श्रद्धालु न सिर्फ रंग खेलते हैं, बल्कि यहां के आध्यात्मिक वातावरण में भी मग्न हो जाते हैं, जो उन्हें एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है।

इस साल ब्रज क्षेत्र में होली के त्योहार की धूम अलग ही देखने को मिलेगी। 7 मार्च से 15 मार्च तक आयोजित होने वाले विभिन्न होली आयोजनों में श्रद्धालु और पर्यटक दोनों ही जमकर रंगों की मस्ती में डूबेंगे।

7 मार्च को बरसाना में लड्डू मार होली का आयोजन होगा, जहां श्रद्धालु लड्डू फेंकते हुए एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देंगे। 8 मार्च को बरसाना में ही लठमार होली खेली जाएगी, जो खासतौर पर महिलाओं द्वारा पुरुषों पर लठमार (लाठी से खेल) के रूप में खेली जाती है।

9 मार्च को नंद गांव में भी लट्ठमार होली का आयोजन होगा, जिसमें स्थानीय लोग और श्रद्धालु पूरे जोश के साथ हिस्सा लेंगे। इसके बाद 10 मार्च को वृंदावन के ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में रंगों की होली का आयोजन होगा, जो विश्वभर में प्रसिद्ध है।

11 मार्च को गोकुल में छड़ी मार होली का आयोजन होगा, जो विशेष रूप से श्रद्धालुओं द्वारा छड़ी से एक-दूसरे को रंग लगाने का पारंपरिक तरीका है। इसके बाद 13 मार्च को फालेन गांव में होलिका दहन होगा, जिसमें दहकते अंगारों के बीच से पंडा निकलेगा, यह एक अद्भुत धार्मिक परंपरा है।

14 मार्च को संपूर्ण ब्रज क्षेत्र में होली का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें सभी लोग रंगों से सराबोर हो जाएंगे। और अंत में, 15 मार्च को दाऊजी में हुरंगा का आयोजन किया जाएगा, जहां श्रद्धालु विशेष रूप से हुरंगों के साथ रंगों में डूबकर होली का आनंद लेंगे।

बहुत अच्छे से समाप्त नहीं हुई ट्रंप के साथ जेलेंस्की की बैठक

जेलेंस्की शांति नहीं चाहते : डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा
- रूसी राष्ट्रपति लड़ाई को समाप्त करना चाहते हैं
- यूक्रेनी राष्ट्रपति को तत्काल युद्ध विराम करना चाहिए

वाशिंगटन (आईएएनएस)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की शांति नहीं चाहते हैं, जबकि उनका दावा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। वहीं, व्हाइट हाउस से बाहर निकलते समय ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए जेलेंस्की के बारे में कहा, उन्हें वहां खड़े होकर पुतिन के बारे में नकारात्मक बातें कहने की जरूरत नहीं है।

ट्रंप ने आगे कहा, यूक्रेनी राष्ट्रपति को यह घोषित करने की जरूरत है कि वह शांति चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, रूसी राष्ट्रपति लड़ाई को समाप्त करना चाहते हैं। ट्रंप का यह बयान यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ उनकी बैठक के बाद आया है, जिसमें दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें ट्रंप और जेलेंस्की के विचारों में गंभीर अंतर सामने आए थे।

ट्रंप से जब यह सवाल पूछा गया कि क्या वह यूक्रेन को सैन्य सहायता बंद करने पर विचार कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं क्या विचार कर रहा हूं। मैं बस आपको बता रहा हूं। आपने वही देखा, जो मैंने आज देखा। वह ऐसा व्यक्ति नहीं था, जो शांति स्थापित करना चाहता था, और मुझे केवल तभी दिलचस्पी है, जब वह रक्तपात को समाप्त करना चाहता है।

ट्रंप ने यह भी कहा, उन्हें तत्काल युद्ध विराम करना चाहिए। युद्ध विराम तुरंत हो सकता है। यदि आप युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं, तो आपको एक समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा, जिसमें कुछ समय लगेगा। मैं चाहता हूं कि यह तुरंत समाप्त हो। आपके पास वास्तविक युद्ध विराम होना चाहिए था, लेकिन वह ऐसा नहीं करना चाहते। मैं चाहता हूं कि यह तुरंत समाप्त हो। लेकिन, वह (जेलेंस्की) युद्ध विराम नहीं चाहते। लेकिन, वह ऐसे ही लड़ते रहे, तो अमेरिका के बिना उनके लिए जीत हासिल करना संभव नहीं होगा।

शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को ट्रंप के साथ जेलेंस्की की बैठक बहुत अच्छे से समाप्त नहीं हुई। दोनों नेताओं में रूस के साथ युद्ध और युद्ध विराम को लेकर तीखी बहस हुई। जेलेंस्की ने इस बैठक के बाद फॉक्स न्यूज पर कहा कि उनका और ट्रंप का सार्वजनिक टकराव 'दोनों पक्षों के लिए अच्छा नहीं था', लेकिन उन्होंने यह भी जोर दिया कि ट्रंप को यह समझना चाहिए कि यूक्रेन अचानक रूस के प्रति अपना रुख नहीं बदल सकता।

जेलेंस्की ने कहा, यह हमारे लोगों के लिए बहुत संवेदनशील है। वे बस यह सुनना चाहते हैं कि अमेरिका हमारे पक्ष में है और आगे भी हमारे साथ रहेगा। रूस के साथ नहीं, हमारे साथ। बस इतना ही।

जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस की बैठक को एक मौके के रूप में देखा, जिसमें वह अमेरिका को रूस के साथ गठबंधन न करने के लिए मना सकते थे, क्योंकि रूस ने तीन साल पहले यूक्रेन पर आक्रमण किया था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उप-राष्ट्रपति वेंस ने जेलेंस्की की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने 'असम्मान' दिखाया। इससे कीव के सबसे बड़े युद्धकालीन दोस्त के साथ रिश्ते और खराब हो गए।

राष्ट्रपति ने 5 हजार साल पुराने हड़प्पा के महानगर धोलावीरा का किया दौरा

भुज/अहमदाबाद (हि.स.)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को कच्छ जिले के दौरे के दौरान खादिर बेट स्थित पांच हजार साल पुरानी सभ्यता धोलावीरा का दौरा किया। राष्ट्रपति ने यहां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का भ्रमण किया और प्राचीन मानव सभ्यता के चरणबद्ध विकास के साथ-साथ उत्कृष्ट नगरीय नियोजन के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की।

राष्ट्रपति मुर्मु को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक यदुवीर सिंह रावत ने प्राचीन मानव सभ्यता और विश्व धरोहर स्थल धोलावीरा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। यात्रा के दौरान राष्ट्रपति को हड़प्पा सभ्यता, निवास, महानगर में अद्भुत जल भंडारण एवं निपटान प्रणाली तथा विशाल दीवारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर वे प्राचीन मनका बनाने वाले कारखाने, सुव्यवस्थित सीढ़ीदार नहर, ऊपरी नगर, मध्य नगर तथा निचला नगर आदि को देखकर अभिभूत हुईं।

भारतीय पुरातत्व मंत्रालय द्वारा धोलावीरा स्थल की खुदाई के दौरान मिली विभिन्न कलाकृतियाँ, मिट्टी के बर्तनों के अवशेष, विभिन्न तांबे की वस्तुएं, तौल उपकरण और पत्थर के आभूषण राष्ट्रपति के समक्ष प्रदर्शित किए गए। यात्रा के अंत में राष्ट्रपति ने धोलावीरा विश्व धरोहर स्थल के परिसर में पौधरोपण भी किया।

पहले बजट में घोषणाएं होती थीं, क्रियान्वयन नहीं : मंडाविया

राजकोट(आईएएनएस)

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पहले बजट में घोषणाएं होती थीं, क्रियान्वयन नहीं। उन्होंने बताया कि आज देश का बजट 50 लाख करोड़ रुपये का हो गया है, जबकि 2014 में यह 17 लाख करोड़ रुपये का था।

मंडाविया ने कहा कि इस बजट में 15 लाख करोड़ रुपये का खर्च इंफ्रास्ट्रक्चर पर किया जाएगा और यह बजट 2047 के रोडमैप के साथ तैयार किया गया है। इसके अलावा, आने वाले समय में 4 करोड़ नौकरियों के लिए 2 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश की प्रमुख कंपनियों में 1 साल तक इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा, जिससे अन्य कंपनियों को भी फायदा होगा।

गुजरात के बजट के बारे में भी मंडाविया ने बात की और बताया कि उन्होंने जूनागढ़ और पोरबंदर के घेड पंथक क्षेत्र का दौरा किया, जहां चौमासा के दौरान पानी घुसने की समस्या है। इस समस्या को हल करने के लिए 1500 करोड़ रुपये का प्लान तैयार किया गया है, जिसमें नदियों को गहरा करने और पानी को रोकने के उपाय शामिल हैं।

हमास का संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर बातचीत करने से इनकार

गाजा पट्टी(हि.स.)। आतंकवादी समूह हमास ने साफ कर दिया है कि संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के दूसरे चरण के समझौते के लिए फिलहाल कोई बातचीत नहीं होगी। ना ही वह इजराइल का प्रस्ताव मानेगा। आतंकी समूह के प्रवक्ता हाजेम कासेम ने बयान में कहा है कि इजराइल पहले चरण के समझौते में 42 दिन का विस्तार चाहता था। द यरुशलम पोस्ट के अनुसार, हमास प्रवक्ता कासेम ने कहा कि बंधक समझौते के पहले चरण को आगे बढ़ाने के इजराइल के प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि हमास और इजराइल के बीच संघर्ष विराम समझौते का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो रहा है।

हेल्थ कोच ल्यूक कॉउटिन्हो ने पीएम नरेंद्र मोदी की पहल की प्रशंसा की, कहा

भारत में जंक फूड पर जागरूकता की आवश्यकता

- पोषण की शुरुआत कम उम्र से होनी चाहिए
- पोषण पर शिक्षा देश की हर भाषा में मिले

नई दिल्ली (आईएएनएस)

हेल्थ कोच ल्यूक कॉउटिन्हो ने कहा कि भारत में मोटापे से लड़ने के लिए जंक फूड पर जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने देश में मोटापे से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की प्रशंसा की। नई दिल्ली में एक आंगनवाड़ी केंद्र के दौरे के दौरान कोउटिन्हो ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटापे की समस्या से निपटने के अपने दृष्टिकोण में बिल्कुल सही हैं।

कॉउटिन्हो ने कहा, हमें बच्चों और वयस्कों को जंक फूड के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है, जो मोटापे जैसे बड़ी समस्या में योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि पोषण की शुरुआत कम उम्र से ही होनी चाहिए और पोषण के बारे में शिक्षा देश भर की भाषाओं में दी जानी चाहिए।

उन्होंने मोटे अनाज जैसे स्थानीय सुपरफूड तक पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। ल्यूक कॉउटिन्हो होलिस्टिक हीलिंग सिस्टम के सह-संस्थापक कॉउटिन्हो ने कहा, पीएम मोदी ने हमें स्थानीय सुपरफूड का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। हम इन खाद्य पदार्थों के साथ एक प्राकृतिक संतुलित आहार बनाए रख सकते हैं और प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा संतुलित मात्रा में हासिल कर सकते हैं।

'मन की बात' के 119वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने मोटापे के बढ़ते मामलों और इसे रोकने की आवश्यकता पर चर्चा की थी, क्योंकि यह उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर जैसी कई बीमारियों का कारण बन सकता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है।

पीएम ने कहा था, बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2022 में दुनिया भर में करीब 250 करोड़ लोग ओवरवेट थे, यानी उनका वजन जरूरत से ज्यादा था। उन्होंने 'खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी लाने' का सुझाव दिया। मोटापे के खिलाफ अभियान के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, एक भारतीय नागरिक के रूप में सभी को व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेनी चाहिए, अपना योगदान देना चाहिए, सही भोजन चुनना चाहिए, प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए तथा अपने मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

पासपोर्ट के लिए अब जन्म प्रमाण पत्र जरूरी

- अक्टूबर 2023 के बाद पैदा हुए लोगों का पासपोर्ट जन्म प्रमाण पत्र के बिना नहीं बनेगा

-ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत में 1 अक्टूबर, 2023 के बाद पैदा हुए सभी लोगों को अपना पासपोर्ट बनवाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र देना अनिवार्य कर दिया गया। इसके पहले पैदा हुए लोग अन्य दस्तावेजों का विकल्प चुन सकते हैं। यह नया नियम जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 2023 के तहत जारी हुआ है। नए नियमों के तहत, 1 अक्टूबर 2023 या उसके बाद जन्म लेने वाले आवेदकों के लिए जन्म प्रमाणपत्र ही जन्मतिथि का एकमात्र वैध प्रमाण माना जाएगा। पासपोर्ट के लिए अब जन्म प्रमाण पत्र जरूरी है। 1 अक्टूबर, 2023 के बाद पैदा हुए लोग संशोधित जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 2023 के तहत आते हैं। इस नए नियम के अनुसार, अब पासपोर्ट आवेदन के साथ जन्म प्रमाण पत्र लगाना अनिवार्य होगा। लेकिन, अगर आपका जन्म इससे पहले हुआ है, तो आपके पास अभी भी दूसरे दस्तावेज जमा करने का विकल्प है।

जहां तक वैकल्पिक दस्तावेजों का सवाल है तो पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2025 में इन वैकल्पिक दस्तावेजों की सूची दी गई है। इनमें ट्रांसफर सर्टिफिकेट, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट, पैन कार्ड, सरकारी कर्मचारियों के लिए सर्विस रिकॉर्ड या पेंशन ऑर्डर, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी कार्ड, और एलआईसी या सार्वजनिक कंपनियों की ओर से जारी पॉलिसी बॉन्ड शामिल हैं। इससे पहले भी 26 जनवरी, 1989 को जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया था। लेकिन 2016 में पासपोर्ट नियमों में संशोधन करके इसे हटा दिया गया था। तब सभी आवेदकों को ऊपर बताए गए किसी भी एक दस्तावेज को जन्म प्रमाण के रूप में जमा करने की अनुमति दे दी गई थी। अब देश में जन्म प्रमाण पत्र को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।